नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सच का अनुभव

www.chaltefirte.com

चलते फिरते

नई दिल्ली
बुधवार
21 अप्रैल, 2021
वर्ष-17, अंक 338
पृष्ठ-08, ₹-2 रु0

3 दिल्लीवालों की समस्याओं को लेकर दिल्ली भाजपा...

6 लोकसभा अध्यक्ष ने की राज्य और कोटा-बूंदी...

रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं

कोरोना को एक बार फिर परास्त करेगा देश: मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि तूफान बनकर आयी कोरोना महामारी की दूसरी लहर ने देश के सामने बड़ी चुनौती पैदा कर दी है लेकिन धैर्य और अनुशासन तथा संकल्प के साथ जनभागीदारी की ताकत से देश इस तूफान को परास्त कर सकता है।

श्री मोदी ने देश भर में कोरोना के संक्रमण के बढते मामलों के बीच बिना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अचानक मंगलावार रात पौने नौ बजे देश को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि देश एक बार फिर कोरोना से बड़ी लड़ाई लड़ रहा है पिछले वर्ष की स्थिति फिर भी संभली हुई थी लेकिन इस बार कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर तूफान बन कर आयी है जिससे बडी चुनौती उत्पन्न हो गयी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब देश कोरोना से लडने के लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक तैयार है। डाक्टरों के पास विशेषज्ञता है और वे लोगों की जान बचा रहे हैं ।टेस्ट बढ रहे हैं बहुत मजबूती और धैर्य से लडाई लडी हैह्व। उन्होंने कहा कि इसका श्रेय देशवासियों को जाता है वे अनुशासन और धैर्य के साथ लडते हुए देश को यहां तक लाये हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हम इस बार भी जनभागीदारी की ताकत से कोरोना के तूफान को भी परास्त कर पायेंगे।

उन्होंने राज्यों का आह्वान किया कि वे मजदूरों तथा श्रमिकों और कामगारों में विशवास और भरोस पैदा करें कि वे जहां हैं वहीं रहें क्योंकि उन्हें वहां काम भी मिलेगा और वैक्सीन भी मिलेगी। उन्होंने राज्यों से कहा कि लॉकडाउन अंतिम विकल्प होना चाहिए और सभी की यह पूरी कोशिश होनी चाहिए कि इसकी नौबत न आये। हमें मिलकर देश की अर्थव्यवथा को भी संभालना है और अपने आपको भी बचाना है।

श्री मोदी ने कहा कि देश कठिन समय में धैर्य नहीं खोने और सही निर्णय लेने के मंत्र को सामने रखकर काम कर रहा है और जो कदम उठाये गये हैं उनसे तेजी से स्थिति सुधरेगी।

उन्होंने देशवासियों को आश्वस्त किया कि वे साहस , धैर्य और अनुशासन को न छोड़ें तो देश भी परिस्थितयों को बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर देश को लाकडाउन से बचाना है। हमारा सारा जोर इस बात पर होना चाहिए कि लाकडाउन के अंतिम विकल्प की जरूरत न पडे। इसके लिए राज्य सरकारों को माइक्रोकंटेनमेंट जोन की व्यवस्था पर जोर देना होगा।

रामनवमी के मौके पर मयादी पुरूषोत्तम राम का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि देशवासियों को कोविड व्यवहार की सभी मयार्दाओं का पूरी तरह पालन करने का संकल्प लेना होगा। रमजान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस पवित्र महीने से हमें धैर्य और अनुशासन की सीख मिलती है जो हमारी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण है। हमें दवाई भी और कड़ाई भी के मंत्र का शत प्रतिशत पालन करना है।

देश के युवाओं का विशेष रूप से आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे अपने घरों में इस तरह का माहौल बनायें कि बिना जरूरी काम के घर का कोई सदस्य बाहर नहीं निकले। उन्होंने कहा कि युवा आगे आयें और अनुशासन का पालन करवायें तो न तो कर्फ्यू की जरूरत पड़ेगी और न ही लाकडाउन की। प्रचार माध्यमों से भी उन्होंने अपील की कि वे लोगों को जागरूक करें और इस दिशा में अपने प्रयास और अधिक बढायें जिससे डर का माहौल कम हो सके। लोग अफवाह और भ्रम में न आयें। उन्होंने कहा कि देश भर में कई संस्थाएं जरूरतमंदों की मदद कर रही हैं। सबसे अपील है कि अधिक से अधिक लोग आगे आयें तथा जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाये क्योंकि पुरूषार्थ और सेवा भाव से ही हम यह लडाई जीत पायेंगे।

उन्होंने कहा कि देश में आक्सीजन और दवाओं की कमी को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं और इसमें केन्द्र , राज्य तथा निजी क्षेत्र सब मिलकर प्रयास कर रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि हर जरूरतमंद को आक्सीजन तथा दवा दोनों मिले। अस्पतालों में बेड की संख्या बढाई जा रही है। कुछ शहरों में विशाल कोविड अस्पताल बनाये जा रहे हैं । साथ ही देश भर में व्यापक स्तर पर टीकाकरण भी किया जा रहा है। बड़ी संख्या में लोगों को वैक्सीन का लाभ मिल चुका है अब देश की वैक्सीन का आधा हिस्सा राज्यों और अस्पतालों को भी मिलेगा। एक मई से 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को भी टीका लगाया जायेगा।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे डाक्टरों तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकताओं के सेवा भाव तथा समर्पण को भी उन्होंने नमन किया।

पलायन नहीं करें प्रवासी मजदूर : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रवासी मजदूरों से शहरों से पलायन नहीं करने की अपील करते हुए मंगलवार को कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को कोरोना महामारी से बचने का टीका दिया जाएगा। श्री मोदी ने देर शाम राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ संघर्ष में देश पूरी तरह से सक्षम है। सरकार इसके लिए पूरी तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि देश में दो स्वदेशी वैक्सीन है। देश में कोरोना मरीज के खिलाफ दुनिया में सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि एक मई से प्रत्येक व्यक्ति को कोरोना वायरस से बचाव का टीका लगना आरंभ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जो जहाँ है , उसे वही टीका लगाया जाएगा। श्री मोदी ने कहा कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए लॉक डाउन की आवश्यकता नहीं है बल्कि जनभागीदारी की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि प्रवासी मजदूरों को डरना नहीं चाहिए और उन्हें टीका लगाया जाएगा। उन्होंने राज्यों से भी अंतिम विकल्प के रूप में लॉकडाउन का इस्तेमाल करने की सलाह दी। गौरतलब है कि मुंबई के बाद दिल्ली में भी सात दिन का लॉक डाउन होने के बाद प्रवासी मजदूरों का अपने घरों की ओर लौटना आरंभ हो गया है। लॉकडाउन को लेकर तरह-तरह के अफवाहों से प्रवासी मजदूर अपने अपने गृह राज्यों को लौट रहे हैं।

उ प्र के पांच शहरों में लॉकडाउन के फैसले पर 'सुप्रीम' रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने कोरोना महामारी के त्वरित प्रसार के कारण उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में लॉकडाउन के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय पर मंगलवार को रोक लगा दी। उच्च न्यायालय ने कोरोना संक्रमण के मद्देनजर प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और गोरखपुर में 26 अप्रैल तक सम्पूर्ण लॉकडाउन का उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया था। मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रमासुब्रमण्यम की खंडपीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद फैसले के अमल पर रोक लगा दी तथा मामले की सुनवाई दो सप्ताह के बाद करने का निर्णय लिया। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश हो रहे श्री मेहता ने दलील दी थी कि न्यायिक आदेश के जरिये पांच शहरों में सम्पूर्ण बंदी से प्रशासकीय कठिनाइयां पैदा होंगी।

इस बीच, न्यायालय ने राज्य सरकार से कहा कि वह कोरोना महामारी से निपटने के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी अगली सुनवाई तक उसे उपलब्ध कराये। मेहता ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सुबह मामले का विशेष उल्लेख करते हुए इसकी त्वरित सुनवाई का आग्रह किया था, जिसे खंडपीठ ने मान लिया था और पहले से सूचीबद्ध सभी मामलों की सुनवाई के बाद राज्य सरकार की अपील पर विचार किया। खंडपीठ ने इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस नरसिम्हा को न्याय मित्र नियुक्त किया है।

देश में कोरोना संक्रमण के 2.59 लाख से अधिक नए मामले

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान विभिन्न हिस्सों में इस वायरस से संक्रमित 2.59 लाख से अधिक नये मामले सामने आए और 1761 और लोगों की इस महामारी के संक्रमण से मौत हो गयी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 2,59,170 नये मामले आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़कर एक करोड़ 53 लाख 21 हजार 089 तक पहुंच गयी।

संक्रमित की संख्या में हालांकि कल के मुकाबले आज कुछ कमी आयी है। इस दौरान रिकॉर्ड 1,54,761 मरीज स्वस्थ होने के साथ इस महामारी से अभी तक 1,31,08,582 मरीज ठीक हो चुके हैं। कोरोना के सक्रिय मामले देश में तेजी से बढ़ रहे है और यह 20 लाख को पार कर 20,31,977 तक पहुंच गये हैं। इसी अवधि में 1761 और मरीजों की मौत के साथ इस बीमारी से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 1,80,530 हो गया है। देश में कल 32,76,555 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया, इसके साथ ही अभी तक 12,71,29,113 लोगों को कोरोना को टीका लगाया चुका है।

देश में रिकवरी दर घटकर 85.56 फीसदी और सक्रिय मामलों की दर बढ़कर 13.26 प्रतिशत हो गयी है, लेकिन मृत्युदर घटकर 1.18 फीसदी रह गयी है। महाराष्ट्र कोरोना के सक्रिय मामलों में शीर्ष पर है और राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 6161 बढ़कर 6,78,198 हो गए हैं। इस दौरान राज्य में 52,412 और मरीजों के ठीक होने के बाद कोरोना को मात देने वालों की तादाद बढ़कर 31,59,240 तक पहुंच गयी है जबकि 351 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 60,824 हो गया है।

हर साल 70 करोड़ कोवैक्सीन की डोज बनाएगी भारत बायोटेक

नई दिल्ली। देश में बढ़ते कोरोना संक्रमितों की संख्या के बीच कोविड वैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने बड़ी घोषणा की है। कोवैक्सीन बनाना रही कंपनी ने कहा है कि हर साल 70 करोड़ से ज्यादा यानी सात सौ मिलियन डोज बनाने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी ने कहा है कि इसके लिए हैदराबाद और बेंगलुरू जैसी जगहों पर भी क्षमता में विस्तार किया जा रहा है। अभी हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक एक महीने में कोवैक्सीन की 40 लाख डोज बना रहा है, जबकि पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कोविशील्ड की 6 करोड़ खुराक बना रही है। केंद्र ने सीरम इस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को करीब 3,000 करोड़ रुपये एडवांस में दे दिए हैं। वहीं, भारत बायोटेक को करीब 1,500 करोड़ रुपये एडवांस में दिए गए हैं। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को लेकर वैक्सीनेशन प्रक्रिया में तेजी लाने को लेकर इन कंपनियों को वैक्सीन के प्रोडक्शन को बढ़ाने के लिए केंद्र ने भुगतान किए हैं। केंद्र ने बीते दिनों अठारह साल से ऊपर के सभी लोगों का टीकाकरण करने का ऐलान किया है। ये प्रक्रिया एक मई से शुरू हो जाएगी। वहीं, दूसरी तरफ कई राज्यों में वैक्सीन की कमी की खबरें आ रही है। कई राज्यों ने केंद्र से शिकायत की है।

नए क्षेत्रों से भारतीय खाद्य पदार्थों की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य सचिव अनूप वधावन ने मंगलवार को कहा कि विश्व के कई भागों से भारतीय खाद्य पदार्थों की मांग में भारी इजाफा हुआ है और आने वाले समय में भारतीय निर्यात नयी ऊंचाइयों को छुएगा।

श्री वधावन यहां संवाददाताओं से कहा कि कोविड महामारी के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। सरकार के प्रयासों से विनिर्माण उद्योग को बढ़ावा मिला है और निर्यात में वृद्धि हुई है। कोविड-19 के कारण हालाँकि दुनिया भर का निर्यात प्रभावित रहा लेकिन भारतीय निर्यात अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में रहा। उन्होंने पिछले वित्त वर्ष के निर्यात आँकड़ों के हवाले से कहा कि आखिरी के तीन महीनों में निर्यात की संभावनाएं बेहतर हुई हैं। इसका असर आने वाले समय में भी दिखाई देगा।

श्री वधावन ने कहा कि पिछले साल की दूसरी छमाही में उम्मीद से ज्यादा तेजी से व्यापार बढ़ने से विश्व व्यापार में त्वरित सुधार की संभावनाएं बेहतर हुई हैं। विश्व व्यापार संगठन के अनुसार विदेश व्यापार 2020 में 5.3 प्रतिशत गिरने के बाद वर्ष 2021 में 8.0 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है।

श्री वधावन ने कहा कि कोविड काल ने भारतीय खाद्य क्षेत्र के लिए नए अवसर खोले हैं। अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इजरायल, फिलिस्तीन और मिस्र में भारतीय खाद्य पदार्थों की मांग में वृद्धि हुई है। ताजा और सूखे लहसुन, मसालों, मिर्च, हल्दी, अदरक, बीज मसाले, जीरा, सौंफ, तिल के बीज और तेल, चीनी और मूंगफली के लिए पूछताछ की गयी है। श्रीलंका ने पहली बार भारतीय चीनी की मांग की है। मलेशिया और फिलीपींस जैसे नए खरीदारों से गैर-बासमती चावल की मांग से आने वाले महीनों में निर्यात को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

वाणिज्य सचिव ने कहा कि फार्मा क्षेत्र में भारत ने 150 से अधिक देशों में कोविड महामारी से संबंधित आपूर्ति की।

उन्होंने कहा कि कारोबार के अनुकूल माहौल बनाने, प्रक्रियाओं को आसान करने, माल वाहन का बुनियादी ढाँचा तैयार करने और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना लागू करने से यह संभव हुआ है।

व्यापार सुधारों पर बंगलादेश के साथ समझौते को मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बंगलादेश के साथ आपसी व्यापार सुधारने के लिए अपनाये जाने वाले उपायों को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को पूर्व प्रभाव से मंजूरी दी गई।

बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने संवाददाताओं को बताया कि भारतीय व्यापार उपचार महानिदेशालय और बंगलादेश के व्यापार शुल्क आयोग के बीच 27 मार्च, 2021 को ढाका में व्यापार उपचार उपायों के क्षेत्र में सहयोग का तंत्र विकसित करने के लिए हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) को पूर्व प्रभाव से स्वीकृति दी गयी है।

इस समझौता ज्ञापन का प्राथमिक उद्देश्य व्यापार उपचार में दोनों देशों के बीच सहयोग को प्रोत्साहन देना, सूचना के आदान-प्रदान से संबंधित व्यापक गतिविधियों को शामिल करना, भारत और बंगलादेश के बीच द्विपक्षीय व्यापार में, एंटी डम्पिंग, काउंटवेलिंग और सुरक्षा उपायों के क्षेत्र में विश्व व्यापार संगठन के विभिन्न प्रावधानों के अनुरूप क्षमता निर्माण गतिविधियों का संचालन करना है। एमओयू के माध्यम से दोनों देशों के उपयुक्त प्राधिकरणों के बीच बेहतर सहयोग को बढ़ाना देने का लक्ष्य है, जिससे दोनों देशों के बीच अनुचित व्यापार प्रक्रियाएं हतोत्साहित हों और नियम आधारित द्विपक्षीय व्यापार को प्रोत्साहन मिले।

नागरिक प्रशासन की युद्ध स्तर पर मदद करें रक्षा प्रतिष्ठान : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा प्रतिष्ठानों से नागरिक प्रशासन और राज्य सरकारों को ऑक्सीजन सिलेंडर और अतिरिक्त बेड उपलब्ध कराने के लिए युद्धस्तर पर काम करने को कहा है।

श्री सिंह ने देश भर में कोविड-19 मामलों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी से निपटने के लिए मंगलवार को यहां रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक वर्चुअल बैठक की।

रक्षा मंत्री को बताया गया कि सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा, डीआरडीओ, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू), ओएफबी और रक्षा मंत्रालय के अन्य संगठनों जैसे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा कोविड 19 महामारी के इस मुश्किल दौर में कैसे लोगों की मदद की जा रही है। उन्होंने डीपीएसयू, ओएफबी और डीआरडीओ से आग्रह किया कि वे जल्द से जल्द नागरिक प्रशासन तथा राज्य सरकारों को ऑक्सीजन सिलेंडर और अतिरिक्त बेड उपलब्ध कराने के लिए युद्धस्तर पर काम करें। उन्होंने सशस्त्र बलों को राज्य सरकारों के साथ निकट संपर्क में रहने और किसी भी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने इन संस्थाओं को जरूरी सामान की खरीद की आपातकालीन शक्तियां भी सौंपी ताकि महत्वपूर्ण जरूरतों की खरीद की जा सके।

रक्षा मंत्री को डीआरडीओ अध्यक्ष ने डीआरडीओ द्वारा विकसित की गई कोविड-19 सुविधाओं के बारे में सूचित करते हुए कहा कि राजधानी में एक कोविड सेंटर ने फिर से कार्य शुरू कर दिया है।

श्री सिंह को यह भी बताया गया कि एलसीए तेजस के लिए विकसित ऑन-बोर्ड ऑक्सीजन जेनरेशन तकनीक पर आधारित एक 1000 लीटर प्रति मिनट की क्षमता वाली ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट तकनीक उद्योग को दी गई है और उत्तर प्रदेश सरकार ने इस तरह के पांच प्लांट्स का ऑर्डर इंडस्ट्री को दिया है। रक्षा मंत्री को सूचित किया गया कि अस्पताल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उद्योग द्वारा अधिक प्लांट्स की आपूर्ति की जा सकती है। अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के लिए विकसित ब्लड ऑक्सीजन सेचुरेशन आधारित पूरक ऑक्सीजन वितरण प्रणाली का उपयोग कोविड़-19 रोगियों के लिए किया जा सकता है क्योंकि उनकी स्थिति भी समान हो जाती है। डीआरडीओ द्वारा प्रदत्त तकनीक के अनुसार उद्योग से बाजार में जल्द ही उत्पाद उपलब्ध हो जाएगा।

रक्षा मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए उन सेवानिवृत कर्मियों की सेवाएं ली जा सकती हैं जिन्हें टीका लग चुका है। ये सेवानिवृत्त कर्मी सिविल प्रशासन तथा राज्य सरकारों की सहायता कर सकते हैं।

बैठक सशस्त्र बलों के जवानों और रक्षा मंत्रालय में कार्यरत अधिकारियों तथा कर्मचारियों में कोविड-19 के प्रसार के तरीकों पर भी चर्चा की गयी। कार्य स्थल पर कोविड के उचित व्यवहार के पालन पर जोर देते हुए रक्षा मंत्री ने हर समय मास्क पहनने और शारीरिक दूरी कायम रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया। बैठक में रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत, नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह, थल सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे, महानिदेशक सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (एएफएमएस) डीआरडीओ अध्यक्ष और सैन्य अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

'महाराष्ट्र में लगेगा संपूर्ण लॉकडाउन'

किराना और खाने-पीने की वस्तुओं की दुकानें केवल 4 घंटे के लिए खुलेंगी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में संपूर्ण लॉकडाउन लगने जा रहा है। उद्धव सरकार के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताया है कि कल रात 8 बजे के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे इसका ऐलान करेंगे। महाराष्ट्र कैबिनेट ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से इसकी सिफारिश की है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा, "हमने मुख्यमंत्री से कल रात 8 बजे से संपूर्ण लॉकडाउन लगाने की अपील की है। सभी मंत्रियों ने मुख्यमंत्री से यह गुजारिश की है। अब मुख्यमंत्री को फैसला लेना है।" हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कल रात 8 बजे के बाद सीएम संपूर्ण लॉकडाउन की घोषणा करेंगे। वहीं, मंत्री असलम शेख ने कहा कि मेडिकल ऑक्सीजन की कमी की वजह से यह फैसला लिया गया है। इसके लिए जल्द ही गाइडलाइंस जारी की जाएगी। मंत्री असलम शेख ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, "मेडिकल ऑक्सजीन की कमी की वजह से महाराष्ट्र संपूर्ण लॉकडाउन की ओर बढ़ रहा है।

इसको लेकर गाइडलाइंस की घोषणा जल्द ही की जाएगी।" महाराष्ट्र में 1 मई तक धारा 144 लागू है और ब्रेक द चेन मुहिम के तहत सभी गैर जरूरी गतिविधियों और सेवाओं पर रोक है। आज ही महाराष्ट्र सरकार ने कोविड गाइडलाइंस में बदलाव करते हुए कहा है कि राज्य में अब किराना और खाने-पीने की वस्तुओं की दुकानें भी केवल 4 घंटे के लिए खुलेंगी। पहले नाइट कर्फ्यू, फिर वीकेंड लॉकडाउन और अब मिनी लॉकडाउन के बावजूद महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण पर लगाम नहीं लग पा रहा है। 1 मई से 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों के टीकाकरण के फैसले को लेकर राजेश टोपे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार को केंद्र से कोई चिट्ठी नहीं मिली है। उन्होंने कहा, "18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के टीकाकरण को लेकर हमें केंद्र से लेटर नहीं मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि टीकाकरण अभियान पूरी तेजी से चलेगा और जरूरत पड़ी तो हम विदेशों से सीधी खरीद के लिए केंद्र से अनुमति लेंगे।"

उत्तर प्रदेश में रात्रि कर्फ्यू लागू

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आज मंगलवार से हर रोज रात्रि कर्फ्यू लागू रहेगा तथा शुक्रवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह सात बजे तक लॉकडाउन लगाया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को टीम इलेवन के साथ हुई बैठक में ये निर्देश दिए।

अभी तक रात्रि कर्फ्यू उन्हीं जिलों में लागू था जहां हालात ज्यादा खराब थे पर कोरोना संक्रमितों की लगातार बढ़ती संख्या और अस्पतालों में मची आपाधापी को देखते हुए सरकार ने ये निर्णय लिया है।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि कोविड-19 की इस विभीषिका के बीच संयम और धैर्य हमारा सबसे बड़ा हथियार है। प्रत्येक शनिवार और रविवार को प्रदेश में साप्ताहिक बंदी रहेगी। इसके अतिरिक्त जिन जिलों में 500 से अधिक एक्टिव केस हैं, वहां हर दिन रात्रि 08 बजे से अगले दिन प्रातः 07 बजे तक आवश्यक सेवाओं को छोड़कर शेष गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। इस नियम को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, कोरोना कर्फ्यू को सफल बनाने में हर नागरिक का योगदान है। जहां तक जरूरी हो, घर से बाहर न निकलें। पर्व और त्योहार घर पर ही मनाएं। निकलें तो मास्क जरूर लगाएं। सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ न हो। इसे कड़ाई से लागू किया जाए।उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, राजस्थान और दिल्ली से प्रवासी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरते जाते की आवश्यकता है। इन प्रवासी कामगार व श्रमिक जनों के सुगमतापूर्ण आवागमन की व्यवस्था की जाए। गृह विभाग और परिवहन विभाग समन्वय बनाकर आवश्यक कार्रवाई करें। इन प्रवासी श्रमिकजनों की टेस्टिंग और आवश्यकतानुसार ट्रीटमेंट की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड संक्रमण से सुरक्षित रखने में टीकाकरण सर्वाधिक कारगर है। उत्तर प्रदेश में अब तक कोविड टीकाकरण अभियान बेहतर ढंग से संचालित हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक मई से 18 वर्ष की आयु से अधिक के सभी लोगों के टीकाकरण की व्यवस्था लागू की है। उनका यह निर्णय स्वागत योग्य है। टीकाकरण का यह नया चरण कोविड से लड़ाई में निर्णायक सिद्ध होगा। एक मई से शुरू हो रहे वृहद टीकाकरण के लिए सभी जरूरी प्रबन्ध सुनिश्चित किए जाएं।

कोरोना दहशत पर भारी आस्था

दुर्गा मन्दिरों में मां महागौरी की पूजा को उमड़ी भीड़

झांसी, एजेंसी। भारत को आस्था का देश कहा जाता है। इस मान्यता को बरकरार रखते हुए विश्वव्यापी कोविड-19 के दौर में भी महानगर में नवरात्रि के अष्टमी को मां महागौरी के पूजन को श्रद्धालुओं का दुर्गा मन्दिरों पर तांता लगा रहा। कुल मिलाकर कोरोना के भय पर भी श्रद्धा भारी नजर आई। यह अलग बात है कि लोग मास्क लगाए व कोविड नियमों का पालन भी कर रहे थे। पिछले कुछ दिनों से जनपद में कोरोना संक्रमित लोगों की बाढ़ सी आ गई है। शायद ही कोई दिन ऐसा गया हो जब मरीजों का आंकड़ा 500 के पार न गया हो। बाबजूद इसके आस्था कोरोना दहशत पर भारी दिखाई दी। मंगलवार को अष्टमी तिथि पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा अर्चना की गई। विश्वव्यापी कोरोनावायरस कहर भी मां के प्रति आस्था के सामने बौना नजर आया। सुबह से ही ब्रह्म मुहूर्त में श्रद्धालु जन महानगर के प्राचीन व चर्चित दुर्गा स्थलों पर लाइन लगाए खड़े दिखाई दिए। हालांकि सभी ने कोविड-19 के चलते मास्क पहन रखा था। ये हैं नगर के चर्चित देवीस्थल नगर में यूं तो तमाम प्राचीन दुर्गा मंदिर स्थापित हैं। उसके बावजूद नगर में कोतवाली क्षेत्र स्थित पंचकुइयां मंदिर, सीपरी क्षेत्र स्थित लहर की माता मंदिर,मां कालियन मंदिर या काली मंदिर, बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी स्थित कैमासिन माता मंदिर, प्रेमनगर क्षेत्र स्थित नीम वाली माता मां छिन्नमस्ता देवी का मंदिर व सदर बाजार स्थित मेमासिन माता मंदिर आदि विशेष प्रचलित हैं। मां के अष्टम स्वरुप की ये है मान्यता नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर मां महागौरी की पूजा की जाती है। मां महगौरी, मां दुर्गा का आठवां स्वरूप है। इन्हें आठवीं शक्ति कहा जाता है। महागौरी हीं शक्ति मानी गई हैं। पुराणों के अनुसार, इनके तेज से संपूर्ण विश्व प्रकाशमान है। दुर्गा सप्तशती के अनुसार, शुंभ निशुंभ से पराजित होने के बाद देवताओं ने गंगा नदी के तट पर देवी महागौरी से ही अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की थी। मां के इस रूप के पूजन से शारीरिक क्षमता का विकास होने के साथ मानसिक शांति भी बढ़ती है। माता के इस स्वरूप को अन्नपूर्णा, ऐश्वर्य प्रदायिनी, चैतन्यमयी भी कहा जाता है। मां की महिमा निराली इस संबंध में नीम वाली माता मां छिन्नमस्ता मंदिर पर कर्मकांड करने वाले ब्राह्मण पंडित सौरभ पटैरिया बताते हैं कि मां की महिमा निराली है। पूरी सृष्टि मां की ही कृपा से सृजित है। ऐसा श्रीदेव्यथर्वशीर्षम में कहा गया है। उनकी कृपा का विशेष स्वरुप महाशक्ति महागौरी के रूप में जाना जाता है। और सभी भक्तजन आज उसी स्वरूप की पूजा कर मां की कृपा प्राप्त करने की आशा करते हैं।

एक नजर

आनंदीबेन ने दी रामनवमी की बधाई

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल, आनंदीबेन पटेल ने रामनवमी के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके मंगलमय एवं स्वस्थ जीवन की कामना की है। उन्होंने अपने बधाई सन्देश में कहा है कि मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम प्रेम, सद्भाव एवं लोक कल्याण के प्रतीक थे। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारते हुए लोक कल्याण की भावना से कार्य करने चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि इस समय वैश्विक महामारी कोरोना का प्रभाव बहुत तेजी से फैल रहा है। ऐसी स्थिति में सभी लोग कोविड–19 से बचाव एवं सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए पर्व एवं त्यौहार को मनायें।

एएसपी की पत्नी का कोरोना से निधन

कासगंज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कासगंज के अपर पुलिस अधीक्षक आदित्य कुमार वर्मा की पत्नी सीमा वर्मा का कारोना से निधन हो गया। उनका इलाज नोएडा के निजी अस्पताल में चल रहा था लेकिन सोमवार रात उन्होंने अस्पताल में दम तोड़ दिया। सीमा वर्मा ने आठ दिन पहले जांच कराई थी। उनकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई थी। घर पर ही उनका इलाज चल रहा था। रविवार को उनकी हालत बिगड़ने लगी, उनका ऑक्सीजन लेवल गिरकर 39 पर पहुंच गया। इस पर उन्हें नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान भी उनमें कोई सुधार नहीं हुआ और कल देर रात उनकी मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक एक दिन पहले तक जिले में ड्यूटी कर रहे थे। पंचायत चुनाव की व्यवस्थाएं भी देख रहे थे। अपर पुलिस अधीक्षक का बेटा भी कोरोना संक्रमित है।

देवरिया में दूसरी बार बिना मास्क पकड़े जाने पर लगा दस हजार जुर्माना

देवरिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के देवरिया में बिना मास्क घूमने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार किया है और इसी के तहत दूसरी बार पकड़े गए जीप चालक का दस हजार रुपये का चालान काटा है। सोमवार को पुलिस ने बिना मास्क पहन घर से निकलने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने लार कस्बे में मास्क चेकिंग के दौरान अमरजीत यादव को मास्क नहीं लगाने पर एक हजार रुपये का चालान कर दिया। इस व्यक्ति को पुलिस ने सोमवार को बिना मास्क फिर पकड़ लिया। दूसरी बार पकड़े जाने पर पुलिस ने 10 हजार रुपये का चालान काट दिया। पुलिस अधीक्षक श्रीपति मिश्र ने कहा कि बिना मास्क के पकड़े गए कुल 331 व्यक्तियों से 3 लाख 31 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया है।

जौनपुर में ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मृत्यु

जौनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के खेतासराय इलाके के जोगियाना मोहल्ला में ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मृत्यु हो गई। पुलिस ने ट्रक के नीचे फंसे दोनों शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने आज यहां कहा कि कल देर रात संजय अपने रिश्तेदार संदीप के साथ बाइक से घर जा रहा था। बाइक तीसरा युवक चला रहा था। जोगियाना मोहल्ला के पास एक ट्रक ओवरटेक करने के दौरान बाइक ट्रक से टकरा गई। जिससे बाइक चालक दूसरी तरफ छिटककर गिर गया जबकि पीछे बैठे दोनों युवक संजय और संदीप पिछले पहिए के नीचे आ गये। मौके पर पहुंची पुलिस ने चक्के के नीचे फंसे दोनों शवों को निकलवाने की कोशिश की। अन्ततः ट्रक का पहिया खुलवाकर दोनों शवों को बाहर निकाला गया। हादसे से बचकर निकले बाइक चालक ने परिजनों को जानकारी दी। पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया है।

बस्ती मे शीघ्र 250 बेड का अस्पताल संचालित होगा

बस्ती, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बस्ती मे महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज से संबद्ध ओपेक कैली अस्पताल के 5 मंजिला नए भवन में कोविड-19 का एल-1 हॉस्पिटल बनाया जाएगा इस पांच मंजिले भवन में लगभग 250 बेड का अस्पताल संचालित होगा। मंगलवार को आधिकारिक सूत्रों ने यहां कहा कि महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज से संबद्ध ओपेक कैली अस्पताल के 5 मंजिला नया भवन लगभग 200 करोड़ की लागत से बन रहा है। इस पांच मंजिले भवन में लगभग 250 बेड का अस्पताल संचालित होगा। इसमें कुल 9 ऑपरेशन थिएटर बनेंगे। पांचवी मंजिल पर 80 बेड का वार्ड होगा जिसमें एक साथ 80 मरीजों को भर्ती कर उनका इलाज किया जा सकेगा। आगामी 15 मई तक कार्य पूरा कर लिया जायेगा। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। पूरे भवन में आग बुझाने की व्यवस्था भी करायी जा रही है।

ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति मौत

कौशांबी (उप्र),एजेंसी। कौशांबी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र के दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन स्थित भरवारी रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार को एक व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। भरवारी रेलवे स्टेशन के आरपीएफ चौकी प्रभारी आरएस ध्यानी ने बताया कि थाना क्षेत्र के भटपुरवा गांव के निवासी रामचंद्र सेन (60) का रक्तरंजित शव आज सुबह ग्रामीणों ने रेलवे पटरी पर देखा। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

बलिया में युवक का शव मिला

बलिया, एजेंसी। बलिया जिले के बैरिया थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह 32 वर्षीय एक युवक का शव मिला है। अपर पुलिस अधीक्षक संजय यादव ने बताया कि बैरिया थाना क्षेत्र के बीबीटोला काली मंदिर, बैरिया कस्बे में आज सुबह इंसाफ अली (पुत्र मुर्तजा अंसारी) का शव मिला है। यादव ने बताया कि अली जिले के रेवती थाना क्षेत्र के रामपुर दीघार गांव का रहने वाला है तथा बैरिया में अकेले रहकर चाट बेचने का काम करता था। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जताई है।

राष्ट्रपति को खून से खत लिखकर सपा नगर अध्यक्ष ने बयां किया कोरोना संक्रमण पर शहर के हालात

कानपुर, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना के बढ़ते संक्रमण काल से स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हो चुकी हैं। ऐसे में जनता सड़क से लेकर अस्पतालों के गेटों पर मरने को मजबूर है, जिससे यह सुनिश्चित है कि इलाज को लेकर जनता पूरी तरह से परेशान हो चुकी है। वहीं आलाधिकारी जनता का फोन उठाना तो दूर राजनेताओं और जनप्रतिनिधियों का भी फोन नहीं उठा रहे हैं। इसको लेकर राजनेताओं के भी हाथ कटे हुए हैं और जनता इलाज के लिए राजनेताओं के घरों पर दस्तक दे रही है। इसको लेकर मंगलवार को राष्ट्रपति के नाम खून से पत्र लिखा गया और गुहार लगाई गई कि अपने शहर की जनता को बचाने के लिए राष्ट्रपति आगे आएं। यह बातें मंगलवार को सपा नगर अध्यक्ष डा. इमरान ने खून का पत्र लिखने के दौरान कही। औद्योगिक नगरी कानपुर नगर में कोरोना संक्रमण का फैलाव बराबर बढ़ता ही जा रहा है और सही से इलाज न मिल पाने से मरीज और तीमारदार परेशान हो रहे हैं। हालांकि शासन ने कोरोना सक्रंमण की चेन तोड़ने के लिए भरसक प्रयास कर रही है। इसके बावजूद कोरोना का दायरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। रही सही कसर अधिकारी पूरा कर रहे हैं और परेशान शहरवासियों का फोन ही नहीं उठाया जा रहा है। नगर अध्यक्ष डा. इमरान ने बताया कि पिछले तीन दिनों से मंडलायुक्त डा. राजशेखर, जिलाधिकारी आलोक तिवारी और सीएमओ डा. अनिल मिश्र को लगातार फोन पर और कार्यों से समय लेने के लिए फोन किया जा रहा है, पर किसी भी अधिकारी ने फोन रिसीव नहीं किया और अधिकारियों के कर्मचारी द्वारा समय देने के लिए गुमराह किया जा रहा है।

मुख्तार एंबुलेंस प्रकरण में अलका राय और एसएन राय गिरफ्तार

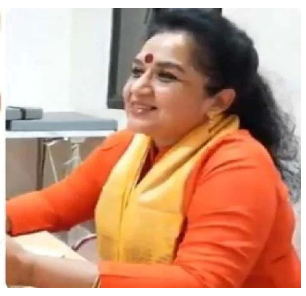

बाराबंकी, एजेंसी। माफिया विधायक मुख्तार अंसारी द्वारा पंजाब में इस्तेमाल की जा रही एम्बुलेंस मामले में बाराबंकी पुलिस ने मऊ से कल देर रात श्याम संजीवनी हॉस्पिटल की संचालिका अलका राय और एसएन राय को गिरफ्तार कर लिया है। अलका राय के खिलाफ फर्जी वोटर आईडी लगाकर एम्बुलेंस पंजीकृत कराने का मुकदमा शहर कोतवाली में दर्ज कराया गया था। ज्ञात हो कि पंजाब के रोपड़ जेल में बंद मुख्तार अंसारी मोहाली कोर्ट में जिस एम्बुलेंस से गया वह बाराबंकी में पंजीकृत है। इसकी सूचना फैलते ही हड़कंप मच गया था। संभागीय परिवहन विभाग ने पत्रावली खंगाली तो डॉ. अलका राय निवासी रफीनगर बाराबंकी के नाम पर बनी वोटर आईडी के नाम पर एम्बुलेंस पंजीकृत पाई गई थी। वोटर आईडी फर्जी मिलने पर मऊ के श्याम संजीवनी हॉस्पिटल की संचालिका डॉ. अलका राय को नामजद करते हुए मुकदमा कोतवाली नगर में दर्ज कराया गया था। पुलिस अधीक्षक यमुना प्रसाद ने इस मामले में एसआईटी गठित करते हुए एक टीम मऊ भेजी थी और दूसरी टीम सीओ हैदरगढ़ नवीन सिंह के नेतृत्व में पंजाब भेजी गई थी।

12 अप्रैल को मऊ गई पुलिस टीम ने डॉ. अलका राय से गहन पूछताछ की। जिसके बाद वापस लौटकर शेषनाथ राय, मुख्तार अंसारी, मुजाहिद व राजनाथ यादव ने दबाव बनाकर प्रपत्रों पर हस्ताक्षर कराने पर सभी को साजिशकर्ता साबित करते हुए धारा 120बी, 506, 177 के साथ 7सीएलए एक्ट लगाया था। इस मामले में साजिशकर्ता राजनाथ यादव पुत्र मुनेश्वर यादव निवासी अहरौली थाना सरांय लखन को गिरफ्तार किया था। मऊ गई बाराबंकी पुलिस टीम ने कल देर रात डाक्टर अलका राय व एसएन राय को फर्जी प्रपत्र पर एम्बुलेंस पंजीकृत कराने के मामले में गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस दोनों को लेकर बाराबंकी आ गई है। दोनों से पूछताछ जारी है। आज पुलिस दोनों को कोर्ट में पेश करेगी। अलका राय भाजपा के दिवंगत विधायक कृष्णानंद राय की पत्नी हैं। मुख्तार पर कृष्णानंद राय की

अपनी विफलताओं को लेकर दिल्ली सरकार ने लगाया लॉकडाउन: सिद्धार्थ नाथ सिंह

यूपी-बिहार के लोगों को बार्डर पर छोड़ा

लखनऊ, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने 26 अप्रैल तक के लिए लॉकडाउन लगा दिया है। इसके बाद प्रवासी मजदूर एक बार फिर अपने घर को पलायन करने लगे हैं। लेकिन इन प्रवासियों को दिल्ली सरकार से कोई मदद न मिलने का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता सिद्धार्थ नाथ सिंह ने घेरा है। उन्होंने अपने एक बयान में कहा है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फिर से यूपी-बिहार के लोगों के साथ वहीं रवैया अपनाया, जो पिछले साल फेस वन में दिखाया था। दिल्ली सरकार ने अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने के लिए इस तरह से लॉकडाउन लगाया जाता है तो व्यवस्थाएं चरमराती है और लोग परेशान होते हैं। आरोप लगाया कि जब सरकार को वहां पर व्यवस्थाएं देनी थी तो नहीं दी। न बेड दिए और न ही अच्छे हॉस्पिटल, न ही लोगों को अन्य सुविधाएं दी। ऐसे में सिर्फ अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने का एक उपाय रह जाता है कि लॉकडाउन लगा दो। ऐसी विकट परिस्थिति में जब आपने लॉकडाउन लगाया तो उसका नतीजा कल रात को उत्तर प्रदेश के नोएडा और गाजियाबाद के बार्डर पर देखा गया है। दिल्ली सरकार ने एक फिर वहीं सौतेला व्यवहार अपनाया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों को बसों से लाकर बॉर्डर पर छोड़ दिया। उनकी आगे जाने की कोई व्यवस्था तक नहीं की। केजरीवाल सरकार की इस हरकत के बावजूद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार रात को ही यूपी की सरकारी व गैर सरकारी बसें लगाकर 70 हजार से एक लाख लोगों को वहां से निकालने का ही नहीं बल्कि उनको उनके गंतव्य तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

सड़क पर आग का गोला बनी रोडवेज बस

यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

कानपुर, एजेंसी। फतेहपुर से चलकर कानपुर आ रही रोडवेज बस सड़क पर आग का गोला बन गई। यात्रियों ने समझदारी दिखाते हुए किसी तरह से कूदकर अपनी–अपनी जान बचाई तो वहीं सूचना पर पहुंची दमकल की छह गाड़ियों की बदौलत टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाते–बुझाते बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई, हालांकि किसी भी यात्री के जानमाल की क्षति नहीं हुई है और हादसा टल गया। चकेरी थाना क्षेत्र में थाना से चंद कदम की दूरी पर मलिक गेस्ट हाउस के नजदीक मंगलवार को लीडर रोड डिपो की एक रोडवेज बस रुकी जो फतेहपुर जनपद से सवारियां भरकर आई थी। बस को अन्तरराज्जीय बस अड्डा झकरकटी जाना था। सवारियां उतारने के बाद रोडवेज बस जैसे ही बढ़ी तो अचानक आग लग गई। ऐसे में चालक ने समझदारी दिखाते हुए फौरन बस को सड़क किनारे लगाया और यात्रियों को बाहर कूद जाने की गुहार लगाई। आग को देख खौफजदा यात्रियों ने बस से कूदकर किसी तरह से अपनी–अपनी जान बचाई और चालक ने घटना की सूचना दमकल विभाग को दी। इस दौरान होटल के कर्मियों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी विकराल थी कि वह नाकाफी साबित हुआ।

सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने छह फायर बिग्रेड की गाड़ियों की बदौलत कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह से आग पर काबू पाया, लेकिन तबतक बस जलकर खाक हो गई। थाना प्रभारी दधिबल तिवारी ने बताया कि जैसे ही घटना की जानकारी हुई फौरन मौके पर पहुंचा गया और दमकल टीम के साथ आग बुझाई गई।

बताया कि हादसे में बस जरुर जलकर खाक हो गई है, पर किसी भी यात्री के जानामाल की क्षति नहीं हुई है। बस में आग कैसे लगी यह जांच का विषय है, जिसको दमकल की टीम जांच करेगी, फिलहाल संभावना है कि आग शार्ट सर्किट से लगी होगी।

पूर्वांचल की ओर जाने वाले प्रवासियों की संख्या बढ़ी, बस अड्डे भीड़ से भरे

लखनऊ, एजेंसी। दिल्ली, राजस्थान और पंजाब से भारी संख्या में लखनऊ के आलमबाग और चारबाग बस अड्डे पहुंचे प्रवासियों से पूरी तरह से भरे हुए हैं। बस अड्डों पर ज्यादातर पूर्वांचल के बसों का यात्री इंतजार कर रहे हैं। दूरदराज से आए प्रवासियों से बस अड्डे के बाहर की दुकानें भी गुलजार हो गई हैं और औने पौने दाम की खाद्य सामग्री के दाम मनमाने तरीके से बढ़ा दिया गया है। जबकि दुकानदारों का मानना है कि खाद्य सामग्री की महंगाई के कारण ही उन्हें अपना तय मूल्य बढ़ाना पड़ा है।

वहीं, यात्रियों के बस अड्डों पर भारी संख्या में मौजूद होने के कारण कोविड-19 के संक्रमण का खतरा भी बढ़ा है।

इसको देखते हुए डिपों से जुड़े अधिकारियों ने बस स्टेशनों पर सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक सूचनाएं की घोषणा कराना शुरू कर दिया है। सबसे बड़े बस अड्डे के रूप में आलमबाग बस अड्डे की स्थिति ज्यादा ही असामान्य हो गई है।

पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी से शिया वक्फ चुनाव में हुई बहस, पहुंची पुलिस

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड चुनाव के दौरान पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी से बहस हो गई। इस मामले की जानकारी पर हजरतगंज एसीपी व थानेदार मौके पर पहुंच गए। हंगामे को शांत कराते हुए पुलिस ने वसीम रिजवी के गनर को वहां से हटा दिया है। इंदिरा भवन के आठवें तल पर उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड चुनाव हो रहा है। इस दौरान पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी अपने गनर के साथ वक्फ बोर्ड आये थे। इसी दौरान मुतवल्ली कोर्ट से उम्मीदार अशफाक हुसैन जिया ने इसका विरोध कर दिया। झगड़े की सूचना पाकर हजरतगंज एसीपी और थानेदार पहुंचे और मामले को संभालते हुए वसीम के गनर को चुनाव स्थल से हटाया। इस दौरान कुछ देर के लिए शिया वक्फ बोर्ड का चुनाव बाधित हुआ था। बवाल से पहले 29 वोट अब तक पड़ चुके थे। पुलिस ने वोटर और उम्मीदवारों के इलावा किसी के भी जाने पर प्रतिबंध लगा हुआ है। वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ मोहम्मद नसीर हसन ने बताया कि इसके परिणाम देरशाम तक घोषित कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया मुतवल्ली कोटे के दो सदस्यों के लिए 36 मतदाता वोट करेंगे। यह मतदाता एक लाख रुपये सालाना या इससे अधिक आमदनी वाली वक्फ सम्पतियों के मुतवल्ली है। उल्लेखनीय है कि, शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चुनाव के लिये मुतवल्ली कोटे के दो सदस्यों के पद के लिए सात लोग भाजपा नेता सैय्यद फैजी, वक्फ बोर्ड के पूर्व चैयरमैन वसीम रिजवी, सैय्यद आसिम रिजवी, सैय्यद मुजाहिद हुसैन रिजवी, सैय्यद मुशर्रफ हुसैन रिजवी, अशफाक हुसैन उर्फ जिया और सैय्यद जफर रिजवी ने नामांकन किया था। रविवार को नाम वापसी का समय पूरा होने के बाद एक दावेदार सैय्यद जफर रिजवी ने अपना नाम वापस ले लिया था।

पंचायत चुनाव

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने अतिसंवेदनशील पोलिंग बूथों का किया निरीक्षण

कानपुर देहात, एजेंसी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जनपद में तैयारी जोरों पर है। जनपद के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ग्राउंड जीरो पर उतरकर चुनाव की तैयारियों का जायजा भी ले रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने जनपद के संवेदनशील और अतिसंवेदनशील पोलिंग बूथों का जायजा लिया। कानपुर देहात में तीसरे चरण में पंचायत चुनाव होने है। 26 अप्रैल दिन सोमवार को होने वाले चुनावों को लेकर जनपद के जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन सख्त है। तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए यह चुनाव चुनौती पूर्ण होने वाला है। जिसको लेकर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पाण्डे और पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी मंगलवार को सिकंदरा तहसील क्षेत्र के राजपुर विकासखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बकसौंधी में बने अति संवेदनशील मतदान केंद्र का निरीक्षण करने पहुँच गए। उन्होंने इस बूथ का जायजा लिया और यहां तैनात अधिकारियो को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

नगर पालिका अध्यक्ष पद की पुनर्मतगणना में तीसरी बार भी जीते श्याम सुंदर

संत कबीर नगर, (नवनीत मिश्र)। न्यायालय के आदेश पर हुए पुनर्मतगणना में एक बार फिर नगर पालिका परिषद खलीलाबाद पर 157 वोटों से चेयरमैन श्याम सुंदर वर्मा ने कब्जा बरकरार रखा।

ज्ञात हो कि न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पाक्सो एक्ट-प्रथम द्वारा चुनाव याचिका संख्या 01/2017 जगत बनाम श्याम सुंदर वर्मा आदि में पारित आदेश में नगर निकाय सामान्य निर्वाचन 2017 में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद की पुनर्मतगणना 10 फरवरी 2021 को हुई थी, जिसने श्याम सुंदर विजयी रहे। उसके पश्चात पूर्व चेयरमैन जगत जायसवाल ने पुनः सात मार्च को मतगणना में गड़बडी का आरोप लगाते हुए पुर्न विचार याचिका दाखिल कर दी। मा० न्यायालय ने पांच अप्रैल को याचिका पर सुनवाई करते हुए पुनर्मतगणना के परिणाम को निरस्त कर दिया और 15 दिवस के भीतर न्यायालय द्वारा पारित आदेश के आलोक में पुनर्मतगणना जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जनपद न्यायाधीश के परामर्श से नियुक्त न्यायिक अधिकारी की उपस्थिति में मतगणना कराने का आदेश दिया। जिसके क्रम आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में वीडियो सर्विलांस के बीच 23,340 मतों की गिनती हुई। जिसमें पुनः श्याम सुंदर वर्मा ने 157 मतों से जगत जयसवाल को चित किया।

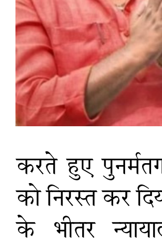

इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जिसमें 3 क्षेत्राधिकारी, 11 इंस्पेक्टर, 36 सब इंस्पेक्टर और लगभग 250 कांस्टेबल सहित अन्य लोग सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए थे।

परिणाम घोषित होते ही पालिका अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर वर्मा के समर्थकों शुभचिन्तकों व भाजपा के नेता व कार्यकताओं उन्हे बधाई देते हुए मुँह मीठा कराया।

यूपी में बढ़ी और सख्ती

अब सार्वजनिक स्थान पर थूकने पर पांच सौ रुपया जुर्माना

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले देखकर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने महामारी अधिनियम-2020 में बड़ा संशोधन किया है। प्रदेश में किसी के भी बिना मास्क के मिलने पर एक हजार और सार्वजनिक स्थान पर थूकने पर पांच सौ रुपया जुर्माना लगाया जाएगा। उत्तर प्रदेश में अब मास्क नहीं पहनने व शारीरिक दूरी का पालन नहीं करने के साथ ही सार्वजनिक जगह पर थूकने पर जुर्माना लिया जाएगा। प्रदेश में कोरोना महामारी अधिनियम-2020 में आठवां संशोधन किया गया है। अब इसके तहत अब बिना मास्क पकड़े जाने पर 1000 रुपया जुर्माना लगेगा। वहीं दोबारा बिना मास्क के पाए जाने पर 10 हजार रुपए भरना होगा। इतना ही नहीं अब तो सार्वजनिक स्थान पर थूकने पर 500 रुपया का जुर्माना भरना पड़ेगा। प्रदेश में कोरोना संक्रमण के विकराल रूप को देखते हुए यूपी सरकार ने मंगलवार को कोरोना महामारी अधिनियम-2020 में एक बार फिर संशोधन किया है। यह इस अधिनियम में आठवां संशोधन है। नए संशोधन के तहत अब बिना मुंह ढके निकलने पर जुमार्ने की राशि तय कर दी गई है। घर के बाहर बिना मास्क, गमछा, स्कार्फ के निकलने पर 1000 रुपया जुर्माने का प्रावधान किया गया है। दोबारा बिना मास्क के पाए जाने पर 10000 रुपया का जुर्माना देना होगा। देवरिया में सोमवार को बिना मास्क दो बार पकड़े गए दो लोगों ने 10-10 हजार रुपया का जुर्माना दिया। यही नहीं अब तो सार्वजनिक स्थान पर थूकने पर भी बड़ी सख्ती की गई है।

दिल्लीवालों की समस्याओं को लेकर दिल्ली भाजपा नेताओं ने की उपराज्यपाल के साथ वीडियो बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लोगों खासकर कोविड मरीजों एवं प्रवासी मजदूरों की समस्याओं को लेकर आज दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक की एवं अपने सुझाव रखे।

बैठक में सांसद श्री मनोज तिवारी, श्रीमती मीनाक्षी लेखी, श्री रमेश बिधूड़ी, श्री प्रवेश साहिब सिंह, श्री गौतम गम्भीर, नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी एवं विधायक श्री विजेंद्र गुप्ता सहित सभी अन्य भाजपा विधायक सम्मलित हुए।

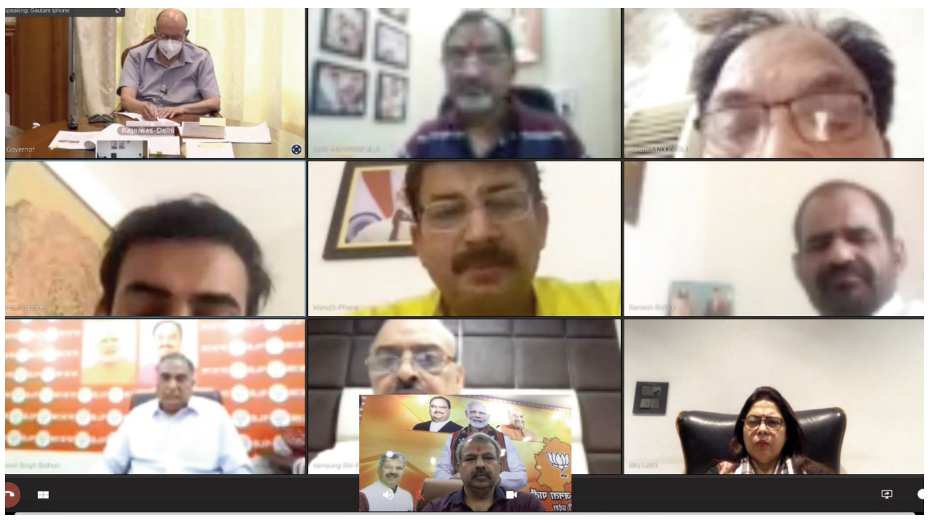

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता एवं अन्य नेताओं ने उपराज्यपाल से कहा कि आज सामूहिक व्यवस्था से काम करने की जरूरत है पर खेद का विषय है कि न तो दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार खुद व्यवस्थाओं को सुचारू करने में कामयाब हो पा रही न ही विपक्ष का सहयोग ले रही है। यहाँ तक की जो नगर निगम पिछले कोविड लाकडाउन में दिल्ली वालों के बड़े सहायक के रूप में उभरे थे आज सरकार उनको भी काम में नहीं जोड़ रही, उन्हें कोविड अस्पताल कक्ष बनाने की अनुमति देने में देर की जा रही है और न ही उन्हे कोरंटाइन सेन्टर बनाने दिये जा रहे हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उपमुख्य मंत्री मनीष सिसोदिया दावा कर रहे हैं कि दिल्ली में अस्पतालों में आज भी 2500 बेड उपलब्ध हैं पर वास्तविकता है कि मरीज एक-एक बेड पाने को परेशान हैं। इसी तरह ऑक्सीजन की भारी किल्लत के समाचार मिल रहे हैं।

भाजपा सांसदों एवं विधायकों ने उपराज्यपाल से कहा कि दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट आथोरिटी का प्रमुख होने के नाते वह दिल्ली में विभिन्न सेवाओं का समन्वय सुनिश्चित करें। भाजपा नेताओं ने निम्न प्रमुख सुझाव उपराज्यपाल के समक्ष रखे :-

1. नगर निगमों को उनके सभी अस्पतालों में सुविधा अनुसार कोविड-19 कक्ष बनाने की अनुमति दी जाये।

2. नगर निगमों को अविलंब अपने कम्युनिटी सेन्टरों एवं स्कूलों में आवश्यकता अनुसार कोरंटाइन सेन्टर बनाने की अनुमति दी जाये।

3. होम आइसोलेशन के मरीजों को दवाओं की जरूरत है पर घर से बाहर कोई जा नहीं पा रहा। सरकार इसके लियें केन्द्रीकृत व्यवस्था करे।

4. होम आइसोलेशन के मरीजों को डॉक्टरी सलाह न मिलने की बड़ी शिकायतें आ रही हैं .... सरकार पी.बी.एक्स. लाईन सिस्टम की कोविड 19 मेडिकल काउंसलिंग सेवा शुरू करे।

बड़े एन.जी.ओ. को खासकर दिल्ली मेडिकल काउंसल को इस कार्य में भागीदार बनाया जाये।

5. प्रवासी मजदूरों के लिये राशन के साथ ही अस्थाई कैम्प आवास की व्यवस्था की जाये।

पिछला अनुभव बताता है कि प्रवासी मजदूर अगर चले गये तो महीनों लग जायेंगे अर्थ व्यवस्था को वापस उठाने में।

6. परिवार के परिवार होम आइसोलेशन में हैं ऐसे लोगों के लिये घर पर खाना पहुँचाने के लिये अनेक सामाजिक संस्थायें आगे आना चाह रही हैं ... सरकार ऐसी संस्थाओं को प्रोत्साहन दे।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त ने श्मशान घाटों की व्यवस्था का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 के मद्देनजर व्यवस्था का जायजा लेने के लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त, श्री विकास आनंद ने आज जन स्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ पूर्वी दिल्ली के श्मशान घाटों का निरीक्षण किया।

निगमायुक्त को अधिकारियों ने बताया कि अधिक दबाव के कारण गाजीपुर श्मशान घाट पर तय समय से अधिक कार्य किया जा रहा है। श्मशान घाटों पर पीपीई किट, ग्लव्स, सेनिटाइजर व मास्क आदि की पर्याप्त व्यवस्था है। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के कड़कड़डूमा श्मशान घाट पर सीएनजी द्वारा अंतिम संस्कार की प्रणाली जल्द ही शुरू कर दी जाएगी। इससे संबंधित सभी जरूरी कार्य अभियांत्रिकी व अन्य विभागों द्वारा पूरे कर लिए गए हैं। इसके अलावा, सीमापुरी श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए अतिरिक्त प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं।

वहीं, पूर्वी दिल्ली के महापौर, श्री निर्मल जैन ने कहा कि महामारी के इस दौर में पूर्वी दिल्ली नगर निगम लगातार अपना कार्य कर रहा है। श्री जैन ने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा 22-ब्लॉक त्रिलोकपुरी में एक अतिरिक्त आइसोलेशन केंद्र की व्यवस्था कर दी गई है। सेवा भारती संस्था के सहयोग से इसका संचालन किया जाएगा। स्थानीय निगम पार्षद सुश्री किरण वैद्य इसकी निगरानी कर रही हैं। श्री जैन ने कहा कि वह और सभी निगम पार्षदगण नियमित तौर पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और अधिकारियों को जरूरी दिशानिर्देश जारी कर रहे हैं। स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष, सुश्री कंचन महेश्वरी ने कहा कि मुश्किल के इस दौर में निगमकर्मी बखूबी अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

दिल्ली में कोरोना मरीजों के लिए तेजी से तैयार किये जा रहे हैं बेड : सिसोदिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को डिजिटल प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि ह्यदिल्ली सरकार के बेड की संख्या बढ़ाने पर बहुत तेजी से काम कर रही है। दो हफ्ते से भी कम समय में हमने तीन गुना बेड बढ़ाए हैं। इस समय हमारे पास कुल 19 हजार बेड उपलब्ध हैं। इनमें से 2500 बेड खाली हैं। मैं खुद अस्पतालों में जाकर वहां की स्थिति को देख रहा हूं। दिल्ली सरकार आपके साथ है। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में कोरोना के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं, यह आंकड़ा प्रतिदिन 28 हजार तक भी जा सकता है। सरकार का ध्यान बेड बढ़ाने पर है। उन्होंने कहा कि बुराड़ी अस्पताल में 480 बेड बढ़ाने जा रहे हैं। डीडीयू में 500 बेड बढ़ाने जा रहे हैं। दक्षिणी दिल्ली के डीआरडीओ केयर सेंटर में कल 2500 बेड 4 घंटे में भर गए। अन्य अस्पतालों में भी बेड बढ़ाए जा रहे हैं। 2700 बेड एक सप्ताह में और जुड़ जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने लोगों से पैनिक में न आने की अपील

की। साथ ही हल्के लक्षण हैं तो घर पर ही रहें। सरकारी डॉक्टर उनसे घर पर ही फोन पर संपर्क करेंगे और इलाज बताएंगे। उपमुख्यमंत्री ने लोगों से पैनिक न होने और लॉकडाउन के सभी नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोरोना होने पर लोग डरकर अस्पताल की ओर न भागे बल्कि होम आइसोलेशन को अपनाए। होम आइसोलेशन कोरोना से लड़ने का सबसे कारगर उपाय है। होम आइसोलेशन के दौरान डॉक्टर नियमित रूप से लोगों से फोन पर संपर्क में रहते है। यदि तेज बुखार आता है या सिम्पटम्स ज्यादा बढ़ते है तभी अस्पतालों में जाए। उपमुख्यमंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अस्पताल जाने से पहले 'दिल्ली कोरोना ऐप' पर अस्पतालों में बेड्स की स्थिति जांच ले और जहां बेड्स मौजूद हो वहां जाए इससे समय बचेगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई अस्पताल ऐप पर गलत जानकारों दिखा रहा है या फिर बेड्स होने के बाबजूद लोगों को मना कर रहा है तो उस अस्पताल के खिलाफ कड़ी करवाई की जाएगी। डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की सराहना करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे डॉक्टर और बाकी मेडिकल स्टाफ दिन-रात काम करके अपनी जान पर खेल कर मरीजों की जान बचा रहे है। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि उनका सहयोग करे।

गौरतलब है कि नोडल हेल्थ मिनिस्टर का पद संभालने के बाद से दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया लगातार दिल्ली के अस्पतालों का दौरा कर कोरोना संबंधित व्यवस्था का जायजा ले रहे है।

भाजपा चलायेगी मेरा बूथ कोरोना मुक्त अभियान

नई दिल्ली। प्रदेश में तेजी से बढ़ते कोरोना वायरस के खतरे से निपटने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने बड़े स्तर पर सहायता अभियान चलाने का फैसला किया है जिसमें डॉक्टरी सलाह देना, संक्रमित परिवार को भोजन पहुँना। इसके लिए प्रदेश भारतीय जनता पाटी हेल्पलाइन नंबर जारी किये जो 7303414917, 9717247796 और 9958837228 हैं। इन नम्बरों पर बुधवार सुबह 10 बजे से फोन करके सभी सुविधाओं के बारे में जानकारी ली जा सकती है। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की आज यहां राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुघ के नेतृत्व में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में उक्त फैसले लिए गए। बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी, महामंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा, संगठन महामंत्री श्री सिद्धार्थन, सांसद, विधायक श्री विजेंद्र गुप्ता और प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख श्री नवीन कुमार शामिल रहे। बैठक के बाद श्री नवीन कुमार ने बताया कि भाजपा घर में उपचाराधीन लोगों को डॉक्टर की सलाह सुलभ कराने, जरूरतमंदों को भोजन पहुंचाने का बड़े स्तर पर एक अभियान चलाएगी। इसके लिए पार्टी ने हेल्पलाइन नम्बर जारी किये हैं जिस पर लोग फोन करके सहायता मांग सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जय प्रकाश नड्डा ने मेरा बूथ कोरोना मुक्त अभियान के तहत अपने सभी कार्यकताओं से अपील की है कि सेवा ही संगठन मानते हुए इस कार्य में प्राथमिकता के आधार पर जुड़े। यह अभियान प्रदेश भाजपा महामंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा की निगरानी में चलेगा।

दिल्ली से बिहार के लिए चलेगी विशेष रेलगाड़ियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिनांक 21.4.2021 को दिल्ली से दरभंगा, दिनांक 22.4.2021 को आनंद विहार टर्मिनल से सीतामढ़ी तथा दिनांक 23.4.2021 को नई दिल्ली से गया के लिए विशेष रेलगाड़ी का संचालन

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे दिनांक 21.4.2021 को दिल्ली से दरभंगा , दिनांक 22.4.2021 को आनंद विहार टर्मिनल से सीतामढ़ी तथा दिनांक 23.4.2021 को नई दिल्ली से गया के लिए पूर्णतः आरक्षित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियां निम्न समय-सारणी के अनुसार चलाएगीः-

04484 दिल्ली - दरभंगा ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी

04484 दिल्ली - दरभंगा ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी दिनांक 21.04.2021 को दिल्ली से रात्रि 11.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात्रि 11.00 बजे दरभंगा पहुंचेगी ।मार्ग में यह रेलगाड़ी मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहान पुर, लखनऊ, बाराबंकी जं., गोंडा, मनकापुर जं., बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी जं., भाटपर रानी, मैरवा, सिवान जं., छपरा, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., ढोली, समस्तीपुर जं, हैयाघाटएवं लहरिया सराय स्टेशनोंपर ठहरेगी ।

04486 आनंद विहार टर्मिनल. - सीतामढ़ी ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी

04486 आनंद विहार टर्मिनल. - सीतामढ़ी ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी दिनांक 22.04.2021 को आनंद विहार टर्मिनल से रात्रि 11.00 बजे प्रस्थान कर 24.4.2021 को तड़के 02.10 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी ।मार्ग में यह रेलगाड़ी पिलखुवा, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहान पुर, हरदोई, आलम नगर, लखनऊ, बाराबंकी जं., रुदौली, फैजाबाद जं., अयोध्या, गोशैनगंज, अकबरपुर, शाहगंज जं., जौनपुर जं., वाराणसी जं., वाराणसी सिटी, ओंरिहार जं., गाजीपुर सिटी, युसुफपुर, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, दिघवाड़ा, हाजीपुर जं. एवं मुजफ्फरपुर जं. स्टेशनों पर ठहरेगी ।

103.04488 नई दिल्ली - गया ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी 0

04488 नई दिल्ली - गया ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी 0दिनांक 23.04.2021 को नई दिल्ली से रात्रि 11.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन दोपहर 02.10 बजे गया पहुंचेगी । मार्ग में यह विशेष रेलगाड़ी अलीगढ़, कानपुर सेंट्रल, भरवारी, प्रयाग राज, विन्ध्याचल, पं॰ दीन दयाल उपाध्याय जं., भाभूआ रोड, कुदरा, सासाराम, डेयरी आन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, रफीगंज तथा गुरारू स्टेशनों पर रूकेगी।

प्रवासी मजदूर फिर हुए पलायन को मजबूर, सीएम केजरीवाल ने हाथ जोड़कर की थी ना जाने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस के संक्रमण पर काबू पाने के लिए दिल्ली में लॉकडाउन के ऐलान के बाद से प्रवासी मजदूरों का राजधानी से पलायन जारी है। लंबे समय तक लॉकडाउन के डर से प्रवासी मजदूर दिल्ली छोड़कर अपने घरों को वापस लौट रहे हैं। इसी वजह से सोमवार देर रात कर आनंद विहार टर्मिनल पर प्रवासी मदजूरों का तांता लगा रहा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अपील के बाद भी मजदूर दिल्ली में नहीं रुकना चाहते हैं। सोमवार को कई मजदूर बसों पर लटकर, उसकी छतों पर बैठकर अपने घर वापस जाते दिखाई दिए।

मजदूरों को सता रहा है लंबे लॉकडाउन का डर

सोमवार से शुरू हुए मजदूरों के पलायन के बाद मंगलवार से वे यूपी पहुंचने लगे हैं। इस दौरान ट्रकों में भरकर या अन्य साधनों से लोग अपने-अपने घर पहुंचने की जुगत में लगे रहे। प्रवासियों का ऐसे जत्थों में आना प्रदेशवासियों के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। लोगों को डर है कि ये मजदूर कहीं वायरस कैरियर न साबित हों और पहले ही खराब यूपी की हालत और बदतर हो जाए।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने की थी मजदूरों से अपील

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को लॉकडाउन की घोषणा करते हुए कहा था, 'मैं प्रवासी मजदूरों से हाथ जोड़कर अपील करना चाहता हूं कि दिल्ली छोड़ कर मत जाएं। यह छोटा सा लॉकडाउन है। सरकार आपकी सभी जरूरतों का ध्यान रखेगी। मेरी आप सभी से अपील है कि आप दिल्ली छोड़कर ना जाएं। हम सब मिलकर इस परिस्थिति का सामना करेंगे।'

'परिवार चलाना हो सकता है मुश्किल'

प्रवासी मजदूरों का कहना है कि कोरोना वायरस का संक्रमण अनियंत्रित तरीके से बढ़ रहा है। आने वाले समय में अगर हालात और ज्यादा खराब हुए तो लॉकडाउन की सीमा बढ़ाई जा सकती है। लॉकडाउन की वजह से काम बंद हो गए हैं और एक बार फिर यहां फंस गए तो परिवार चलाना मुश्किल साबित हो सकता है।

मजदूरों को इलाज नहीं मिलने का भी डर

दिल्ली में लॉकडाउन लगने के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाले लोगों की भीड़ लगातार बढ़ रही है और वे किसी तरह अपने घर जाना चाह रहे हैं। भीड़ की वजह से कोरोना संक्रमण बढ़ने को लेकर प्रवासी मजदूरों का कहना है कि उन्हें किसी सरकार पर अब भरोसा नहीं है। अगर संक्रमित भी हो जाते हैं तो अपने घर पहुंच जाएंगे, क्योंकि यहां काम बंद हो गया है और इलाज के लिए भी भटकना पड़ सकता है।

मजदूरों की वापसी पर सियासत

प्रवासी मजदूरों की वापसी पर योगी सरकार के मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने अरविंद केजरीवाल सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने अपनी नाकामी छिपाने के लिए प्रदेश में लॉकडाउन लगा दिया।

कोरोना से संक्रमित हवलदार की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना संक्रमण की चपेट में एक बार फिर दिल्ली पुलिस के जवान आ रहे हैं। मंगलवार तड़के कोरोना से संक्रमित दिल्ली पुलिस के एक हवलदार की मेरठ में मौत हो गई। हवलदार हरीश अभी समयपुर बादली थाने में तैनात था। इससे पहले वह नरेला थाने में कार्यरत थे। कोविड से अभी तक 36 पुलिसकर्मियों की दिल्ली में मौत हो चुकी है। बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी राजीव रंजन के अनुसार, हवलदार हरीश कुमार समयपुर बादली थाने में तैनात था। बीते सप्ताह तबियत खराब होने के चलते उसने मेडिकल रेस्ट लिया था। जांच के दौरान हरीश के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। ज्यादा तबियत खराब होने पर परिवार के सदस्यों ने हरीश को मेरठ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां उपचार के दौरान मंगलवार तड़के हरीश ने दम तोड़ दिया। उसके परिवार की तरफ से इस बाबत दिल्ली पुलिस को जानकारी दी गई है।

पियर्सन इंडिया ने यू.पी.एस.सी. परीक्षा की तैयारी के पोर्टफोलियो को और मजबूत बनाया

देवदत्त पटनायक और श्रीराम श्रीरंगम के साथ शीर्षकों को पेश किया

नई दिल्ली। शिक्षा के माध्यम से अपनी सफलता संभावनाओं को बढ़ाने में विद्यार्थियों की सहायता करने की वचनबद्धता की दिशा में विश्व की प्रमुख लर्निंग कंपनी पियर्सन ने आज यू.पी.एस.सी. परीक्षा की तैयारी के लिए अपने नए शीर्षकों को पेश किया जो छात्रों को उच्च गुणवत्ता की सामग्री मुहैया करवाएंगे। पियर्सन इंडिया ने पुस्तकों और एप के मिश्रित शिक्षण समाधान को पेश करने के लिए मशहूर लेखक देवदत्त पटनायक और श्रीराम श्रीरंगम और रोहित दियो झा के साथ हिस्सेदारी की है। यह समाधान यू.पी.एस.सी. की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए सभी मुख्य विषयों को कवर करेगा।

देवदत्त पटनायक द्वारा रचित पुस्तक इंडियन कल्चर, आर्ट एंड हेरिटेज (भारतीय संस्कृति, कला एवं विरासत) यह दिखाती है कि कैसे संस्कृति, कला एवं विरासत के मिश्रण ने शुरूआत से भारतीय समाज की रचना, इसका निर्माण और इसे पुनर्जीवित किया है। इसी तरह से श्रीराम श्रीरंगम और रोहित दियो झा द्वारा रचित पुस्तक इंडियन पोलिटी (भारतीय राजनीती) में भारतीय संविधान, इसके स्त्रोत और संशोधन, राज्य नीति के मौलिक सिद्धांत, मौलिक अधिकार और कर्तव्य और इससे संबंधित अधिनियम, चुनाव आयोग और अनुसूचियां जैसे अध्याय दिए गए हैं।

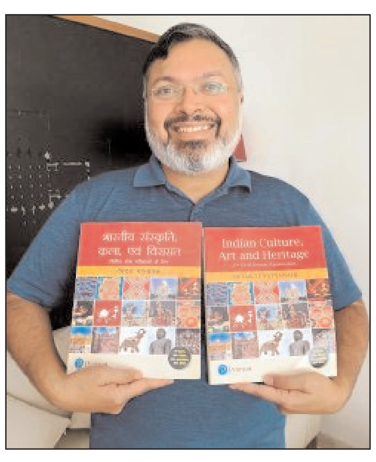

राजेश पंकजशन, डायरेक्टर- प्रोडक्ट्स एंड पोर्टफोलियो, पियर्सन इंडिया ने कहा, देश में लाखों छात्र हर वर्ष सिविल सर्विसेज की परीक्षा की तैयारी करते हैं। सी.एस.ई. के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2019 में 8 लाख छात्रों ने सिविल सर्विसेज की परीक्षा दी थी जो वह परीक्षा है जिसमें देश के सबसे ज्यादा छात्र बैठते हैं। इस लिए यह छात्रों के लिए बेहद अहम है कि उनके पास इस परीक्षा की तैयारी करने के लिए उच्च गुणवत्ता के स्त्रोत और तकनीक उपलब्ध हो। सिविल सर्विसेज में पियर्सन इंडिया की सामग्री को विश्वस्तरीय समझा जाता है और अब, देवदत्त पटनायक और श्रीराम श्रीरंगम द्वारा रचित नए मिश्रित शिक्षण स्त्रोतों के साथ, हमें विश्वास है कि छात्रों के पास इस परीक्षा की तैयारी करने के लिए और सफलता हासिल करने के लिए एक बेहतरीन समाधान होगा.

पौराणिक कथाओं के विज्ञानी, वक्ता और चित्रकार देवदत्त पटनायक ने कहा, कला और संस्कृति एक विषय के तौर पर यू.पी.एस.सी. परीक्षा का एक अहम अंग हैं। प्रीलिम्स में ऑब्जेक्टिव सवालों को हल करने में सहायता करने के साथ-साथ इससे यह भी पता चलता है कि छात्र कितनी अच्छी तरह से समय और क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए विश्व, अर्थशास्त्र, राजनीती, सभ्यता को समझते हैं। मुझे पियर्सन इंडिया के साथ मिलकर कला और संस्कृति पर एक ऐसी पुस्तक को पेश करते हुए बेहद खुशी हो रही है जिसकी सामग्री को बहुत ही सावधानी से रचा गया है और जिसे विभिन्न विषयों, भुगौलिक क्षेत्रों, इतिहास में बांटा गया है और जो छात्रों को संस्कृति के आधार और इसमें शामिल सभी तत्वों को समझने में मदद करेगी। मुझे उम्मीद है कि यह पुस्तक पाठकों के लिए बहुत ही मजेदार और मनोरंजक साबित होगी, छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने में मदद करेगी, और यह देश के भविष्य के नौकरशाहों को तराशने में मदद करेगी।ह्व

श्रीरामज आई.ए.एस. के संस्थापक और मालिक श्रीराम श्रीरंगम ने कहा, पुरे विश्व में चल रहे वर्तमान संकट ने विकास को एक नया रूप देने और इसकी पुनर्रचना करने के नए अवसर पेश किए हैं। इसने सरकार को अपनी पॉलिसियों और नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है ताकि विकास की गति को नुकसान पहुंचाए बिना इस महामारी के विभिन पक्षों पर काबू पाया जा सके। इसलिए, यू.पी.एस.सी. के छात्रों के लिए यह समझना आवश्यक हो जाता है कि संकट की इस घड़ी के परिणाम कैसे होंगे और वह भविष्य में अपने समाज को कैसे आकार देंगे। पियर्सन के साथ हिस्सेदारी में पेश की गई पुस्तक इंडियन पोलिटी छात्रों को भारतीय राजनीती से जुड़े अहम विषयों को समझने में मदद करेगी और यू.पी.एस.सी. की परीक्षा की तैयारी की राह पर उनके लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक साबित होगी।

नए बेहतरीन शीर्षकों के साथ पियर्सन इंडिया एक एप (एंड्राइड और आई.ओ.एस.) को भी पेश कर रही है जो छात्रों को एक मिश्रित शिक्षा अनुभव प्रदान करेगी और शिक्षा की सामग्री को एक नए बाईट-साइज फॉर्मेट में पेश करेगी जिसे रोजाना आधार पर छात्रों तक पहुँचाया जाएगा। पियर्सन इंडिया इस एप के लिए प्रमुख कंटेंट रचनाकारों से हिस्सेदारी कर रही है और यह छात्रों को मुफ्त स्त्रोत मुहैया करवाएगी।इन पुस्तकों को अमेजन से खरीदा जा सकेगा।

कोरोना पॉजिटिव महिला का शव लेकर घूमते रहे परिजन, नहीं मिली रखने की जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ने से जहां अस्पतालों में बेड की दिक्कत हो रही है, वहीं मृत लोगों के शव को रखने के लिए भी जगह नहीं मिल रही है। खासकर, निजी अस्पतालों के कोविड अस्पताल में बदलने के बाद भी यहां शव रखने व शव दूसरी जगह भेजे जाने के लिए वाहन की सुविधा नहीं मिलने से दिक्कत हो रही है। सोमवार की रात इन्हीं असुविधाओं का शिकार एक परिवार हुआ। कोरोना पॉजिटिव महिला के शव को कोल्ड स्टोर में रखवाने के लिए परिजनों को पूरी रात घूमना पड़ा।

बाहरी दिल्ली के रामा विहार निवासी 55 वर्षीय महिला कोरोना पॉजिटिव हो गई थी। 16 अप्रैल की रात महिला की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई तो कंझावला स्थित सावित्री अस्पताल में भर्ती कराया गया। 19 अप्रैल की रात महिला की मौत हो गई। परिजनों को रात नौ बजे सूचित किया गया कि वे महिला के शव को ले जाएं। इससे पहले रुपये जमा कराने को कहा गया। परिवार वाले वहां पहुंचे। उन्होंने लाखों रुपये का बिल भरने के बाद पूछा कि शव का कहां ले जाएं। इस पर उन्हें बताया गया कि रोहिणी स्थित अंबेडकर अस्पताल की मोर्चरी में शव को

जमा करा दें। परिवार ने एंबुलेंस के लिए कहा तो उन्हें बताया कि इसकी व्यवस्था उन्हें खुद करनी होगी। किसी तरह परिवार एंबुलेंस की व्यवस्था कर शव को लेकर अंबेडकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां कहा गया कि उनके पास शव रखने का कोई आदेश नहीं आया है।

परिवार ने पूछा कि कोरोना पॉजिटिव का शव को लेकर कहां जाएं तो उन्हें कहा गया कि जिस अस्पताल से लाए हो उन्हीं से पूछो। इस तरह रात दस बजे से रात दो बजे तक यह परिवार यहां से वहां भटकता रहा। आखिर किसी बड़े अधिकारी से बात होने के बाद रात दो बजे अंबेडकर अस्पताल ने शव को मोर्चरी में रखने की अनुमति दी। मृत महिला के बेटे का कहना है कि छोटे-छोटे नर्सिंग होम को कोरोना हॉस्पिटल तो बना दिया गया पर उनके पास कोई सुविधा नहीं है।

उलटा वह कोरोना की आड़ में मोटी रकम वसूल रहे हैं।

संपादकीय

किस करवट बैठेगा तालिबान !

अफगानिस्तान में कट्टरपंथी तालिबान से करीब 20 साल तक लड़ने के बाद इस साल अमेरिका का आखिरी सैनिक भी सितंबर में वहां से वापस लौट जायेगा। अमेरिका और तालिबान के बीच पिछले दिनों हुए एक समझौते के बाद ऐसा हो रहा है। समझौते के मुताबिक, अब अफगानिस्तान में शांति कायम करने में तालिबान भी सहयोगी होगा और वहां की राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदार बनेगा। इस साल 29 फरवरी को कतर की राजधानी दोहा में हुए समझौते के मुताबिक, तालिबान अपने यहां अलकायदा जैसे संगठनों को पनाह नहीं देगा, जो अमेरिका के लिए परेशानी खड़ा करें।

तालिबान अपने वादे पर कितना कायम रहेगा,

यह तो भविष्य की बात है। इतना जरूर है कि अफगानिस्तान में मौजूद विदेशी सैनिकों पर हमले बंद हो गए हैं, पर इसके विपरीत स्थानीय लोगों की मुसाबतें फिर से बढ़ने लगी हैं। फिर तालिबान ने भी समझौते की भाषा छोड़ यह एलान कर दिया है कि इस युद्ध में उसने अमेरिका को हरा दिया है। ऐसे में यह विश्लेषण स्वाभाविक है कि 2001 के बाद से अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी से स्थानीय लोगों को क्या मिला। यह कैसे हुआ कि ताकतवर देश अमेरिका लगभग हार की स्थिति में अफगानिस्तान से वापस हो रहा है। इस हलचल का पड़ोसी भारत और पाकिस्तान पर क्या असर होगा?

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के करीबी और सीनेट आर्म्ड सर्विस कमेटी के अध्यक्ष जैक रीड ने अमेरिकी कांग्रेस में कहा है कि तालिबान की सफलता में तालिबान को पाकिस्तान में मिल रही सुरक्षित पनाह मददगार बनी हैं। तालिबान के इन पनाहगारों को खत्म करने में अमेरिका विफल रहा। हाल के एक अध्ययन के मुताबिक, पाकिस्तान में तालिबान के सुरक्षित अड्डे और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई जैसे संगठनों के जरिए तालिबान को मजबूती मिली। वर्ष 2018 में अमेरिकी सहयोग से एक अफगानिस्तानी अध्ययन के अनुसार पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में तालिबानियों को सैन्य और खुफिया सहयोग प्रदान किया। इसके परिणामस्वरूप अमेरिकी सैनिक, अफगानी सुरक्षा बल के जवान और वहां के नागरिक मारे गये। यहां ज्ञातव्य है कि अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान सहयोगी बना हुआ था। जैक रीड कहते हैं कि यह विरोधाभासी स्थिति रही। पाकिस्तान ने बहुत बड़ी आर्थिक मदद के बदले हमें अपने हवाई क्षेत्र और अन्य सुविधाओं का उपयोग तो करने दिया, पर तालिबानियों की भी मदद करता रहा। अपने यहां पनाह पाए तालिबानी नेताओं को वह वार्ता के लिए राजी करता रहा किंतु वादे के विपरीत ऐसे पनाहगारों को संरक्षण भी देता रहा। जैक रीड को इस बात की तकलीफ है कि अमेरिका पाकिस्तान में तालिबानी अड्डों को नष्ट नहीं कर पाया। अब अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों के लौटने के बाद अपने अच्छे रिश्तों के कारण पाकिस्तान तालिबानियों से दोस्ती की स्थिति में रहेगा। यह अफगानिस्तान के अंदर दूसरे पक्ष (चुनी हुई सरकार) से उसकी दूरी को और अधिक बढ़ाएगी। जहां तक भारत की बात है, हमने अफगानिस्तान की निर्वाचित सरकार से ही रिश्ते रखे हैं। यही नहीं, वहां की संसद, कई बांध और सड़क निर्माण सहित बड़ी परियोजनाओं में भारत सहयोगी है। उसका विपुल धन, संसाधन और इंजीनियर लगे हुए हैं। शांति समझौते के मुताबिक तालिबान भी वहां की व्यवस्था में भागीदार हुआ तो भारत को दिक्कतें हो सकती हैं। फिर वह नए सिरे से तालिबान से रिश्ते बनाना चाहे तो पाकिस्तान को असहजता होगी।

बहरहाल, एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले करीब 20 साल में तालिबान के विरुद्ध जारी युद्ध में अमेरिका के करीब दो हजार 300 सैनिक मारे गए। संघर्ष के दौरान 20 हजार से भी अधिक अमेरिकी सैनिक चोटिल हुए हैं। इसके मुकाबले अफगानी नागरिकों और सेना को कहीं अधिक नुकसान हुआ है। राष्ट्रपति अशरफ गनी ने 2009 में ही स्वीकार किया था कि सिर्फ पांच साल में 45 हजार अफगानी सैनिकों ने इस संघर्ष में जान गंवाई है। ब्राउन यूनिवर्सिटी ने अपने एक शोध में 2001 के बाद 64 हजार से भी अधिक अफगानियों के मारे जाने की जानकारी दी थी। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के मिशन के मुताबिक तो यह संख्या एक लाख, 11 हजार से भी अधिक है। जहां तक खर्च की बात है, अमेरिका ने अफगानिस्तान में इस दौरान 143 अरब, 27 करोड़ डॉलर खर्च किए हैं। अमेरिका ने 36 अरब डॉलर अफगानिस्तान सरकार और विकास योजनाओं पर लगाए तो अफगानिस्तान नेशनल आर्मी और वहां के पुलिस बल के प्रशिक्षण पर भी भारी रकम खर्च की है। यह सब कुछ अफगानिस्तान के बहाने दुनिया से कट्टरपंथ के असर को कम करने के लिए हुआ। अब जबकि अफगानिस्तान की व्यवस्था में तालिबान भागीदार होगा, बहुत कुछ उसके अगले रुख पर निर्भर करेगा।

अहिंसा के मूर्तिमान के प्रतीक - भगवान महावीर

तीर्थंकर महावीर स्वामी की जयंती पर विशेष

सुरेश जैन

हर व्यक्ति अपने स्वयं के दोष की वजह से दुखी रहता है। वह खुद अपनी गलती सुधार कर प्रसन्न हो सकता है। स्वयं से लड़ो, बाहरी दुश्मन से क्या लड़ना? वह जो स्वयं पर विजय कर लेगा, उसे आनंद की प्राप्ति होगी। पृथ्वी पर हर जीव स्वतंत्र है। कोई किसी पर भी आश्रित नहीं है। प्रत्येक आत्मा स्वयं में सर्वज्ञ और आनंदमय है। आनंद बाहर से नहीं आता। आनंद तो अंतर से होता है, निःसीमा होता है, शाश्वत होता है और भगवान के मिलन के बाद मानव की आत्मानुभूति होता है। अतः आपकी आत्मा से परे कोई भी शत्रु नहीं है। असली शत्रु झ्र क्रोध , घमंड , लालच ,आसक्ति और नफरतङ्क आपके भीतर हैंझ्र भगवान महावीर

भगवान महावीर जैन पन्थ के चौबीसवें तीर्थंकर हैं। भगवान महावीर का जन्म करीब ढाई हजार वर्ष पहले यानी ईसा से 599 वर्ष पूर्व वैशाली गणतंत्र के कुण्डलपुर में इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के यहां चैत्र शुल्क तेरस को हुआ था। ग्रंथों के अनुसार उनके जन्म के बाद राज्य में उन्नति होने से उनका नाम वर्धमान रखा गया था। महावीर जब शिशु अवस्था में थे, तब इन्द्रों और देवों ने उन्हें सुमेरु पर्वत पर ले जाकर प्रभु का जन्मकल्याणक मनाया। जैन ग्रंथ उत्तरपुराण में वर्धमान, वीर, अतिवीर, महावीर और सन्मति ऐसे पांच नामों का उल्लेख है। इन सब नामों के साथ कोई कथा जुड़ी है। जैन ग्रंथों के अनुसार, 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त करने के 188 वर्ष बाद इनका जन्म हुआ था। तीस वर्ष की आयु में महावीर ने संसार से विरक्त होकर राज वैभव त्याग दिया और संन्यास धारण कर आत्मकल्याण के पथ पर निकल गए। 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद उन्हें केवल ज्ञान प्राप्त हुआ, जिसके पश्चात उन्होंने समवशरण में ज्ञान प्रसारित किया। 72 वर्ष की आयु में उन्हें पावापुरी से मोक्ष की प्राप्ति हुई। जैन समाज महावीर स्वामी के जन्मदिवस को महावीर जयंती जबकि उनके मोक्ष दिवस को दीपावली के रूप में धूम-धाम से मनाता है।

जैन ग्रंथों के अनुसार समय-समय पर धर्म तीर्थ के प्रवर्तन के लिए तीर्थंकरों का जन्म होता है, जो सभी जीवों को आत्मिक सुख प्राप्ति का उपाय बताते है। तीर्थंकरों की संख्या चौबीस ही कही गयी है। भगवान महावीर वर्तमान अवसर्पिणी काल की चौबीसी के अंतिम तीर्थंकर थे और ऋषभदेव पहले। हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया। तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया। उन्होंने अनेकांतवाद, स्यादवाद और अपरिग्रह जैसे अद्भुत सिद्धांत दिए। त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था। महावीर के सर्वोदयी तीर्थों में क्षेत्र, काल, समय या जाति की सीमाएं नहीं थीं। भगवान महावीर का आत्म धर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था। दुनिया की सभी आत्मा एक-सी हैं इसीलिए हम दूसरों के प्रति वही विचार एवं व्यवहार रखें, जो हमें स्वयं को पसंद हो। यही महावीर को जियो और जीने दो का सिद्धांत है।

भगवान महावीर अपने उपदेशों में कहते हैं- ह्यमैं जब जीवों से क्षमा चाहता हूँ। जगत के सभी जीवों के प्रति मेरा मैत्रीभाव है। मेरा किसी से वैर नहीं है। मैं सच्चे हृदय से धर्म में स्थिर हुआ हूँ। सब जीवों से मैं सारे अपराधों की क्षमा मांगता हूँ। सब जीवों ने मेरे प्रति जो अपराध किए हैं, उन्हें मैं क्षमा करता हूँ। मैंने अपने मन में जिन-जिन पाप की वृत्तियों का संकल्प किया हो, वचन से जो-जो पाप वृत्तियाँ प्रकट को हों और शरीर से जो-जो पापवृत्तियाँ को हों, मेरी वे सभी पापवृत्तियाँ विफल हों। मेरे पाप मिथ्या हों। धर्म सबसे उत्तम मंगल है। अहिंसा, संयम और तप ही धर्म है। जो धर्मात्मा है, जिसके मन में सदा धर्म रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं। भगवान महावीर ने चतुर्विध संघ की स्थापना की। देश के भिन्न-भिन्न भागों में घूमकर भगवान महावीर ने अपना पवित्र संदेश फैलाया। उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य बताए।

भगवान महावीर स्वामी कहते हैं, हे पुरुष! तू सत्य को ही सच्चा तत्व समझ। जो बुद्धिमान सत्य की ही आज्ञा में रहता है, वह मृत्यु को तैरकर पार कर जाता है। इस लोक में जितने भी त्रस जीव (एक, दो, तीन, चार और पांच इन्द्रियों वाले जीव) है उनकी हिंसा मत कर, उनको उनके पथ पर जाने से न रोको। उनके प्रति अपने मन में दया का भाव रखो। उनकी रक्षा करो। दूसरे के वस्तु बिना उसके दिए हुआ ग्रहण करना जैन ग्रंथों में चोरी कहा गया है। परिग्रह पर भगवान कहते हैं, जो आदमी खुद सजीव या निर्जीव चीजों का संग्रह करता है, दूसरों से ऐसा संग्रह कराता है या दूसरों को ऐसा संग्रह करने की सम्मति देता है, उसको दुःखों से कभी छुटकारा नहीं मिल सकता। महावीर स्वामी अपने बहुत ही अमूल्य उपदेश में कहते हैं कि ब्रह्मचर्य उत्तम तपस्या, नियम, ज्ञान, दर्शन, चारित्र, संयम और विनय की जड़ है। तपस्या में ब्रह्मचर्य श्रेष्ठ तपस्या है। जो पुरुष स्त्रियों से सम्बन्ध नहीं रखते, वे मोक्ष की ओर बढ़ते हैं। यही संदेश अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य के माध्यम से भगवान महावीर दुनिया को देना चाहते हैं।

भगवान महावीर साधना काल 12 वर्ष का था। दीक्षा लेने के उपरांत भगवान महावीर ने दिगम्बर साधु की कठिन चर्या को अंगीकार किया और निर्वस्त्र रहे। श्वेताम्बर संप्रदाय के अनुसार भी महावीर दीक्षा उपरांत कुछ समय छोड़कर निर्वस्त्र रहे और उन्होंने केवल ज्ञान की प्राप्ति भी दिगम्बर अवस्था में ही की। अपने पूरे साधना काल के दौरान महावीर ने कठिन तपस्या की और मौन रहे। इन वर्षों में उन पर कई उपसर्ग भी हुए, जिनका उल्लेख कई प्राचीन जैन ग्रंथों में मिलता है। भगवान महावीर ने 72 वर्ष की आयु में बिहार के पावापुरी नगरी (राजगीर) में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त किया। तीर्थंकर महावीर का केवलिकाल 30 का था। पावापुरी में जल मंदिर स्थित है। जल मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यही स्थान है जहां से महावीर स्वामी को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। भगवान महावीर के निर्वाण के समय उपस्थित 18 गणराजाओं ने रत्नों के प्रकाश से उस रात्रि को आलोकित करके भगवान महावीर का निवार्णोत्सव मनाया। भगवान महावीर का आदर्श वाक्य है- मित्ती में सव्व भूएसुङ्घ यानी सब प्राणियों से मेरी मैत्री है। हमारा जीवन धन्य हो जाए, यदि हम भगवान महावीर के इस छोटे से उपदेश का ही सच्चे मन से पालन करने लगें कि संसार के सभी छोटे-बड़े जीव हमारी ही तरह हैं, हमारी आत्मा का ही स्वरूप हैं।

रामनवमी पर छाया कोरोना का साया

बाल मुकुन्द ओझा

देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए लगातार दूसरे साल देशभर में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव 21 अप्रैल पर शोभा यात्रा नहीं निकाली जाएगी। श्रद्धालुओं को अपने घर में ही रह कर रामनवमी माननी होगी। इस रामनवमी पर नौ साल बाद पांच ग्रहों का शुभ संयोग बन रहा है। यह वृद्धिकारक शुभदायक संयोग होगा। ग्रहों की यह युति योति इस दिन को मंगलकारी बनाएगी। इससे पहले ऐसा संयोग साल 2013 में बना था। इस दिन पूजा और खरीदारी करने से घर समृद्ध बनता है मगर अनेक स्थानों पर लोक डाउन होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ज्योतिषियों के अनुसार कई प्रकार की पूजाएं मौन व्रत रखकर भी की जाती है। इस वजह से पूजा के दौरान मास्क लगाकर रामनवमी का पर्व मनाया जा सकते हैं।

कोरोना महामारी के चलते देश में कई जगहों पर कर्फ्यू और लोक डाउन है। मंदिरों को बंद कर दिया गया है। ऐसे में राम नवमी उत्सव मंदिर में मनाना मुश्किल है। रामनवमी का आरंभ 20 अप्रैल को मध्यरात्रि 12 बजकर 43 मिनट से लेकर 21 अप्रैल मध्यरात्रि 12 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। राम नवमी का मुहूर्त 11 बजकर 2 मिनट से लेकर 13 बजकर 38 मिनट तक रहेगा। पौराणिक मान्यता है कि भगवान राम का जन्म चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को त्रेता युग में हुआ था। त्रेता युग में भगवान राम ने अयोध्या के राजा दशरथ के घर जन्म लिया था। इसलिए इस तिथि को राम नवमी कहा जाता है।

घर में ही मनाएं राम नवमी

भगवान राम के एक चित्र या मूर्ति को लकड़ी के पाट पर रखें। मूर्ति को स्नान कराएं और यदि चित्र है तो उसे अच्छे से साफ करें। फिर उनके मस्तक पर हलदी कुंकू, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। फिर उनकी आरती उतारें। रामनवमी पूजन को शुद्धता व सात्विकता का विशेष महत्व है। इस दिन प्रातरूकाल स्नान-ध्यान से निवृत हो भगवान राम का स्मरण करते हुए भक्त व्रत एवं उपवास का पालन करते हुए भगवान राम का भजन व पूजन करते हैं। पूजा के बाद केसर भात, खीर, धनिए का प्रसाद या नैवेद्य चढ़ाएं। इसके अलावा उनको कलाकंद, बर्फी, गुलाब जामुन का भोग भी प्रिय है। इस दिन किया गया रामनाम मंत्र जाप भव सागर से मुक्ति दिलाता है।

कोरोना वायरस फैलने के खतरे को देखते हुए स्कूल-कॉलेज, मॉल जैसे सार्वजनिक जगहों के बाद अब धार्मिक स्थानों पर भी प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। अयोध्या में देश के सबसे बड़े पर्व के रूप में रामनवमी को मनाया जाता है। यहाँ रामलला के लिए बधाई गीत गाए जाते हैं। अयोध्या में रामनवमी को लेकर रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की तरफ से बड़ा फैसला लिया गया है। ट्रस्ट की तरफ से कहा गया है कि रामनवमी राम जन्मभूमि परिसर में ही मनाई जाएगी और इस दौरान भक्तों का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित रहेगा। कोरोना को देखते हुए अयोध्या प्रशासन ने नवरात्रि के अंतिम दिन तीर्थयात्रियों के भारी भीड़ को आकर्षित करने वाले श्रामनवमी के मेलेश को स्थगित करने का फैसला किया है। इस बार यह मेला 21 अप्रैल से शुरू होने वाला था। अयोध्या की सीमाओं को सील कर दिया जाएगा और हरिद्वार कुंभ के संतों को भी प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रामनवमी पर राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा करने के लिए सैकड़ों की संख्या में संत अयोध्या आने वाले थे। राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के मुताबिक कोरोना महामारी के कारण इस साल ह्यराम नवमीह्न पर मंदिर में कोई भक्त नहीं होगा। केवल एक पुजारी, ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मी और राम लला विराजमान होंगे। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब महामारी के कारण रामनवमी का जश्न नहीं मनाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नवंबर 2019 में मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाए जाने के बाद शहर में रामनवमी नहीं मनाई गई है।

सत्य, न्याय एवं सदाचार के प्रतीक हैं श्रीराम

योगेश कुमार गोयल

भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को रामनवमी का त्यौहार समूचे भारतवर्ष में अपार श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं तथा अयोध्या स्थित सरयू नदी में पवित्र स्नान कर पंचकोसी की परिक्रमा करते हैं। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आती है और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ती है। देशभर में अन्य स्थानों पर भी जगह-जगह इस दिन श्रद्धापूर्वक हवन, व्रत, उपवास, यज्ञ, दान-पुण्य आदि विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है। हालांकि इस वर्ष फिर से बढ़ते कोरोना संक्रमण के चलते ऐसे आयोजन ज्यादा धूमधाम से मनाए जाने की संभावना कम ही रहेगी लेकिन भीड़-भाड़ से बचकर लोग अपने घर में भी अपने आराध्य देव के जन्मोत्सव को श्रद्धापूर्वक मना सकते हैं।

विभिन्न हिन्दू धर्मग्रंथों में कहा गया है कि श्रीराम का जन्म नवरात्र के अवसर पर नवदुर्गा के पाठ के समापन के पश्चात हुआ था और उनके शरीर में मां दुर्गा की नवीं शक्ति जागृत थी। मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मयार्दा पुरूषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था।

वाल्मिकी रामायण के अनुसार, ह्यह्यभगवान श्रीराम चन्द्रमा के समान अति सुंदर, समुद्र के समान गंभीर और पृथ्वी के समान अत्यंत धैर्यवान थे तथा इतने शील सम्पन्न थे कि दुखों के आवेश में जीने के बावजूद कभी किसी को कटु वचन नहीं बोलते थे। वे अपने माता-पिता, गुरूजनों, भाईयों, सेवकों, प्रजाजनों अर्थात हर किसी के प्रति अपने स्नेहपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किया करते थे। माता-पिता के प्रति कर्त्तव्य पालन एवं आज्ञा पालन की भावना तो उनमें कूट-कूटकर भरी थी। उनकी कठोर से कठोर आज्ञा के पालन के लिए भी वह हर समय तत्पर रहते थे ह्नह्न

श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी केकैयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मयार्दा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े।

वनवास की यात्रा की शुरूआत श्रृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखां की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14000 राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया।

कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था। श्रीराम ने बाली का वध कर-के सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए।

वास्तव में विधि के विधान के अनुसार राम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें ह्यमयार्दा पुरूषोत्तमह्न कहा गया।

जहां तक राम-रावण के बीच हुए भीषण युद्ध की बात है तो वह सिर्फ दो राजाओं के बीच का सामान्य युद्ध नहीं था बल्कि दो विचारधाराओं का संघर्ष था, जिसमें एक मानव संस्कृति थी तो दूसरी राक्षसी संस्कृति। एक ओर क्षमादान की भावना को महत्व देने वाले व जनता के दुख-दर्द को समझने एवं बांटने वाले वीतरागी भाव थे तो दूसरी ओर दूसरों का सब कुछ हड़प लेने की राक्षसी प्रवृत्ति। रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के। यही नहीं, सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मयार्दाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने इसके बाद भी रावण को एक महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था।

मयार्दा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी ह्यआदर्शह्न शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को ह्यरामराज्यह्न कहकर परिभाषित किया जाता है। ह्यरामराज्यह्न यानी सुख, शांति एवं न्याय का राज्य। रामनवमी पर्व वास्तव में मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की गुरू सेवा, माता-पिता की सेवा व आज्ञापालन, जात-पात के भेदभाव को मिटाने, क्षमाशीलता, भ्रातृप्रेम, पत्नीव्रता, न्यायप्रियता आदि विभिन्न महान आदर्शों एवं गुणों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है।

सम्पादकीय एवं मार्कटिंग कार्यालय
यू. बी. 11 ए
अरूणाचल बिल्डिंग बाराखम्बा रोड नई दिल्ली -110001
011-43704338, 08800866109
E-mail.cphindi@gmail.com
RNI No:- DELHIN/2004/12973
रांची ब्यूरो-गौरी शंकर नगर नया बस्ती, कडरू रांची (झारखण्ड)
पिन नं. 1834002,अजय कुमार मिश्रा मो. नं. 9835194269
अब्दुल कुद्दुस मो. नं. 7759944546

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक राकेश रमन द्वारा डब्लूजेड- 140 ए, यूजीएफ, गली नं. 42, ब्लॉक - ए, उत्तम नगर, दिल्ली - 110059 से प्रकाशित एवं माध्यम प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स 273, बेसमेन्ट, पॉकेट- सेक्टर-3, डीएसआईडीसी, बवाना, दिल्ली - 110039 से मुद्रित। दूरभाष: 08800866109.
Email- cphindi@gmail.com, RNI NO. DELHIN/2004/12973,
WEB: wwwchaltefirte.com

बिहार में कोरोना के सर्वाधिक 10455 पॉजिटिव मामले, 51 की मौत

पटना, एजेंसी। बिहार में कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए की जा रही कोई भी तरकीब काम आती नहीं दिख रही है और पिछले चौबीस घंटे में इस वर्ष के सर्वाधिक 10455 पॉजिटिव मिलने से राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 56354 हो गई वहीं एक दिन में सबसे अधिक 51 संक्रमितों ने जान गंवा दी।

बिहार में कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए रात्रि कर्फ्यू लगाने, शिक्षण एवं धार्मिक संस्थानों को बंद करने जैसे किसी भी उपाय का खास असर होता नहीं दिख रहा है। पिछले चौबीस घंटे में एक लाख छह हजार 156 सैंपल की जांच में 10455 संक्रमित की पहचान की गई। इस दौरान करीब 10 प्रतिशत की रफ्तार से संक्रमण फैला है। वहीं, महज 3577 पॉजिटिव के ठीक होने से स्वस्थ होने की दर घटकर 82.99 प्रतिशत रह गई है। संक्रमितों की मौत का सिलसिला भी काफी तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग की सोमवार को जारी रिपोर्ट में जहां 41 पॉजिटिव के मौत की पुष्टि हुई वहीं आज की रिपोर्ट के अनुसार 51 संक्रमित कोरोना के खिलाफ जंग हार गए हैं, जो इस वर्ष के एक दिन में सबसे अधिक संक्रमण से जान गंवाने वालों की सर्वाधिक संख्या है।

स्वास्थ्य विभाग की मंगलवार को 19 अप्रैल की जारी जांच रिपोर्ट पर गौर करें तो लगभग पूरा बिहार संक्रमण का हब बनता जा रहा है। इसमें पटना समेत कई अन्य जिलों में लोगों के संक्रमित होने की रफ्तार काफी तेज है। पिछले चौबीस घंटे में पटना जिले में कोरोना के 2186 नये मामले सामने आए हैं, जिससे जिले में सक्रिय मामलों की संख्या पांच हजार से अधिक हो गई है।

इस बीच देश की सबसे बड़ी ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड के बाढ़ संयंत्र में 29 कर्मचारी पॉजिटिव पाए गए हैं। इन कर्मचारियों के 35 परिजन भी संक्रमित हो गए हैं। एनटीपीसी ने बताया कि कंपनी के पूर्वी क्षेत्र की 10 परियोजनाओं में करीब 200 कर्मचारी संक्रमित हैं। इन परियोजनाओं में छह बिहार में हैं जबकि शेष झारखंड और पश्चिम बंगाल में हैं।

बिहार में पिछले चौबीस घंटे के दौरान 51 संक्रमितों की मौत से राज्य में अबतक संक्रमण से जान गंवा चुके लोगों की संख्या बढ़कर 1841 हो गई है। पटना के नालंदा चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (एनएमसीएच) में मंगलवार को एक महिला समेत सात संक्रमितों की मौत हो गई। इनमें पटना के तीन तथा वैशाली, जहानाबाद, सारण तथा बक्सर जिले के एक-एक पॉजिटिव शामिल हैं।

विभाग ने बताया कि पटना के बाद गया जिले में 1081, मुजफ्फरपुर में 544, सारण में 530, भागलपुर में 449, नालंदा में 375, औरंगाबाद में 350, बेगूसराय में 346, वैशाली में 334, मुंगेर में 317, पूर्णिया में 294, बक्सर और पश्चिम चंपारण में 232-232, कटिहार और सीवान में 228-228, जहानाबाद में 180, पूर्वी चंपारण में 168, सहरसा में 163, भोजपुर और समस्तीपुर में 157-157, जमुई में 156, मधेपुरा में 153 तथा नवादा में 150 व्यक्ति महामारी का शिकार हुए हैं।

इसी तरह अरवल जिले में 146, सुपौल में 144, रोहतास में 139, गोपालगंज में 118, मधुबनी में 114, लखीसराय में 103, अररिया में 89, खगड़िया में 88, किशनगंज में 87, दरभंगा में 81, शेखपुरा में 72, सीतामढ़ी में 66, बांका में 65, कैमूर में 52 तथा शिवहर जिले में कोरोना संक्रमण के 42 नये मामले सामने आए हैं। इस दौरान बिहार के बाहर के 39 लोगों का सैंपल जांच के लिए लिया गया, जिसमें सभी व्यक्ति पॉजिटिव पाए गए हैं।

विभाग ने बताया कि पिछले चौबीस घंटे के दौरान कोरोना को मात देने के लिए प्रदेश में कुल 93164 लोगों का टीकाकरण किया गया। इनमें टीके की पहली खुराक लेने वालों की संख्या 67186 वहीं दूसरी खुराक पाने वालों की संख्या 25978 है।

अवैध बालू खनन को लेकर हुई गोलीबारी में दो की मौत

भागलपुर, एजेंसी। बिहार में भागलपुर जिले के शाहकुण्ड थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन को लेकर दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में दो युवक की मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि इस क्षेत्र के दीनदयालपुर गांव के समीप बहियार में मंगलवार को दो पक्षों के बीच वर्चस्व को लेकर झंझट शुरू हुई और देखते ही देखते गोलीबारी शुरू हो गई। गोली लगने से रुपेश कुमार (30) एवं राहुल कुमार (26) की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों मृतक बांका जिले के सीमावर्ती शंभूगंज थाना क्षेत्र के क्रमशः कुंआ और कामतपुर गांव का रहनेवाले थे। सूत्रों ने बताया कि इस घटना का कारण बालू के अवैध खनन को लेकर वर्चस्व की लड़ाई बताई गई है। इधर मृतक रुपेश कुमार के पिता उदय यादव ने स्थानीय थाने में लिखित आवेदन देकर दो लोगों को नामजद आरोपी बनाया है।

यहां लगता है प्रेतों का मेला

मैरवा धाम। मैरवा प्रखंड से २ किलोमीटर की दूरी पर सिवान मुख्य मार्ग पर हरि राम का मन्दिर है, हरी राम बाबा का स्थान के नाम से प्रचलित झरही नदी के किनारे इस स्थान पर कार्तिक और चैत्र महीने में मेला लगता है। यह ब्रह्म स्थान एक संत की समाधि पर स्थित है। इस स्थान पर डाक बंगला के सामने बने चनारी डीह (ऊँची भूमि) पर एक अहिरनी औरत के आश्रम को पूजा जाता है। मैरवा धाम स्थित हरिराम ब्रह्म मंदिर में पूजा अर्चना को श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। स्थानीय लोगों के अलावे भी दूर दराज के लोगों की आस्था भी यहां से जुड़ी हुई है। मन्नतें पूरी होने के बाद वे चढ़ावे को यहां आते हैं। चैत्र रामनवमी पर एक माह के मेले एवं नवरात्र पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। ऐसी मान्यता है कि यहां प्रेतों का मेला भी लगता है। मानसिक एवं शारीरिक कष्ट लेकर भी यहां आने वाले चंगे हो जाते हैं।

हिन्दी के सुप्रसिद्ध महाकवि तुलसी दास की परिकल्पना साकार हो गयी। मैरवा आगमन के दौरान उन्होंने इस क्षेत्र को मुक्तिधाम होने की भविष्यवाणी की थी, तब मैरवा कनकगढ़ के नाम से जाना जाता था। कालांतर में यह मुक्तिधाम बना और फिर मैरवा धाम कनकगढ़ के राजाकनक सिंह का किला वर्तमान में हरिराम कालेज के स्थल पर था। राजा के दरबार में हिन्दी के प्रसिद्ध महाकवि तुलसी दास का आगमन हुआ। तुलसी दास की मुलाकात इष्टदेव हरिराम ब्रह्म से बभनौली (वर्तमान नाम) गांव में हुई। दोनों के बीच कुछ देर वातालाप हुई। इसके बाद दोनों राजदरबार पहुंचे। प्रसन्न चित तुलसी दास ने कहा कि यह कनकगढ़ कनक व कंचन की तरह है। यह कंचनपुर मुक्तिधाम बनेगा। कालांतर में यह मुक्तिधाम हरिराम धाम व मैरवा धाम के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

पावर स्टार पवन सिंह की एक और फिल्म 'सौतन' की शूटिंग हुई लंदन में

पटना। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह के लिए लंदन का दौरा बेहद खास रहा है। ये इस बात से पता चलता है कि लगातार एक के बाद एक पवन की उन फिल्मों की जानकारी रिवील हो रही है, जिसकी शूटिंग उन्होंने लंदन में की है। ऐसी ही एक फिल्म है 'सौतन', जिसके निमार्ता अभय सिन्हा, समीर आफताब और प्रशांत जम्मूवाला हैं। इस फिल्म की शूटिंग लंदन के ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, विंडसर कैसल, ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट जैसे मनोरम लोकेशन में हुई है। फिल्म में पवन सिंह के साथ मधु शर्मा और सहर अफशा नजर आने वाली है। इससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म की कहानी ट्रायंगल बेस्ड होने वाली है।

पवन की फिल्म 'सौतन' यशी फिल्म्स प्रा. लि. व जुम्बिया एंटरटेनमेंट प्रस्तुत और प्रैक्टिकल फिल्म प्रा. लि. यूके के बैनर तले बन रही है। लाइन प्रोड्यूसर विपुल शर्मा और निर्देशक पराग पाटिल हैं। फिल्म 'सौतन' का पोस्टर और ट्रेलर जल्द ही लांच किया जाएगा। फिल्म के पीआरओ रंजन सिन्हा हैं। फिल्म के बारे अभय सिन्हा ने बताया कि हमने अपने लंदन दौरे पर एक से बढ़कर एक फिल्मों का निर्माण किया है। उसमें सौतन भी एक है। यह फिल्म भी अभी पोस्ट प्रोडक्शन के फेज में है। कोरोना की महामारी की वजह से हमारी फिल्मों की रिलीज में देर हो सकती है, लेकिन फिल्म का ट्रेलर, पोस्टर और टीजर जल्द ही हम जारी करेंगे।

उन्होंने कहा कि फिल्म 'सौतन' अपनी माटी से दूर लंदन में अपने संस्कृति और संस्कारों को जिंदा रखे हुए है। इस फिल्म के गाने और संवाद बेहद सार्थक हैं। फिल्म दर्शकों के दिल में उतर जाने वाली है। यह फिल्म महिलाओं को विशेषकर पसंद आने वाली है। हम उम्मीद करेंगे कि कोरोना संकट जल्द से जल्द खत्म हो और हम अपनी फिल्मों को दर्शकों तक पहुंचा सकें। फिल्म में पवन सिंह, मधु शर्मा और सहर अफशा के साथ माया यादव व दीपक सिन्हा भी मुख्य भूमिका हैं।

वैक्सीन, घर व गर्म तरल पदार्थ कोरोना का सुरक्षा कवच : डॉ रणजीत सिंह

साहिबगंज/एजेंसी: साहिबगंज महाविद्यालय के एनएसएस नोडल अधिकारी डॉ रणजीत कुमार सिंह ने मंगलवार को वैक्सीन का पहला डोज लिया। डॉ रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि किरोना संकट में वैक्सीन के साथ-साथ घर में रहे तो सुरक्षित रहेंगे। आज कोरोना का कहर ने पूरे देश को झकझोर दिया है। सभी लोग सरकार शासन के नियमों का पालन करें। दिन रात हमारे स्वास्थ्य व सुरक्षा में तैनात कोरोना योद्धा के रूप में कार्य कर रहे स्वास्थ्य कर्मी, डॉक्टर, नर्स, पुलिसकर्मी, जिला प्रशासन के कर्मी और मीडिया के लोग जो हमें समय-समय पर जानकारियां दे रहे है, उनके निर्देश का पालन करें उनका सम्मान करें। कोरोन प्रोटोकॉल का नियमों का पालन करें। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वैक्सीन जरूर लगाएं, भ्रम व अफवाह में न पड़ें। आज कोरोना का दूसरा लहर कहर बनकर पूरे देश को आपने चपेट में ले रहा है। लापरवाना ना बनें एवं अनुशासन में घर में रहकर सुरक्षित रहें। गर्म तरल पदार्थ का उपयोग करें। कम से कम 6 बार गर्म काढ़ा पियें, धूप में कुछ समय बिताए तथा पौष्टिक एवं ताजा भोजन करें।

बिहार में बेखौफ चोरों की करतूत

कोर्ट सहायक के घर 37 लाख की चोरी, बंद घर को बनाया निशाना

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के सादपुरा के धनुका टोला में बेखौफ चोरों ने रविवार की देर रात कोर्ट सहायक के बंद घर को निशाना बनाया। मेन गेट का ताला खोलकर व अंदर के दो कमरों में लगे ताले को तोड़कर दो लाख नकद व करीब 35 लाख के सोने के जेवरात समेट ले गए। शिवहर कोर्ट के सहायक प्रकाश चंद्र परिवार समेत फाकुली स्थित अपने गांव छठ में गए थे। स्थानीय लोगों की सूचना पर सादपुरा के धनुका टोला स्थित शहरी आवास पहुंचे व स्थानीय काजी मोहम्मदपुर थाने को इसकी सूचना दी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन में जुटी है। इसको लेकर उन्होंने थाने में एफआईआर दर्ज करायी है। साथ ही पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी सौंपा है। इसमें एक युवक उनके घर के बाउंड्री वॉल से होते हुए परिसर में प्रवेश कर रहा है। उसके हाथ में धारदार औजार भी दिख रहा है जिसकी पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

30 अप्रैल को छोटे भाई की थी शादी

शिवहर कोर्ट के सहायक ने बताया कि 30 अप्रैल को उनके छोटे भाई की शादी होने वाली है। इसे लेकर घर में दो लाख नकद रखे थे। साथ ही शादी के लिए जेवरात भी खरीद कर ली थी। इसके अलावा परिवार की महिला सदस्यों के गहने के करीब 35 लाख रुपये के गहने भी समेट लिए। बीती रात वो अपने गांव में थे। इसकी सूचना पर वे आनन फानन में सादपुरा पहुंचे। घर के अंदर देखा तो आलमारी टूटा हुआ था। समान भी जमीन पर बिखरे थे। दो ताले टूटे थे जो घर में ही फेंके मिले। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

असामाजिक तत्वों पर पुलिस नहीं करती ठोस कार्रवाई

स्थानीय लोगों ने बताया कि काजी मोहम्मदपुर पुलिस मोहल्ला में गश्ती नहीं करती है। इससे चोरों का मनोबल बढ़ा हुआ है। घटना के बाद भी पुलिस ठोस कार्रवाई नहीं करती है। मोहल्ला में अक्सर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है जिसकी शिकायत करने पर भी पुलिस कार्रवाई नहीं करती। इधर, डीएसपी टाउन रामनरेश पासवान ने बताया कि मामले की वैज्ञानिक जांच करायी जा रही है। चोरों को जल्द चिह्नित कर गिरफ्तारी कर लिया जाएगा। गहना बरामद करने को लेकर स्थानीय थानों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

कोरोना संकट के बीच अनिल कुमार ने की 120 बेड वाले होटल पाटलिपुत्रा निवार्णा को सरकार को देने की घोषणा

नीतीश कुमार कब करायेंगे ऑक्सीजन और दवा की व्यवस्था, कहां है डबल इंजन वाली सरकार : अनिल कुमार

पटना, एजेंसी। जनतांत्रिक विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार ने आज पटना में प्रेस कांफ्रेंस कर अपने 120 बेड वाले होटल पाटलिपुत्र निवार्णा को सरकार को देने की घोषणा की है। इसको लेकर उन्होंने कहा कि आज बिहार के बड़े बड़े अस्पतालों में भी 200 बेड नहीं हैं PMCH में सिर्फ 105 बेड, AIIMS में 190 बेड NMCH में 160 के जगह पर 176 बेड लगाए गए है। एक साल हो गया, लेकिन स्वास्थ्य व्यवस्था में कोई सुधार नहीं है। इस वजह से आज हालात बिगड़े हैं, इसलिए हम अपने 120 बेड वाले होटल पाटलिपुत्रा निवार्णा को सरकार को दे रहे हैं।

वहीं, अनिल कुमार ने 18 अप्रैल को हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रेस वार्ता पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए पूछा है कि बिहार में कब होगा ऑक्सीजन व दवा की व्यवस्था और कहां है डबल इंजन वाली सरकार। सुशासन बाबू की 18 तारीख की प्रेस कॉन्फ्रेंस देख ऐसा लगा कि वो साफ साफ बोल रहे है कि तुम सभी मरो और मैं शमशान घाट बनाता हूं। उन्होंने कहा कि कंटेनमेंट की व्यवस्था करेंगे सुशासन बाबू ये सुनने में कितना अच्छा लगा, लेकिन आज तीसरा दिन है। कितने जगह पे कंटेनमेंट बनना शुरू हुए। अब तो दिल्ली में भी लॉकडाउन लग चुका है और वहां से सारे प्रवासी मजदूर फिर से आने लगे। कब तैयार करेंगे ? बीते साल कोरोना काल का सबसे बड़ा घोटाला है कोरेनटाइन सेंटर। उस वक्त जितने भी कोरेनटाइन सेंटर बने थे, इस लहर में वो सारे कोरेनटाइन सेंटर कहाँ गायब हो गए। बाढ़ में बह गए या चूहे खा गए।

ऑक्सीजन के सवाल पर उन्होंने पूछा कि ऑक्सीजन की व्यवस्था कब कराई जाएगी। हर दिन हमारे पास फोन आ रहे हैं। कल भी मुझे लोगों ने ट्विटर पर टैग कर सहायता मांग रहे थे। ये डबल इंजन की सरकार और प्रशासन आपस में मिल कर ब्लैक में बेच रही है। और लोगों के जीवन के साथ राजनीति कर रही है। इधर बोलती है हम प्राइवेट हॉस्पिटल वालो को नहीं बल्कि सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन देंगे और सरकारी अस्पताल नालंदा मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक पत्र लिख कर बोलते है। सरकार कुछ नहीं दे रही है। ये डबल इंजन की सरकार डबल गेम खेल ब्लैक में बेच रही है।

उन्होंने सरकार से पूछा कि अनुमंडलों में 75 बेड वाले हॉस्पिटल का आपके पास कोई डेटा हैं? मुझे मालूम हैं आपके पास बिल्कुल नहीं है, आज भी बहुत सारे अनुमंडलों में हॉस्पिटल की नींव भी नहीं रखी गई है। फिर से जुमला फेंकते हुए ANM, आशा, आंगनबाड़ी का एक महीने अतिरिक्त का पैसे देने की बोल रहे हैं। पिछली बार का एक महीने के अतिरिक्त वेतन का पैसो का क्या हुआ? कहीं डॉक्टर की कमी तो कहीं नर्सेस की कमी हो रही, लेकिन सरकार कमी पूर्ति करने के बजाय गिरगिट की तरह अपनी खालें बदल रही हैं।

उन्होंने कहा कि सुशासन बाबू को ऐसा लगता है कि कोरोना इवनिंग वाकिंग से आता है और रातों को काम करता है और सूरज की रौशनी आने से पहले ही भाग जाता है तो नही लगता कि कोरोना को चैन नाइट कर्फ्यू से छूटेगी। कोरोना काल मे सरकार बिहार चुनाव में 625 करोड़ की इंजन की 125 करोड़ वाली पैकेज सिर्फ खर्च की बात की थी लेकिन इस क्या डबल अपने मंत्री के जेबो को भरने के लिये रखे या वो भी डकार गए? आज भी पटना के बड़े अस्पताल जैसे मेदांता को अभी तक कोविड इलाज सेंटर क्यो नही बनाया गया?

उन्होंने कहा कि परसों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में वो बोलते है अब हम सभी जिलों से कोविड मरीजों की जानकारी लेंगे, मैं पूछता हूं सुशासन बाबू से इतने दिन से आपकी डबल इंजन की सरकार क्या कर रही थी, जो कि अभी तक सभी डेटा नहीं है कितने कोविड पेसेंट कहाँ हैं अभी हाल ही में सरकारी कोविड जाँच 19 लोगों को पॉजिटिव बताया बाद में 17 लोग नेगेटिव निकले।

संक्षिप्त समाचार

वैक्सीन, घर व गर्म तरल पदार्थ कोरोना का सुरक्षा कवच : डॉ रणजीत सिंह

साहिबगंज/एजेंसी। साहिबगंज महाविद्यालय के एनएसएस नोडल अधिकारी डॉ रणजीत कुमार सिंह ने मंगलवार को वैक्सीन का पहला डोज लिया। डॉ रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि किरोना संकट में वैक्सीन के साथ-साथ घर में रहे तो सुरक्षित रहेंगे। आज कोरोना का कहर ने पूरे देश को झकझोर दिया है। सभी लोग सरकार शासन के नियमों का पालन करें। दिन रात हमारे स्वास्थ्य व सुरक्षा में तैनात कोरोना योद्धा के रूप में कार्य कर रहे स्वास्थ्य कर्मी, डॉक्टर, नर्स, पुलिसकर्मी, जिला प्रशासन के कर्मी और मीडिया के लोग जो हमें समय-समय पर जानकारियां दे रहे है, उनके निर्देश का पालन करें उनका सम्मान करें। कोरोन प्रोटोकॉल का नियमों का पालन करें। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वैक्सीन जरूर लगाएं, भ्रम व अफवाह में न पड़ें। आज कोरोना का दूसरा लहर कहर बनकर पूरे देश को आपने चपेट में ले रहा है। लापरवाना ना बनें एवं अनुशासन में घर में रहकर सुरक्षित रहें। गर्म तरल पदार्थ का उपयोग करें। कम से कम 6 बार गर्म काढ़ा पियें, धूप में कुछ समय बिताए तथा पौष्टिक एवं ताजा भोजन करें।

भारत-नेपाल सीमा पर 30 लाख के चरस के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

बेतिया, एजेंसी। बिहार के बेतिया जिले में सोमवार की देर शाम भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी अधिकारी व जवानों ने तीन किलो चरस के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रमपुरवा बीओपी पर तैनात एसएसबी की टीम ने वाल्मिकी नगर बगहा मुख्य पथ पर धोबहा पुल के समीप इन दोनों तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद हुए चरस की अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमत 30 लाख रुपये बताई जा रही है। रमपुरवा पोस्ट के एसएसबी निरीक्षक अमित कुमार शर्मा ने यह जानकारी दी है।

कोरोना का दूसरा अध्याय पहले से ज्यादा भयावह : आकाश पांडेय

साहिबगंज/एजेंसी। लोजपा नेता सह समाजसेवी आकाश पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कोरोना का दूसरा अध्याय पहले से भी बहुत भयावह है। देश व राज्यों के हर श्मशान घाट पर मृत शवों के दाहसंस्कार के लिए लंबी लंबी कतारें लगी हैं, यह दृश्य इस कलयुग का सबसे भयावह दृश्य है। साथ ही आकाश पांडेय ने ये भी कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पांचवे चरण का मतदान समाप्त हो चुका है। आकाश पांडेय ने देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री जी से यह भी निवेदन किया कि उनको बाकी बचे हुए चरणों के मतदान के प्रचार हेतु बड़ी रैलियों का रद्द करें और वर्चुअल रैल्ली के माध्यम से बाकी बचे हुए चरणों में चुनाव प्रचार करना चाहिए ताकि आम जनमानस पर किसी प्रकार का कोई खतरा न हो।

लोन की किश्त नहीं देने पर महिला को पीट-पीटकर मार डाला

सुपौल, एजेंसी। बिहार के सुपौल जिले में मंगलवार को लोन की किस्त नहीं देने पर एजेंटों ने पीट-पीटकर एक महिला की जान ले ली। पिपरा थाना क्षेत्र के रामनगर वार्ड नंबर 5 की यह घटना है। आक्रोशित ग्रामीणों ने समस्ता माइक्रो फाइनेंस कम्पनी के सात कर्मचारियों को बंधक बना लिया है। घटना स्थल पर तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल वहां मौजूद है। मृत महिला की पहचान रामनगर वार्ड 5 महादलित टोला की दुलारी देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद ग्रामीणों ने फाइनेंस कंपनी के सभी 7 कर्मचारियों को बंधक बना लिया। जानकारी के अनुसार दुलारी देवी माइक्रो फाइनेंस कंपनी से 25 हजार रुपये का लोन लिया था, जिसका मासिक किस्त लेने कंपनी का एक एजेंट आया। लोन की किश्त मांगने पर दुलार देवी ने एजेंट से कहा कि गेंहू की फसल बेचने के बाद में रुपये दे दूंगी। इतना सुनने के बाद फाइनेंस कर्मचारी के एजेंट ने अपने छह अन्य सहयोगियों को बुला लिया और दुलारी देवी को पीट पीटकर मार डाला। इस घटना से गुस्साये ग्रामीणों ने सभी कर्मचारियों को बंधक बना लिया। इस बीच किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पिपरा पुलिस व सदर एसडीपीओ ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने की कोशिश में जुटे रहे। अंतिम समाचार मिलने तक गांव में तनाव का माहौल कायम है, जिसे देखते हुए मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

लखीसराय में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

लखीसराय, एजेंसी। बिहार में लखीसराय जिले के नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि नगर थाना क्षेत्र में जेल के पीछे बायपास पर एक युवक ने एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान बेलौरी गांव निवासी शिव यादव (70) के रूप में की गयी है। सूत्रों ने बताया कि हत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

पप्पू यादव ने कहा, रेमडेसिविर दवा पर सरकार लगाए रोक

पटना, एजेंसी। जन अधिकार पार्टी (लो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि एम्स के निदेशक कह चुके हैं कि रेमडेसिविर दवा कोरोना का इलाज नहीं है, फिर इस पर बैन क्यों नहीं लग रहा? गलत जानकारी के कारण लोग 20000 से 30000 रुपए तक देकर इस दवा को खरीद रहे हैं। इस दवा पर सरकार को रोक लगानी चाहिए। मंदिरी स्थित पार्टी कार्यालय में मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि पीएमसीएच और एनएमसीएच में लैब टेक्नीशियन और डाटा आपरेटर्स की कमी है। जो कर्मी पहले कार्यरत थे उनमें से अधिकतर कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। सरकार कह रही है कि एनएमसीएच को 500 बेड का कोविड अस्पताल बनाया गया है लेकिन स्थिति गंभीर है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में इतनी बुरी स्थिति है कि कल्पना नहीं की जा सकती है। कोरोना वार्ड में मरीजों को खाना खिलाने वाला कोई नहीं है। कहा कि एंबुलेंस वाले मरीज को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाने के लिए 12000 रुपए ले रहे हैं। कई डाक्टर महंगी दवाएं लिख रहे हैं जबकि कोरोना के इलाज से उसका कोई लेनादेना नहीं है।

नीतीश ने दी रामनवमी की शुभकामनाएं

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर्व के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री कुमार ने मंगलवार को अपने शुभकामना संदेश में कहा कि रामनवमी जैसे पर्व राष्ट्रीय एकता, अखण्डता तथा देश की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करते हैं। उन्होंने राज्यवासियों से आह्वान किया कि पावन पर्व रामनवमी को प्रेम और भाईचारे के साथ हर्षोल्लास के साथ मनायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुये प्रत्येक व्यक्ति का सचेत रहना नितांत आवश्यक है। सभी लोग मास्क का प्रयोग करें, आपस में दूरी बनाकर रहें। अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलें।

एक नजर

सीहोर जिले में कोरोना कर्फ्यू अब 30 अप्रैल तक

सीहोर,एजेंसी। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में कोरोना कर्फ्यू 30 अप्रैल तक के लिए बढ़ाया गया। जिले में कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर अजय गुप्ता ने आज एक आदेश पारित कर जिले में कोरोना कर्फ्यू की अवधि बढ़ाकर 30 अप्रैल की सुबह 6 बजे तक के लिए लागू कर दिया है। इस दौरान अत्यावश्यक सेवाएं को छूट रहेगी और प्रतिबंध पूर्व में जारी आदेश के अनुसार ही प्रभावशील रहेंगे।

मकान में आग लगने से गृहस्थी का सामान जला

बालाघाट,एजेंसी। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के वारासिवनी थाना क्षेत्र के रेंगाटोला में एक मकान में अचानक आग लगने से तीन लोगों की गृहस्थी का सामान जला, किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि कल देर रात जिले के रेंगाटोला में उदेलाल कोबड़े के मकान में अचानक में आग लग गई। आग लगते ही परिवार के लोग जाग गए और घर से बाहर निकले। पुलिस और नगरपालिका परिषद बालाघाट फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया। आग में तीन भाईयों की गृहस्थी के सामान को नुकसान पहुंचा है। आग पर दमकलकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। इस आगजनी में लगभग पांच लाख रुपये का नुकसान होना बताया गया है।

गिरीश गौतम ने जनता से कोरोना महामारी के दौरान सावधानी बरतने की अपील

भोपाल,एजेंसी। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने प्रदेशवासियों से कोरोना महामारी से जारी जंग में कोविड प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन करके सहयोग प्रदान करने की अपील की है। गौतम ने प्रदेश की जनता को राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक कोविड-19 मरीज को पूर्ण उपचार, ऑक्सीजन एवं टेस्टिंग के साथ ही लोगों के लिए व्यापक रूप से वेक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि कोरोना के खिलाफ जारी जंग में आप सभी का योगदान अत्यंत आवश्यक है। हम सभी कोरोना गाइड लाइन का पालन करें, मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकलें, बार-बार हाथों को सैनिटाइज करें और दो गज की दूरी का पालन करें। गौतम ने कहा कि यदि अत्याधिक आवश्यक है, तब ही घर से बाहर निकलें, अन्यथा घर में ही सुरक्षित रहें। उन्होंने अपनी विधानसभा क्षेत्र देवतालाब की जनता से विशेष आग्रह किया है कि वे स्वयं अनुशासन का पालन करते हुए जनता कर्फ्यू लगाएं और एक उदाहरण प्रस्तुत करें।

अलवर में कोरोना के बढ़ते मामले प्रशासन के लिए चुनौती बने

अलवर,एजेंसी। राजस्थान में अलवर जिले में कोरोना के बढ़ते मामलों ने जिला प्रशासन के समक्ष चुनौती पेश की है। रोजाना कोरोना के बढ़ रहे मामले स्वास्थ्य सेवाओं को चुनौती दे रहे हैं। इस कोरोना काल में जहां ऑक्सीजन सिलेंडरों की मारामारी है, वहीं कुछ शिकायतें ऐसी भी सामने आई हैं जहां लोग आक्सीजन सिलेंडरों को अपने घरों में रख रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉक्टर ओपी मीणा ने आज बताया कि अलवर जिले में फिलहाल 3600 एक्टिव मामले है। इनमें से 350 मरीज डॉक्टरों की विशेष सलाह पर चल रहे हैं। साथ ही 150 मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट बेड पर हैं। इसके अलावा 70 मरीज आईसीयू में भर्ती हैं। 16 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। इसके अलावा 3300 मरीज होम आइसोलेशन में हैं जो चिकित्सा विभाग की पूरी निगरानी है।

अलवर में पेयजल की किल्लत से लोग परेशान

अलवर, एजेंसी। राजस्थान में अलवर में गर्मी के मौसम में पानी के लिए जनता हाहाकार कर रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों का इस और कोई ध्यान नहीं है। रोजाना पानी की समस्या के लिए जनता जलदाय विभाग कार्यालय पहुँच रही है लेकिन जनता को यहाँ बैठे हुए अधिकारी सिर्फ आश्वाशन देकर लौटा देते हैं। मंगलवार सुबह अस्सी क्वार्टर और स्कीम नंबर दस में पिछले 6 महीने से पानी की समस्या को लेकर स्थानीय लोग लाजपत नगर स्थित जलदाय विभाग कार्यालय पहुंचे और मटका फोड़ प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में पिछले छह महीने से पानी की समस्या बरकरार है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। पानी की समस्या को लेकर स्थानीय लोग कई बार जलदाय विभाग कार्यालय में अधिकारियों को पानी की समस्या से अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक अधिकारियों ने पानी की समस्या से लोगों को निजात नहीं दिलाई। गर्मी के मौसम को देखते हुए पानी की समस्या से महिलाएं काफी परेशान हैं।

कोरोना से बचाव के लिए ठीक से पहने मास्क: मिश्र

जयपुर,एजेंसी। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि वैश्विक महामारी कोरोना से बचने के लिए सरकारी निदेर्शों का पालन करने एवं अनुशासन में रहने के साथ ठीक से मास्क पहनना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ने की राज्य और कोटा-बूंदी में ऑक्सीजन सप्लाई की समीक्षा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, डीआईपीटी की अतिरिक्त सचिव सुनीता काबरा और मुख्य सचिव निरंजन आर्य से की चर्चा

डॉ. प्रभात कुमार सिंघल, कोटा

कोटा। कोरोना के संकट के बीच राज्य और कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र में ऑक्सीजन की आपूर्ति को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने मंगलवार को केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल, राज्य के मुख्य सचिव निरंजन आर्य और डीआईपीटी की अतिरिक्त सचिव सुनीता काबरा से चर्चा की। बिरला ने मुख्य सचिव से कहा कि पर्याप्त ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित कराने की दिशा में राज्य सरकार को गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता है। केंद्र व राज्य के अधिकारी सामंजस्य बनाकर कार्य करें ताकि कम समय में अधिक लोगों को चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जा सके। डीआईपीटी की अतिरिक्त सचिव सुनीता काबरा ने लोकसभा अध्यक्ष को जानकारी देते हुए बताया कि महामारी से प्रभावित राज्यों को मेडिकल ऑक्सीजन समेत जरूरी चिकित्सा उपकरण मुहैया कराने के लिए प्रयास जारी है।

कोटा को जल्द मिलेगी रेमडेसिविर की बड़ी खेप

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना संक्रमण के उपचार के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। निजी चिकित्सा संस्थानों व डे केयर सेंटर के लिए जल्द ही रेमडेसिविर इंजेक्शन की बड़ी खेप कोटा पहुंचेगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार को भी पर्याप्त रेमडेसिविर इंजेक्शन मिल सकें, इसके लिए राज्य के वे उनके स्तर पर इंजेक्शन निमार्ता कंपनियों और केंद्र के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करें।

आइसोलेशन सेंटर बढ़ाने होंगे

लोकसभा अध्यक्ष ने मुख्य सचिव निरंजन आर्य से राज्य में कोरोना से उपजे हालातों और ऑक्सीजन की आपूर्ति को लेकर जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में मरीजों का भार कम हो इसके लिए आइसोलेशन से सेंटर बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम करना होगा। बिरला ने कहा कि संक्रमण से लड़ने के लिए 1 मई से 18 वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों के लिए शुरू हो रहे वैक्सीनेशन अभियान में युवाओं को बड़ी भागीदारी निभानी होगी।

सप्लाई तंत्र मजबूत करने की जरुरत

लोकसभा अध्यक्ष ने कोटा-बूंदी के अस्पतालों में भर्ती मरीजों के उपचार के लिए ऑक्सीजन और जरुरी उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोरोना रोगियों के इलाज में मेडिकल ऑक्सीजन महत्वपूर्ण घटक है। लॉकडाउन या अन्य प्रतिबंधो के बीच तेजी से ऑक्सीजन की आपूर्ति हो इसके लिए सप्लाई तंत्र को भी मजबूत करने की जरुरत है।

भूखमरी खत्म करने की दिशा में हुई प्रगति के कोविड के कारण प्रभावित होने की आशंका: हर्षवर्धन

नई दिल्ली/संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने कहा है कि वैश्विक महामारी कोविड-19 ने विश्वभर में लाखों लोगों तक पोषण पहुंचाने की व्यवस्था और खाद्य सुरक्षा को बुरी तरह प्रभावित किया है और 2030 तक भूखमरी खत्म करने की दिशा में अब तक जो प्रगति हासिल हुई थी उसके भी प्रभावित होने की आशंका है। आबादी, खाद्य सुरक्षा, पोषण और टिकाऊ विकास विषय पर 54वें जनसंख्या एवं विकास आयोग को संबोधित करते हुए हर्षवर्धन ने सोमवार को कहा कि भारत सरकार खाद्य सुरक्षा और पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। इसकी पुष्टि बीते कुछ वर्षों में उठाए गए विभिन्न राष्ट्रीय कानूनी कदम एवं आरंभ की गईं योजनाएं करती हैं। हर्षवर्धन ने कहा, जनसंख्या, खाद्य सुरक्षा, पोषण और टिकाऊ विकास का विषय हमेशा ही बहुत महत्वपूर्ण रहता है। लेकिन हाल के दिनों में इसका महत्व और भी बढ़ गया है क्योंकि कोविड-19 के कारण उत्पन्न चुनौतियों से निबटते हुए विश्व पुनर्निर्माण की जिद्दोजहद में लगा हुआ है। उन्होंने कहा, वैश्विक महामारी कोविड-19 ने विश्वभर में लाखों लोगों तक पोषण पहुंचाने की व्यवस्था और खाद्य सुरक्षा को बुरी तरह प्रभावित किया है और 2030 तक भूखमरी खत्म करने की दिशा में अब तक जो प्रगति की गई थी, उसके भी प्रभावित होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी ने आजीविकाओं को तबाह कर दिया, अन्याय और असमानता को बढ़ा दिया है तथा इससे दशकों के प्रयासों के बाद हासिल विकास प्रक्रिया को खतरा है।

जम्मू कश्मीर: सभी 20 जिलों में रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू

रोटेशन में खुलेंगी 50% दुकानें

जम्मू, एजेंसी। कोरोना की विस्फोटक स्थिति को देखते हुए जम्मू कश्मीर प्रशासन ने प्रदेश के सभी बीस जिलों में रात दस बजे से सुबह छह बजे तक कर्फ्यू के आदेश जारी कर दिए हैं। मौजूदा समय जम्मू कश्मीर के आठ जिलों में यह कर्फ्यू लगाया जा रहा था लेकिन अब कोरोना की भयावह स्थित को देखते हुए इसे पूरे प्रदेश में लागू कर दिया गया है। इसके अलावा प्रदेश में बाजारों को भी रोटेशन के आधार पर खोलने का आदेश जारी किया गया है।

यानि अब बाजार में रोजाना पचास प्रतिशत दुकानें ही खुलेंगी और यह व्यवस्था अगले आदेश के जारी होने तक रहेगी। उपराज्यपाल के कार्यालय के यह आदेश मंगलवार को जारी किए गए हैं और उपराज्यपाल ने सभी डिप्टी कमिश्नरों से इस आदेश को सख्ती से लागू करवाने के निर्देश भी दिए हैं। जम्मू कश्मीर में कोरोना के मामले लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रदेश में सोमवार को पंद्रह सौ से अधिक कोरोना के मामले आए हैं जो अब तक के सबसे ज्यादा मामले हैं। अस्पताल भी इस समय कोरोना के मरीजों से भरे पढ़े हैं और अगर यही स्थिति कुछ दिन और रही तो अस्पतालों में भी मरीजों को भर्ती करना संभव नहीं होगा। उधर उपराज्यपाल के आदेश के बाद बुधवार से बाजार रोटेशन के आधार पर खुलेंगे। बाजार एसोसिएशन व जिला प्रशासन के बीच बातचीत कर फैसला लिया जाएगा कि वहां कौन कौन सी दुकानें या लेन को बारी बारी खोला जाएगा। सभी जिला प्रशासन ने पहले ही बाजार एसोसिएशनों से सहयोग मांगा था जिसके बाद जम्मू शहर के सबसे बड़े होलसेल बाजार वेयर हाउस सहित कुछ अन्य ने सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे दुकानें खोलने का फैसला अपने स्तर पर लिया था लेकिन अब वे भी रोटेशन के आधार पर ही खुलेंगे।

सीएम शिवराज ने लगाया आम का पौधा लगाया

भोपाल,एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज यहाँ आम का पौधा लगाया। चौहान ने अपने प्रतिदिन पौधा लगाने के संकल्प के तहत आज निवास में आम का पौधा रोपा। उन्होंने आम के पौधे का महत्व बताते हुए कहा कि आम स्वाद, सुवास और रंग-रूप के कारण फलों का राजा कहा जाता है। आम की लगभग एक हजार से अधिक किस्में हैं, जिनमें व्यापारिक दृष्टिकोण से 40-50 किस्में ही उपयुक्त पाई गई हैं। उन्होंने बताया कि आम देश का सर्वसुलभ और लगभग हर प्रांत में आसानी से लगाया जा सकने वाला फल है।

पांच लाख का इनामी नक्सली मुठभेड़ में ढेर

दंतेवाड़ा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में मंगलवार सुबह हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बल के जवानों ने पांच लाख के इनामी नक्सली को मार गिराया है। दंतेवाड़ा एसपी अभिषेक पल्लव ने घटना की पुष्टि की। डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया कि जिले के अरनपुर थाना क्षेत्र के निलवाया के जंगलों में मंगलवार तड़के डीआरजी के जवानों और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में

जवानों ने पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली को मार गिराया है। नक्सली की शिनाख्त निलवाया के मल्लापारा निवासी कोसा मुचे के तौर पर हुई है। मुठभेड़ के बाद सर्चिंग के दौरान जवानों ने मौके से नक्सली का शव, नौ एमएम का पिस्टल, एक देसी भरमार, तीन किलो वजनी एक आईईडी बम, पिट्ठू, दवाइयां और अन्य सामग्रियां बरामद की हैं। पुलिस ने दावा किया है कि मुठभेड़ में छह से अधिक नक्सली या तो मारे गये हैं या घायल हुए हैं। मारा गया नक्सली बीते 15 साल से नक्सली संगठन के लिए काम कर रहा था। वह मलांगीर एरिया कमिटी का सदस्य होने के साथ नक्सलियों के मिलिट्री इंटेलिजेंस का इंचार्ज भी था।

कोरोना पीड़ितों के लिए कलेक्टर ने दी आक्सीजन बनाने वाली कंसंट्रेटर मशीन

शिवपुरी , एजेंसी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल ने कोविड-19 के संक्रमण के दृष्टिगत मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के लिए ऑक्सीजन बनाने वाली एक-एक कंसंट्रेटर मशीन अपनी तरफ से दी है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इनके अनुरोध पर शहर की कुछ समाजसेवी संस्थाओं द्वारा भी यह मशीनें दी जा रही है। इससे कोरोना पीड़ितों को आसानी से ऑक्सीजन मिल सकेगी। इसके साथ ही जिला कलेक्टर ने सभी प्राइवेट अस्पतालों को भी कहा गया है कि वह हवा से ऑक्सीजन तैयार करने वाली मशीनं लगाएं। समाजसेवियों की तरफ से मशीनें मिलना एक अच्छी और नई पहल है। इसका लाभ निश्चित रूप से सभी को लाभ मिलेगा।

साबरमती जेल में एक ही दिन में 29 कैदी कोरोना संक्रमित

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद की साबरमती जेल में कोरोना विस्फोट हुआ है। यहां एक ही दिन में 29 कैदियों के कोरोना संक्रमित पाए जाने का मामला सामने आया है। कैदियों की कोर्ट कस्टडी रोक दी गई है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में कुल 54 संक्रमित कैदी और 12 कर्मचारी उपचाराधीन हैं। सिविल अस्पताल में जगह नहीं होने के कारण कैदियों को समरस हॉस्टल में भेज दिया गया है। कैदियों के अदालती कार्यवाही के लिए बाहर जाने पर रोक लगा दी गयी है। साबरमती जेल में बाहर से आने वाले कैदियों को कोरोना परीक्षण के बाद ही प्रवेश दिया जाता है। इसी दौरान एक ही दिन में बाहर से आनेवाले 29 कैदी संक्रमित पाए गए हैं। साबरमती जेल में वरिष्ठ जेलर प्रजापति सहित कुल 12 कर्मचारी संक्रमित हुए हैं। जेल के कर्मचारियों का इलाज किया जा रहा है।

कोरोना संक्रमण ने सोमवार को अहमदाबाद शहर में सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 4 हजार 203 नए मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि 23 मरीजों की मौत हो चुकी है। 18 महीने की अवधि में कोरोना के कुल मामले अब एक लाख को पार कर गए हैं।

चुनाव जीतने जैसा जुनून कोरोना से जंग के लिए क्यों नहीं: सिब्बल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने मंगलवार को पूछा कि वह कोरोनो वायरस के खिलाफ युद्ध जीतने के लिए उतना ही जुनून क्यों नहीं दिखा रहे थे जितना चुनाव जीतने के लिए दिखाया गया था। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बीच कांग्रेस ने केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में चुनावी रैलियों को संबोधित करने के लिए पीएम मोदी से सवाल किया है। सिब्बल ने एक ट्वीट में कहा, मोदीजी, आप चुनाव जीतने के लिए अपनी सारी ताकत, मांसपेशियों की शक्ति, फेफड़े की शक्ति, संसाधनों का उपयोग करते हैं।

महाराष्ट्र: कल्याण जेल के 30 कैदी कोरोना वायरस से संक्रमित

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कल्याण शहर के आधारवाड़ी जेल के कम से कम 30 कैदियों को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ठाणे सिविल अस्पताल के अधिकारी ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि वर्तमान में, 1,800 से अधिक कैदी जेल में बंद हैं। उन्होंने बताया कि जेल के सभी कैदियों की हाल ही में जांच की गई थी और उनमें से 30 को संक्रमित पाया गया। उन्होंने बताया कि उन्हें सोमवार को ठाणे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कल्याण-डोंबिवली नगर निगम क्षेत्र में सोमवार को कोरोना वायरस के 1,551 नए मामले आए, जिससे क्षेत्र में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 1,07,584 हो गए।

वैक्सीन उत्पादन कंपनियों को आर्थिक मदद पर मल्लिकार्जुन खड़गे का प्रधानमंत्री को धन्यवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच वैक्सीन की कमी को देखते हुए केंद्र सरकार ने वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों को 4500 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। सरकार के इस कदम का वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्वागत किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद जताया है। उन्होंने कहा कि हर किसी को वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) और भारत बायोटेक को समर्थन की जरूरत थी, जिसे सरकार ने समझा। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, मैं आखिरकार सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) और भारत बायोटेक को 4500 करोड़ आवंटित किए जाने के सरकार के फैसले के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देता हूं। यह बहुत आवश्यक था कि इस कठिन घड़ी में वैक्सीन की उपलब्धता कम न हो। ऐसे में सरकार ने बेहतर कदम उठाया। कांग्रेस नेता ने यह भी

कहा कि सभी को टीका लगे इसके लिए आवश्यक है कि भारत के सात विश्वस्तरीय पीएसयू संस्थानों को भी वैक्सीन निर्माण के लिए निर्देशित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने सभी संसाधनों का उपयोग करेंगे तो कम से कम सयम में सभी भारतीयों का टीकाकरण किया जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच वैक्सीन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र ने सोमवार को वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) और भारत बायोटेक को समर्थन देने को लेकर सैद्धांतिक मंजूरी दी। इस संबंध में वित्त मंत्रालय ने सीरम इंस्टीट्यूट के लिए 3,000 करोड़ और भारत बायोटेक को 1,500 करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा भी की।

मंत्रालय की ओर से बताया गया है

कोविड संकटकाल का सामना सरकार और समाज के सहयोग से ही संभव: शिवराज

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोविड संकटकाल का सामना सरकार और समाज के परस्पर सहयोग से संभव है। मुख्यमंत्री चौहान ने अपने निवास से स्वयंसेवी संगठनों और वरिष्ठ चिकित्सकों से वर्चुअली संवाद करते हुए प्रदेश में स्वयंसेवी संगठनों द्वारा कोविड केयर सेंटर स्थापित करने के लिए की जा रही व्यवस्था तथा अन्य नवाचारों के लिए आभार माना। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अभिनव पहल से कोविड की विकट परिस्थितियों का सामना करने में मदद मिलेगी और समाज में सकारात्मकता के भाव का विस्तार होगा। इन्दौर में राधास्वामी सत्संग व्यास एवं अन्य सगठनों की पहल पर स्थापित किए जा रहे माँ आहिल्या बाई कोविड केयर सेंटर के संबंध में डॉ. एच.एस. पटेल और डॉ. निशांत खरे ने बताया कि कम समय में इस सेंटर को स्थापित करना सरकार और समाज की एकजुटता के परिणाम स्वरूप ही संभव हो पाया है।

कोरोना विस्फोट: रैली के बाद पॉजिटिव तेलंगाना के सीएम

60 और लोग जद में

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। इससे पहले वह 14 अप्रैल को एक रैली में भी शामिल हुए थे, जिसमें बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। नागार्जुन विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर आयोजित हुई रैली में सीएम शामिल हुए थे। इस रैली में शामिल 60 अन्य लोग भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इन संक्रमितों में केसीआर की तेलंगाना राष्ट्र समिति पार्टी के उम्मीदवार नोमुला भगत और उनका परिवार भी शामिल हैं। इसके अलावा कई अन्य सीनियर नेता भी कोरोना संक्रमित हुए हैं। 17 अप्रैल को नागार्जुन सीट पर वोटिंग हुई थी, जिसके लिए आयोजित रैली में 1 लाख लोगों का जुटान हुआ था। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को कोरोना के मामूली लक्षण महसूस हुए थे, जैसे बुखार और शरीर दर्द। इसके बाद उन्होंने आरटीपीसीआर टेस्ट कराया था और वह कोरोना संक्रमित निकले। डॉक्टरों ने के. चंद्रशेखर राव को होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी है। इसके अलावा उनके स्टाफ को टेस्ट कराने और क्वारेंटाइन में रहने की सलाह दी गई है। इस बीच सीएम के. चंद्रशेखर राव ने राज्य में 30 अप्रैल तक नाइट कर्फ्यू का ऐलान कर दिया है। पूरे सूबे में रात को 9 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लागू रहेगा। प्रदेश सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इस दौरान राज्य में सभी दफ्तर, फर्म, दुकानें, रेस्तरां और अन्य संस्थान बंद रहेंगे। ये सभी संस्थान रात को 8 बजे ही बंद होंगे। हालांकि अस्पताल, लैब समेत अन्य जरूरी सेवाओं का संचालन जारी रहेगा। प्रदेश सरकार की ओर से यह फैसला सोमवार को हाई कोर्ट की ओर से लगाई गई फटकार के बाद लिया गया है। हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा था कि आखिर सरकार कोरोना संक्रमण से निपटने को लेकर इतनी लापरवाह क्यो हैं। यही नहीं अदालत ने सरकार को नाइट कर्फ्यू या लॉकडाउन जैसे किसी फैसले के लिए 48 घंटे का वक्त दिया था। यही नहीं उच्च न्यायालय ने कहा था कि यदि प्रदेश सरकार की ओर से कोई फैसला नहीं लिया जाता है तो उसे आदेश जारी करना होगा।

केंद्रीय जितेन्द्र सिंह कोरोना संक्रमित हुए

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह कोविड-19 जांच में संक्रमित पाए गए है। सिंह ने मंगलवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने अपने सम्पर्क में आए लोगों को जांच कराने का सुझाव दिया है। सिंह ने ट्वीट किया, मैं आज जांच में लक्षणों के साथ कोरोना पोजिटिव पाया गया। अगर आप मेरे सम्पर्क में हाल में आए हैं तब जांच कराये और अपना ध्यान रखें। गौरतलब है कि सिंह के पास प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सहित कई मंत्रालयों का पदभार है। वे जम्मू कश्मीर के उधमपुर सीट से लोकसभा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कोरोना की बढ़ती रफ्तार पर सेना लगाएगी ब्रेक, राजनाथ सिंह ने आर्मी चीफ से की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना की बढ़ती रफ्तार के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे, रक्षा सचिव और डीआरडीओ प्रमुख से बात की है। राजनाथ सिंह ने सभी से कोविड-19 संकट के दौरान नागरिकों के लिए सुविधाएं उपलब्धर कराने को कहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आर्मी चीफ से कहा कि सेना के स्थाधनीय कमांडर मुख्यामंत्रियों से बात करें और हरसंभव मदद दें। रक्षा सचिव ने भी देशभर के कैंट बोर्ड अस्पनतालों में छावनी से इतर नागरिकों के लिए भी मेडिकल सुविधा देने का निर्देश दिया है। राजनाथ सिंह के आदेश पर

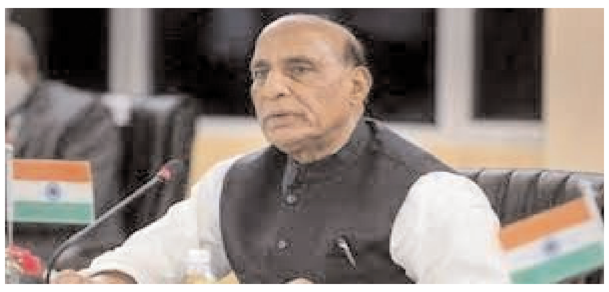

डीआरडीओ ने लखनऊ में 150 जंबो ऑक्सीजन सिलेंडर भेजे हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में कोरोना के हालात को देखते हुए डीआरडीओ की मदद से राजधानी के अस्पतालों को 150 जंबो ऑक्सीजन सिलेंडर भिजवाए हैं। डीआरडीओ की ओर से लखनऊ को 1000 ऑक्सीजन सिलेंडर दिए जाएंगे, जो कि अलग-अलग समय में राजधानी पहुंचेंगे। इसके अलावा लखनऊ में डीआरडीओ 750 बेड का एक अस्पताल भी बनाएगा, जिसे अगले कुछ दिनों में शुरू किया

तीर्थंकर महावीर और उनके द्वारा उपदेशित अहिंसा

–डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज', इन्दौर

तीर्थंकर महावीर का उदय ऐसे समय में हुआ, जहाँ मानव क्रूर हिंसा की क्रिया में लिप्त था। हिंसा का बोलबाला था। आज भी जहाँ यह स्थिति परिलक्षित हो रही है इसे पाटने के लिए उनका मार्ग ही श्रेयस्कर है। उनके जीवन से हम सब आज भी परिवर्तन ला सकते हैं।

चैत्र सुदी तेरस का दिन महान पवित्र दिन है जब चैबीसवें तीर्थंकर महावीर ने जन्म लिया जिससे अंधकार पर प्रकाश अनाचार पर सदाचार, अज्ञान पर ज्ञान की ज्योतिर्मय सर्वोदय तीर्थ की किरणें परिस्फुटित हुईं। अंतिम तीर्थंकर महावीर ने धर्ममय जीवनधारा को बहाया।

अब से 2620 वर्ष पूर्व पावन वसुंधरा विदेह देशस्थ कुंडलपुर में राजा सिद्धार्थ एवं माता त्रिशला देवी के यहाँ बालक वर्द्धमान ने जन्म लिया। जन्मते ही सारे विश्व में सुख शांति छा गयी, षट ऋतुएं एक साथ फलने फूलने लगीं। उन्हें पाकर माता त्रिशला, पिता सिद्धार्थ को अपार हर्ष हुआ, और संतप्त प्राणियों को जीने की राह मिली। जो पूर्व में देवताओं द्वारा पूजित था, वही महावीर के जीव ने कुछ कम बहत्तर वर्ष आयु लेकर पुष्पोत्तर नामक विमान से च्युत होकर आषाढ़ शुक्ला षष्ठी के दिन कुण्डलपुर के नृप सिद्धार्थ क्षत्रिय कुलनाथ में सौ देवियों से सेवमान प्रियकारिणी त्रिशला देवी के गर्भ में रहकर नौ मास, आठ दिन बाद चैत सुदी तेरस की रात में उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्म लिया।

जन्मते ही नरक के जीवों को एक क्षण के लिए सुख-शांति प्राप्त हुई। सोलह कलाओं की तरह महावीर वृद्धि को प्राप्त हुए इसलिए इनका नाम वर्धमान रखा। क्रूर हिंसा का ताण्डव देख उन्हें संसार की असारता का भान हुआ।

30 वर्ष की भरी जवानी में वे गृह बंधन से व्यामोह तोड़कर आत्म साधना के पथ पर चल तपश्चरण करने लगे। माँ ने बहुत रोका, शादी का प्रस्ताव रखा, पर वे मोह के बंधन में नहीं फँसे। माघ सुदी दसवीं के दिन ऋजुकूला सरिता तट के पर ज्ञातृ उद्यान में अशोकवृक्ष के नीचे ओम्‌ ओम्‌ कहते हुए पंचमुष्टि केश लोंच कर छह माह उपवास का नियम लेकर दिगम्बर अर्थात दिशा (आत्म लक्ष्य) ही जिनका अम्बर है ऐसे वीतराग मुद्राधारी हो गये।

बारह वर्ष तक घोर तप की साधना में, ध्यानाग्नि में कर्म जलाते हुए संलग्न रहे। श्री रवीन्द्रनाथ टैगोर ने उनकी तपस्या के बारे में लिखा है कि भगवान्‌ महावीर भवों का नाश करने लगे, उनकी आत्मा को कोई नहीं डिगा सका। वे भानु की तरह अग्रसर होते गये। द्वादश वर्ष, पाँच माह, पन्द्रह दिन छद्मस्थ अवस्था में रहकर घोर तपश्चरण के द्वारा उन्होंने रत्नत्रय से शुद्ध ऋजु कूला सरिता तटवर्ती शिलापट्ट पर छह उपवास के साथ आतापन योग करते हुए अपराह्न काल में चार घातिया- ज्ञानावरण, दर्शनावरण, मोहनीय, अन्तराय; कर्मों को नष्ट कर केवलज्ञान प्राप्त किया।

42 वर्ष की अवस्था में केवलज्ञान की इस उपलब्धि से सही रूप में वे उपदेश देने की दक्षता प्राप्ति कर चुके थे। अब उनकी देवोपनीत उपदेश सभा लगती जिसे समवशरण कहा जाता है। जिसमें उपदेश सुनने का सभी जीवों को समान अवसर प्राप्त होता है और महावीर की वाणी सभी जीवों को अपनी अपनी भाषा में सुनाई देती है।

महावीर के संदेश-सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, सर्वोदय अनेकांत, स्याद्वाद मानव जीवन के उत्थान के लिए कल्याणकारी सिद्ध हुए। जो आज के जीवन में भी अनुकरणीय हैं। भगवान्‌ महावीर का सर्वप्रथम संदेश था-अहिंसा। प्रत्येक प्राणी जीना चाहता है अतः किसी को मन, वचन के भावों द्वारा दुःख पहुँचाना हिंसा है। इनका न होना अहिंसा है। अहिंसा सर्वधर्मों की जननी है। पर हम आज भगवान्‌ महावीर, राम, हनुमान के संदेशों को भूल गये। भगवान महावीर ने जुआ खेलना, मांस खाना, मदिरा पान करना, वेश्या गमन, चोरी, परस्त्री रमण; इन सात व्यसनों से विलग रहने को कहा और हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील, परिग्रह से को छोड़ने का विशेष उपदेश दिया। इनमें हिंसा प्रायः सभी पापों की जननी कही जाती है।

रागादि भावों की जहाँ उत्पत्ति है वहाँ हिंसा है, और रागादि भावों का मन, वचन, काय से न होना ही अहिंसा है।

अहिंसा सर्व धर्मों का सार है। ह्यह्यअहिंसा परमोधर्मःह्लह्ल अहिंसा ही परम धर्म है। इसे स्वच्छ जीवन का दर्पण भी कहते हैं। इसका जीवन में पालन-धारण करने से करुणा की अविरल धारा बहने लगती है। सत्त्वेषु मैत्री की भावना उमड़ती है। अहिंसा माता के सामान है और करुणा दावाग्नि को शांति करने के लिए मेघों की वर्षा के समान है। पीड़ित मन के दुःख मिटाने के लिए परम औषधि है। यह कथन योग शास्त्र का है।

अहिंसा के बल पर विदेशियों से गांधी जी ने देश को आजादी दिलायी। पर लोग उनके विचारों को भूल गये और अहिंसा को भी भूल गये।

इस आर्य संस्कृति का संबंध शाकाहार से जुड़ा है। महात्मा मनु ने मनुस्मृति में कहा है- जिसका मैं मांस भक्षण करता हूँ, वह मुझे जन्मांतर तक खायेगा। प्राणियों का वध करने से स्वर्ग नहीं, वह आपत्ति का, नरक का द्वार है, जहाँ घोर दुःख उठाने पड़ते हैं। अतः अहिंसा का पालन आवश्यक है।

जगत के शत्रु-मित्र और सभी जीवों के प्रति समभाव रखना, जीवनभर प्राणियों के प्रति विराधना न करना ही अहिंसा व्रत है। गांधी जी ने अहिंसा के ऊपर अत्यधिक जोर देकर कहा कि धर्म हिंसा से रहित ही है। प्रत्येक प्राणियों पर दया, करुणा भाव हो तभी अहिंसा होगी। उनकी हिंसा शस्त्र रहित थी। सभी प्राणियों पर समभाव रखें; यही अहिंसा है। जब तुम्हें कोई दुःख प्रिय नहीं है तो फिर किसी को दुःख क्यों देते हो? को धम्मो? धर्म क्या है? जीव दया। जीव दया का नाम ही अहिंसा धर्म है।

अहिंसा सर्वोदय तीर्थ के समान है। अहिंसा ही आत्मा की परमोत्कृष्ट अभिव्यक्ति है। जिस आत्मा में अहिंसा का निवास है वही सर्वोत्कृष्ट पद को पा लेता है।

किसी के मन को दुख पहुंचाना भी हिंसा कही गई है। हमारे वर्ताव से किसी के मन को थोड़ा भी कष्ट पहुंचता है तो वह हिंसा है।

इसी अहिंसा का व्रत लेकर महात्मा गांधी ने मानव मानव में समता का पाठ पढ़ाया। किसी के प्रति राग, द्वेष उत्पन्न न होना ही अहिंसा है। चराचर जितने भी विश्व में जीव हैं उनके प्रति करुणा भाव रखना एवं मन, वचन, काय से न सताना, दुःख न देना ही अहिंसा है। सभी प्राणियों पर समभाव रखना अहिंसा है।

अहिंसा धर्म की शरण ही देश, समाज, राष्ट्र का उत्थान करने में समर्थ है। अहिंसा की ज्योति सदा जलती है वह कभी क्षीण नहीं होती है। यह ज्योति समस्त लोक के कण-कण में व्याप्त है। अज्ञान अन्धकार का नाश इसी ज्योति के द्वारा सम्भव है। अहिंसा की ज्योति अमिट और सुख शान्ति की अभिव्यक्ति वाली है।

जिस आत्मा में अहिंसा का सम्पूर्ण आलोक आलोकित होता रहता है उस आत्मा में ह्यह्यअहिंसा भूतानां विदिते जगति ब्रह्म परमम्ह्ल का स्वरूप प्रतिबिम्बित होता रहता है। यदि आज की लड़खड़ाती हिंसामयी दुनिया में यह अहिंसा-दीपक आलोकित हो जाये तो सारे जगत में सुख शान्ति का साम्राज्य अनायास हो जाये। आज सम्पूर्ण विश्व चतुर्कषायों-क्रोध, मान, माया, लोभ एवं हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील, परिग्रह; इन पाँच पापों के काली घटाओं से घिरा है एवं एटम बम, परमाणु आदि विनाशकारी भयंकर विस्फोटक अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण एवं विनाश की लीला में लगा हुआ है। सुख-शान्ति के अमोघ अस्त्र अहिंसा धर्म को भूलता जा रहा है। अहिंसा की वृत्ति से मानव कल्याण होता है, जीवन में सुधार होता है। अहिंसा में कायरता नहीं। वह वीर पुरुषों का बाना है। ह्यह्यवीर भोग्या वसुन्धराह्लह्ल; यह सूक्ति है। वीर पुरुष ही अहिंसा के बल पर समाज व राष्ट्र को समृद्धशाली व सुखी बना सकता है। अहिंसक वीर पुरुष होता है। वह निर्भयी, निरभिमानी प्राणी मात्र का हित चिंतक होता है। उस की उपादेयता समस्त विश्व में ग्राह्य होती है। वह कोटि-कोटि जनता का शुभ चिन्तक होता है। अहिंसक पुरुष विश्वशान्ति का इच्छुक होता है।

आज विश्व में युद्ध के बादल छाये हुए हैं। मानव-मानव में ईर्ष्या, द्वेष, दंभ, क्रोध की ज्वालायें प्रज्वलित रूप से विस्फोटक बन रही है। जर, जोरु, जमीन की लड़ाई विश्व में व्याप्त है। हजारों व्यक्तियों का नरसंहार हो रहा है। अरबों रुपयों, डालरों का नुकसान हो रहा है। मानवता त्राहि-त्राहि मचा रही है। एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र का हनन करने में लगे हैं। एक देश-दूसरे देश को फलता-फूलता देखना नहीं चाहते हैं। अधिकतर देश आतंकवाद के साये में हैं। मानवीय वृत्तियां खोटी-कुत्सित होती जा रही हैं। आज विश्व में सुख शांति की छाया लेशमात्र नहीं दिख रही है।

भगवान्‌ महावीर ने ज्ञान के द्वारा समस्त विश्व के लिये सुख-शांति की ज्योति जलाई व मानव को उत्तम राह मिली।

अहिंसा द्वारा प्राणी मात्र को सहिष्णुता, दया, करुणा का पाठ सीखने को मिलता है। भगवान्‌ महावीर ने अहिंसा पर जोर दिया और कहा कि किसी भी जीव की हत्या न करना, किसी को पीड़ा न पहुँचाना, किसी को दास न बनाना, किसी को यातना न पहुँचाना, किसी का शोषण न करना। राग-द्वेष रूपी शत्रु तो लड़ाई कराते हैं, जीव को जन्म जन्मान्तरों तक भटकाते हैं। जैन दर्शन में अहिंसा और स्याद्वाद को प्राण कहा गया है।

हिंसा चार प्रकार की कही गई है- संकल्पी, आरम्भी, उद्यमी, विरोधी। इसमें से गृहस्थ संकल्पी हिंसा का त्याग करके आरम्भी, उद्योगी हिंसा का त्याग नहीं करता; पर व्यापार आदि में व्यर्थ हिंसा से सदा बचता रहता है। हिंसा पाप का ही कारण है जो सदा संसार में ही भटकाता रहता है। व्यापार, में आरम्भ से ही हिंसा होती है जो परिग्रह का कारण है, पर सीमित रूप से नियम मयार्दा करके करने से दोषों से बचा जा सकता है।

रागद्वेष के वशीभूत होकर किसी को नहीं मारना, कष्ट नहीं पहुंचाना; यही जैनागम में अहिंसा कहा है और कष्ट देना हिंसा कहा है-

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने भारत से आनेवाले यात्रियों पर लगाया प्रतिबंध

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने भारत से आनेवाले यात्रियों पर दो हफ्तों के लिए रोक लगा दी है। यह कदम कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने के कारण उठाया गया है। पाकिस्तान के नेशनल कमांड और ऑपरेशन सेंटर ने दो हफ्तों के प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह बैठक अध्यक्ष असद उमर की अध्यक्षता में की गई जो विकास और योजना मंत्री भी हैं। स्टेटमेंट में कहा गया है कि भारत को सी श्रेणी के देशों में रखा गया है। भारत से हवाई और सड़क के रास्ते आनेवाले यात्रियों पर रोक लगा दी गयी है। इसके अलावा सी श्रेणी में दक्षिण अफ्रीका, बोट्सवाना, घना, कीनिया, कोमरोस, मोजिम्बिक, जाम्बिया, तंजानिया आदि देश शामिल हैं। इसके साथ-साथ जिन देशों को ए श्रेणी में रखा गया है इसमें भूटान, चीन, फिजी, जापान, ऑस्ट्रेलिया आदि देश शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इन दो श्रेणियों के अलावा बाकी के देश बी श्रेणी में आते हैं जिन्हें पाकिस्तान में प्रवेश करने के 72 घंटे पहले अपना पीसीआर टेस्ट करवाना अनिवार्य है।

अमेरिका ने अपने यात्रियों को भारत की यात्रा न करने की सलाह दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने के कारण अमेरिका के सेंटर फॉर डिसीस कंट्रोल ने अपने देश के नागरिकों को भारत की यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। सीडीसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए पूर्ण रूप से वैक्सिनेटेड लोगों को भी कोरोना का खतरा है, इसके कारण जब आप भारत की यात्रा करना चाहें तो यात्रा से पहले खुद को पूर्ण रूप से वैक्सीनेट करें, मास्क पहनकर रखें, सामाजिक दूरी का पालन करें और बार-बार हाथ धोने के साथ भीड़ वाले इलाकों में जाने से बचें। देश के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैंकॉक ने कहा है कि यूके ने पहले ही भारत को लाल सूची में डाल दिया है। भारत में नए वेरिएंट के 103 मामले सामने आने के बाद ऐसा किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत में कोरोना बहुत ही तेजी से फैल रहा है और लगातार हालात खराब हो रहे हैं। पिछले तीन दिनों में कोरोना संक्रमण के 2 लाख से अधिक मामले दर्ज हुए हैं जबकि दैनिक आधार पर रोज 1600 से अधिक लोगों की कोरोना के कारण मौत हो गई है।

कोरोना: ब्रिटेन ने भारतीयों को रेड लिस्ट में डाला, प्रवेश पर प्रतिबंध

लंदन, एजेंसी। भारत में बेतहाशा कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद ब्रिटेन ने भारत को रेड लिस्ट में डालते हुए भारतीयों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। अगले आदेश तक ये रोक जारी रहेगी। हालांकि भारत से उन लोगों को प्रवेश पर रोक नहीं है, जिनके पास यूके या फिर आयरिश नागरिकता है। ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन ने सोमवार को ही भारत के अपने प्रस्तावित दौरे को रद्द किया था। इसके बाद अब सरकार ने भारत को लेकर यह बड़ा फैसला लिया है। भारत से पहले ब्रिटेन की ओर से पाकिस्तान समेत कई अन्य देशों को रेड लिस्ट में डाला गया है, जहां कोरोना के केसों में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने कहा कि भारत को रेड लिस्ट में डाला जा रहा है। इसके तहत भारतीयों की ब्रिटेन में एंट्री पर रोक होगी। हालांकि यूके और आयरिश नागरिकता वाले लोगों की एंट्री पर रोक नहीं होगी। लेकिन ऐसे लोगों को सरकार की ओर से तय किए गए क्वारेंटाइन होटलों में 10 दिनों तक रहना होगा। आइसोलेशन की इस अवधि को पूरा करने के बाद ही ये लोग अपने घरों की ओर जा सकेंगे।

अभी तक किसी भी खिलाड़ी ने ओलंपिक पूर्व टीकाकरण का आग्रह नहीं किया : आयोजक

तोक्यो, एजेंसी। तोक्यो 2020 आयोजन समिति ने मंगलवार को कहा कि उन्हें अभी तक किसी भी खिलाड़ी से ओलंपिक खेलों से पहले उनका टीकाकरण करने का अनुरोध नहीं मिला है। जापान में टीकाकरण की गति बेहद धीमी है और अभी तक एक प्रतिशत से भी कम लोगों पर टीका लगाया गया है। इससे ओलंपिक खेलों को लेकर चिंता जतायी जा रही है जो लगभग तीन महीने बाद शुरू होने हैं। तोक्यो 2020 की एथलीट समिति के अध्यक्ष नाओको तकाहाशी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि खिलाड़ियों ने कोविड–19 टीकाकरण के बारे में सवाल किये लेकिन उन्होंने यह नहीं पूछा कि खिलाड़ियों का टीकाकरण होगा या नहीं। टीकाकरण से जुड़े मंत्री तारो कोनो ने पिछले सप्ताह कहा था कि यदि ओलंपिक खेलों का आयोजन होता है तो स्टेडियम खाली रह सकते हैं क्योंकि टीकाकरण की दर काफी कम है।

अफगानिस्तान में तालिबानी जेल से 28 लोगों को मुक्त कराया गया

काबुल, एजेंसी। अफगान सेना की ओर से हेलमंद प्रांत में एक विशेष अभियान शुरू करने के बाद छह सशस्त्र आतंकवादी मारे गए और 28 लोगों को तालिबान के डिटेंशन सेंटर से मुक्त करा लिया गया। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, अफगान नेशनल आर्मी के कमांडो ने हेलमंड के मुसा कला जिले के आसपास के इलाकों में छापेमारी शुरू की। वहीं सुरक्षाबल जब आतंकवादियों के ठिकाने पर पहुंचे तो उन्होने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद हुई मुठभेड़ में छह सशस्त्र आतंकवादी मारे गए। बयान के अनुसार, तालिबान के कब्जे से मुक्त कराए गए लोगों को आर्मी के कैंप में ले जाया गया, जहां उनका मेडिकल चेकअप किया गया।

14 हेफाजत नेताओं ने बांग्लादेश के गृह मंत्री से मुलाकात की

ढाका, एजेंसी। हेफाजत-ए-इस्लामी आतंकवादी संगठन के चौदह शीर्ष नेताओं ने बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमान खान और खुफिया एजेंसियों के सदस्यों से देश में व्यापक हिंसा के बाद समझौता खोजने के प्रयास में मुलाकात की है।

बैठक सोमवार रात को करीब 10 बजे कैपिटल सिटी में खान के निवास पर हुई।

14 हेफजात नेताओं में महासचिव नुरुल इस्लाम, नायब-ए-अमीर महफूजुल हक, खिलाफ आंदोलन प्रमुख अताउल्लाह हाफिजजी और उनके भतीजे मौलाना हबीबुल्लाह जियाजी शामिल थे।

नाम न छापने की मांग करते हुए, उग्रवादी नेताओं में से एक ने मांग की है कि, और अधिक नेताओं या मिलीटेंट सदस्यों को गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए।

जानकारी दिए बिना, नुरुल इस्लाम ने कहाः चचाएं हुई हैं, लेकिन कहने के लिए अभी कुछ नहीं है। शीर्ष हेफाजत नेता अब तक शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार का उग्रवाद के खिलाफ सख्त रवैये के कारण समझौता करने में विफल रहे हैं। हक और उनके हेफजात सहयोगियों ने 26-27 मार्च को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बांग्लादेश यात्रा के खिलाफ कई विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया था। जिससे कई जगह हिंसा हुई और कई लोग घायल भी हुए।

रूसी सेना का सीरिया में 200 आतंकियों को मार गिराने का दावा

मास्को, एजेंसी। रूस ने अपने बमवर्षक युद्धक विमान से किये गए हवाई हमले में सीरिया के 200 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। रूसी सेना के अनुसार पलमायरा के उत्तर-पूर्व में एक हवाई हमले के दौरान सीरिया में 200 आतंकवादियों को मार गिराया है। ये आतंकवादी अगले माह होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले आतंकी हमले की योजना बना रहे थे। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार रूसी एयर स्पेस फोर्स ने कहा कि यह हवाई हमला सूत्रों से मिली जानकारी और कई स्तरों पर उसकी पुष्टि होने के बाद किया गया। उनके अनुसार आतंकियों के दो ठिकानों को खत्म किया गया जिसमें 200 आतंकी 24 बड़ी ट्रकों के साथ बड़ी संख्या में कैलिबर मशीन गन और 500

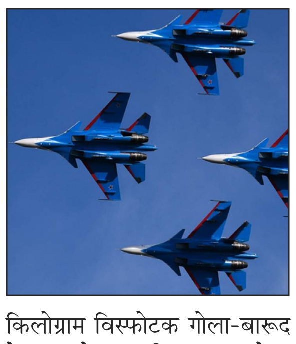

किलोग्राम विस्फोटक गोला-बारूद के साथ थे। हालांकि मंत्रालय में न तो किसी समूह का नाम बताया गया है और न किसी तारीख का जिक्र है। रूसी सेना के प्रवक्ता के अनुसार सीरिया में आतंकी समूहों का यह ठिकाना छद्म आवरण वाला था, जहां विस्फोटक बम आदि का निर्माण होता था। इस समूह की योजना अगले माह होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के साथ सरकारी एजेंसियों पर आतंकी हमले की थी। सीरिया में 26 मई को राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होने वाले हैं। सीरिया में 2011 से अबतक 388,000 लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि बसर असद इस लड़ाई में मैदान मार लेंगे। रूस के अनुसार असद के पूरे कार्यकाल में सिर्फ युद्ध जारी है जिसमें मास्को 2015 से उनकी शासन चलाने में सहायता कर रहा है। हालांकि रूस के अधिकार समूहों ने मास्को की सीरिया में भूमिका और सैन्य गतिविधियों की आलोचना की है। सोमवार को रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि आतंकी कई कैंपों में प्रशिक्षण ले चुके थे जो अल-तनफ वाले प्रभाव क्षेत्र में है, जो अमेरिकी सेना द्वारा चलाया जाता है।

कोविड-19: अमेरिका ने कच्चे माल से निर्यात प्रतिबंध हटाने के अनुरोध पर टिप्पणी से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने कोविड-19 टीकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए कच्चे माल से निर्यात प्रतिबंध हटाने के सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के अनुरोध संबंधी सवाल का जवाब देने से सोमवार को इनकार कर दिया।

व्हाइट हाउस में सुबह कोविड-19 संबंधी जानकारी दिए जाने के दौरान और बाद में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी के दैनिक संवाददाता सम्मेलन के दौरान सोमवार को इस संबंध में दो बार सवाल किया गया।

एक पत्रकार ने सुबह आयोजित संवाददाता सम्मेलन में व्हाइट हाउस कोविड-19 रिस्पॉन्स टीम से सवाल किया, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कह रहा है कि उसे कोविड-19 टीके बनाने के लिए जिस कच्चे माल की आवश्यकता है, बाइडन प्रशासन उनका निर्यात बाधित कर रहा है और सीरम इंस्टीट्यूट ने (अमेरिका के) राष्ट्रपति (जो) बाइडन से यह प्रतिबंध हटाने का अनुरोध किया है। तो, मेरा सवाल यह है कि भारत किस कच्चे माल की बात कर रहा है और क्या सीरम की चिंताओं को दूर करने के लिए आपके पास कोई योजना है?

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एवं इन्फेक्शियस डिसीजेस के निदेशक डॉ एंथनी फाउची और व्हाइट हाउस कोविड-19 रिस्पॉन्स टीम में वरिष्ठ सलाहकिार डॉ. एंडी

स्लाविट ने कहा कि उनके पास इसका कोई जवाब नहीं है।

फाउची ने कहा, मुझे नहीं पता। मुझे माफ कीजिए। हम आपसे इस पर बाद में जरूर बात करेंगे, लेकिन मेरे पास अभी आपको बताने के लिए कुछ नहीं है।

स्लाविट ने कहा, हम आपसे इस पर बात करेंगे। यह बताना काफी है कि हम वैश्विक महामारी के वैश्विक खतरे को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। हम कोवैक्स को आर्थिक मदद देने में अग्रणी रहे हैं, हमने टीकों के कई द्विपक्षीय हस्तांतरण किए हैं और हम इन सभी जटिल मामलों को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। हम इस बारे में आपसे बाद में बात करेंगे।

दैनिक संवाददाता सम्मेलन में भी यही सवाल किया गया। एक संवाददाता ने साकी से सवाल किया, भारत टीके बनाने के लिए आवश्यक कच्चे माल की भारी कमी से जूझ रहा है और वहां के अधिकारी अमेरिका से उस कच्चे माल के निर्यात से प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहे हैं। भारत में मेरे सहयोगियों ने आज बताया कि बाइडन प्रशासन ने हाल में भारत को बताया है कि उसके अनुरोध पर विचार किया जा रहा है और उस पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी। क्या आप इस संबंध में कोई जानकारी दे सकती हैं?

इसके जवाब में साकी ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई के हालिया भाषण का जिक्र किया।

साकी ने कहा, हम विकसित एवं विकासशील देशों के बीच टीकों की पहुंच को लेकर जो असमानताएं देख रहे हैं, वे पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। असाधारण समय में असाधारण नेतृत्व, संवाद और कलात्मकता की आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा, हम कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में डब्ल्यूटीओ सदस्यों के साथ निश्चित ही काम कर रहे हैं। भले ही कोवैक्स के लिए चार अरब डॉलर की प्रतिबद्धता की बात हो या जरूरतमंद देशों की सहायता करने की बात हो, हम कई मामलों पर काम कर रहे हैं। साकी ने कहा, हमारा ध्यान महामारी को नियंत्रित करने के सबसे प्रभावी कदमों को पहचानने पर है। हमारे पास अगले कदम या समय सीमा के बारे में बताने के लिए कुछ नहीं है, लेकिन हम विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने कोविड-19 मामलों में वृद्धि के बीच भारत से यात्रा पर दो हफ्ते के लिए रोक लगायी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने कोविड-19 मामलों में रिकॉर्ड वृद्धि के चलते भारत से यात्रियों के आने पर दो सप्ताह के लिए रोक लगाने का सोमवार को फैसला किया। भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार को अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत में कोविड-19 मामलों की कुल संख्या 1.50 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है और महज 15 दिनों में 25 लाख नये मामले सामने आये हैं। वहीं, उपचाराधीन मामलों की संख्या 19 लाख से अधिक हो गई है।

सुबह अद्यतन किए गए आंकड़े के अनुसार देश में एक दिन में कोविड-19 के 2,73,810 नये मामले सामने आने से संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,50,61,919 हो गई है। एक दिन में रिकॉर्ड 1,619 और मरीजों की मौत हो जाने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,78,769 हो गई। पाकिस्तान के नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर (एनसीओसी) के प्रमुख असद उमर की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक में भारत से यात्रा पर दो सप्ताह की रोक लगाने का फैसला किया गया।इस संबंध में

एक बयान में कहा गया, ह्यह्यएनसीओसी ने भारत को दो सप्ताह के लिए श्रेणी सी देशों की सूची में रखने का फैसला किया।

हवाई और जमीनी मार्ग से भारत से आने वाले यात्रियों पर रोक रहेगी। पहले से ही श्रेणी सी में सूचीबद्ध अन्य देशों में दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना, घाना, केन्या, कोमोरोस, मोजाम्बिक, जाम्बिया, तंजानिया, रवांडा, ब्राजील, पेरू, कोलंबिया, चिली, एस्वातीनी, जिम्बाब्वे, लेसेथो, मलावी, सेशेल्स, सोमालिया, सूरीनाम, उरुग्वे और वेनेजुएला शामिल हैं। पिछले सप्ताह करीब 815 सिख तीर्थयात्री बैसाखी त्योहार के अवसर पर भारत से लाहौर पहुंचे थे। उन्हें 10 दिनों के लिए रहने की अनुमति है। इससे पहले एनसीओसी की बैठक को कोरोना वायरस के नये भारतीय प्रकार के बारे में जानकारी दी गई जिसके परिणामस्वरूप भारत में संक्रमण के मामलों में वृद्धि हुई है।

बयान में कहा गया है कि एनसीओसी ने साथ ही श्रेणी ह्यसीह्ल की 21 अप्रैल को समीक्षा करने की घोषणा की जिसके तहत इसमें किसी नए देश को जोड़ा जाएगा या इससे हटाया जाएगा। पहले से ही 20 देश श्रेणी ए में हैं जहां से आने वाले यात्रियों को पाकिस्तान में प्रवेश से पहले कोविड-19 जांच की आवश्यकता नहीं है। इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, भूटान, चीन, फिजी, जापान, कजाकिस्तान, लाओस, मंगोलिया, मॉरिटानिया, मोरक्को, म्यांमा, नेपाल, न्यूजीलैंड, सऊदी अरब, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा वियतनाम शामिल हैं। वहीं, जो देश श्रेणी ए या सी में नहीं हैं, उन्हें श्रेणी बी में रखा गया है। इन देशों से आने वाले यात्रियों को पाकिस्तान के लिए यात्रा शुरू करने से पहले कोविड-19 जांच कराना जरूरी है जो 72 घंटे से अधिक पहले नहीं होनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

हॉकी खेल समीक्षक बीएल जोशी का कोरोना में निधन

सीहोर, एजेंसी। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में आज हाकी के खेल समीक्षक बी.एल.जोशी का आज निधन हो गया। जिले के हाकी खेल समीक्षक जोशी एक सप्ताह पूर्व कोरोना पॉजिटिव हो गए थे और उपचार के लिए यहाँ जिला चिकित्सालय के कोविड सेंटर में भर्ती थे। लेकिन दिनों दिन उनकी हालत बिगड़ती गई और आज उनका निधन हो गया। जल संसाधन विभाग में कार्यपालन यंत्री रहे जोशी लंबे समय से खेल पत्रकारिता से जुड़े थे। वह हॉकी खेल के समीक्षक होने के साथ-साथ प्रदेश के समाचार पत्रों के लिए रिपोर्टिंग करते थे।

यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नील वैगनर ने कोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक ली

तौरंगा, एजेंसी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नील वैगनर ने मंगलवार को कोविड -19 वैक्सीन की पहली खुराक मिली। वैगनर ने मंगलवार को तौरंगा अस्पताल में फिजर/बायोटेक वैक्सीन की अपनी पहली खुराक प्राप्त की। यह वर्तमान में एकमात्र कोविड-19 वैक्सीन है जिसे न्यूजीलैंड में उपयोग के लिए मेडसेफ द्वारा अनुमोदन दिया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के आधिकारिक हैंडल से ट्वीट किया गया, आज तौरंगा में नील वैगनर ने कोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक ली। वह मई में इंग्लैंड रवाना होने से पहले दो वैक्सीन खुराक पाने वाले हमारे अंतिम खिलाड़ी हैं।" इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले 20 खिलाड़ियों के दल के पंद्रह सदस्यों को टीका लगाया गया है, जबकि चार खिलाड़ी - केन विलियमसन, ट्रेंट बोल्ट, काइल जैमीसन और मिशेल सेंटनर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए भारत में हैं, इसलिए वे अभी तक टीका नहीं लगवा पाए हैं। वैक्सीन की अपनी पहली खुराक प्राप्त करने के बाद वैगनर ने कहा, "यह जानना आवश्यक है कि अगर मुझे कोविड मिलता है, तो मेरे शरीर को पता होगा कि इससे कैसे लड़ना है। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड के क्रिकेट खिलाड़ी, एथलीटों के उस छोटे समूह में से हैं, जिन्हें सरकार के राष्ट्रीय महत्व के कारणों के माध्यम से प्रारंभिक टीका उपलब्ध कराने के लिए अनुमोदित किया गया है।

ग्लोबल स्पोर्ट्स ब्रांड पूमा ने वॉशिंगटन सुंदर और देवदत्त पडिकल के साथ किया करार

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल स्पोर्ट्स ब्रांड पूमा ने वॉशिंगटन सुंदर और देवदत्त पडिकल के साथ करार किया है। इस करार के साथ ही पडिकल और सुंदर भारतीय कप्तान विराट कोहली, विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल, महिला राष्ट्रीय क्रिकेटर सुषमा वर्मा और युवराज सिंह जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट के भविष्य वॉशिंगटन और देवदत्त ने प्रमुख क्रिकेट टूनार्मेंटों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलिया में सुंदर के हरफनमौला प्रदर्शन ने भारतीय क्रिकेट टीम को ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीतने में मदद की। वहीं, पिछले साल अपने पदार्पण आईपीएल सीजन में आरसीबी के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले देवदत्त 'सीजन की खोज' के रूप में उभरे। अभिषेक गांगुली, प्रबंध निदेशक (पूमा इंडिया और दक्षिण पूर्व एशिया) ने कहा,हम भारत में नए जमाने के क्रिकेट प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वॉशिंगटन और देवदत्त ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से एक अलग मुकाम हासिल किया है। हम भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर करने के लिए युवा एथलीटों के साथ, जमीनी स्तर पर भी भागीदारी जारी रखेंगे।" करार पर सुंदर ने कहा, "पूमा जैसे एक ब्रांड के साथ जुड़ने पर बहुत अच्छा लगता है। पूमा के साथ दुनिया के कुछ महानतम एथलीट हैं। कप्तान विराट कोहली और केएल राहुल को करीब से देखने से मुझे ब्रांड की गहरी जानकारी मिली है। मैं भारत मे पूमा के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

मोईन अली शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी का आनंद ले रहे हैं : सैम करन

मुंबई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के हरफनमौला खिलाड़ी सैम करन ने साथी खिलाड़ी मोईन अली की तारीफ करते हुए कहा कि वह वास्तव में शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी का आनंद ले रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 में सोमवार को खेले गए मुकाबले में सीएसके ने 188 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए राजस्थान रॉयल्स को 45 रनों से शिकस्त दी। सीएसके के लिए मोईन अली ने 3 और रवींद्र जडेजा ने 2 विकेट लिए। इसके अलावा मोईन ने 26 रन भी बनाये थे। इस जीत के साथ ही सीएसके की टीम ने अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

दिल्ली ने मुंबई को छह विकेट से दी शिकस्त

चेन्नई,एजेंसी। लेग स्पिनर अमित मिश्रा (24 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी, ओपनर शिखर धवन की 45 रन की उपयोगी पारी और ललित यादव की नाबाद 22 रन की महत्वपूर्ण पारी से दिल्ली कैपिटल्स ने गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को आईपीएल के मुकाबले में मंगलवार को छह विकेट से हराकर चार मैचों में अपनी तीसरी जीत हासिल की ।

दिल्ली ने मुंबई को 20 ओवर में नौ विकेट पर 137 रन के मामूली स्कोर पर रोकने के बाद 191 ओवर में चार विकेट पर 138 रन बनाकर जीत अपने नाम की।

दिल्ली के लिए ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ ने 29 गेंदों में चार चौकों के सहारे 33 रन , शिखर ने 42 गेंदों पर महत्वपूर्ण 45 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया। शिखर का विकेट 100 के स्कोर और कप्तान ऋषभ पंत का विकेट 115 के स्कोर पर गिरा। लेकिन इसके बाद ललित यादव ने 25 गेंदों में एक चौके की मदद से नाबाद 22 और शिमरॉन हेत्माएर ने नौ गेंदों पर दो चौकों के सहारे 14 रन बनाये।

हेत्माएर ने कीरोन पोलार्ड के आखिरी ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाया जबकि अगली गेंद पर नोबॉल पड़ते ही दिल्ली को जीत मिल गयी । दिल्ली को चेन्नई में 2010 के बाद से पहली जीत मिली। दिल्ली अब अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है जबकि मुंबई चार मैचों में दूसरी हार के बाद अब चौथे स्थान पर आ गयी है।

मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मुंबई ने क्विंटन डी कॉक के रूप में अपना पहला विकेट तीसरे ओवर में मार्कस स्टॉयनिस की गेंद पर गंवाया। डी कॉक एक ही रन बना सके और विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों लपके गए। कप्तान रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव ने दूसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। आवेश खान ने सूर्यकुमार को पंत के हाथों कैच कराया। सूर्य ने 15 गेंदों पर 24 रन में चार चौके लगाए।

पारी के नौवें ओवर में मिश्रा ने अपना कमाल दिखाया और तीन गेंदों में रोहित और हार्दिक पांड्या को पवेलियन भेजकर दिल्ली का पलड़ा भारी कर दिया। रोहित ने 30 गेंदों पर 44 रन में तीन चौके और तीन छक्के लगाए जबकि हार्दिक पांड्या का खाता नहीं खुला। ललित यादव की गेंद पर क्रुणाल पांड्या बोल्ड हो गए। क्रुणाल एक रन ही बना सके। मिश्रा ने कीरोन पोलार्ड (2) को पगबाधा कर मुंबई का स्कोर छह विकेट पर 84 रन कर दिया।

ईशान किशन और जयंत यादव ने सातवें विकेट के लिए 39 रन जोड़े और मुंबई को कुछ हद तक संभाला। मिश्रा ने किशन को बोल्ड कर यह साझेदारी तोड़ी। किशन ने 28 गेंदों पर 26 रन में एक चौका और एक छक्का लगाया। तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा ने जयंत को 19 वें ओवर की पांचवीं गेंद पर खुद ही लपक लिया। जयंत ने 22 गेंदों पात्र 23 रन में एक चौका लगाया। राहुल चाहर छह गेंदों में छह रन बनाकर आखिरी ओवर में आवेश खान की गेंद पर पंत के हाथों लपके गए। जसप्रीत बुमराह तीन और ट्रेंट बोल्ट एक रन बनाकर नाबाद रहे।

दिल्ली की तरफ से मिश्रा के चार विकेटों के अलावा आवेश खान ने 15 रन पर दो विकेट निकाले जबकि स्टॉयनिस, रबादा और ललित ने एक -एक विकेट लिया। अमित मिश्रा को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला

जीत की तलाश में एक दूसरे का सामना करेंगे हैदराबाद और पंजाब

चेन्नई,एजेंसी। बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण अपने पहले तीनों मैच गंवाने वाली सनराइजर्स हैदराबाद और किसी एक विभाग की नाकामी से अपेक्षित शुरूआत नहीं कर पाने वाली पंजाब किंग्स की टीम बुधवार को जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आमने सामने होंगी तो उनकी निगाह केवल जीत पर टिकी रहेगी। डेविड वार्नर की अगुवाई वाले सनराइजर्स की शुरूआत इस सत्र में निराशाजनक रही है। उसकी टीम ने अब तक तीन मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए मामूली अंतर से अपने मैच गंवाये हैं और उसने खाता नहीं खोला है। पंजाब की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। केएल राहुल के नेतृत्व में टीम को तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बड़े स्कोर वाले पहले मैच में बमुश्किल अपने स्कोर का बचाव किया था लेकिन इसके बाद चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ उसके बल्लेबाज तो दिल्ली कैपिटल्स के सामने उसके गेंदबाज अनुकूल प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। चेन्नई के गेंदबाजों के सामने पंजाब किंग्स की टीम आठ विकेट पर 106 रन ही बना पायी थी और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। दिल्ली के खिलाफ राहुल और उनके सलामी जोड़ीदार मयंक अग्रवाल ने पिछले साल वाली फार्म दिखायी लेकिन स्टार गेंदबाज मोहम्मद शमी इस मैच में नाकाम रहे और टीम 196 रन के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पायी। ऐसा कम ही देखने को मिलता है जबकि शमी ने चार ओवर में 50 से अधिक रन लुटाये हों। यह तेज गेंदबाज सनराइजर्स के खिलाफ इसकी भरपायी करने की कोशिश करेंगा लेकिन वार्नर और जॉनी बेयरस्टॉ ने पिछले मैच में पूर्व की तरह अच्छी शुरूआत दिलायी थी और ये दोनों शमी और उनके साथियों पर शुरू से हावी होने का प्रयास करेंगे। अर्शदीप सिंह ने अब तक टीम के लिये अच्छी गेंदबाजी की है लेकिन आस्ट्रेलिया के झॉय रिचर्डसन और रिले मेरेडिथ प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं।

हमने बीच के ओवरों में बहुत अधिक विकेट गंवाए : सैमसन

मुंबई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ यहां सोमवार को अच्छी शुरूआत मिलने के बावजूद मैच हारने वाले राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि उन्हें लगता है कि पीछा करने के लिए यह अच्छा स्कोर था, लेकिन उनकी टीम ने बीच के ओवरों में बहुत अधिक विकेट गंवा दिए। उनके गेंदबाजों ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन सीएसके की बल्लेबाजी में गहराई है। हमने उन्हें 10-15 रन अतिरिक्त दे दिए। सैमसन ने कहा, हमने यहां गेंद के टर्न होने की उम्मीद नहीं की थी। दूसरी पारी में ओस नहीं आई, जिस वजह से गेंद टर्न हो रही थी, इसलिए यह थोड़ा चौंकाने वाला था।

मोईन अली ने अपनी आलराउंड क्षमता से सीएसके को मजबूती दी है : फ्लेमिंग

मुंबई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि इंग्लैंड के मोईन अली की आलराउंड क्षमता के कारण टीम को मजबूती मिली है। फ्लेमिंग ने कहा कि मोईन की तीसरे नंबर पर प्रभावशाली बल्लेबाजी के कारण टीम इस सत्र में अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही है।

मोईन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सोमवार को टीम की 45 रन से जीत में 26 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के अलावा सात रन देकर तीन विकेट भी लिये। फ्लेमिंग ने कहा, "उसने हमारे खेल में आलराउंड पहलू जोड़ा है जिसकी हमें पिछले साल कमी खल रही थी। वह जैसा योगदान दे रहा है हमें उसी की तलाश थी। उसने जिस तरह से शुरूआत की है उससे हम काफी खुश हैं।" मुख्य कोच ने कहा कि उनकी टीम ने सकारात्मक खेल दिखाया जिससे वह उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, "हम जिस तरह का खेल दिखा रहे हैं, मैं उससे वास्तव में उत्साहित हूं। हमारे पास जितने संसाधन हैं हम उनका भरपूर उपयोग करके विपक्षी टीम को कड़ी चुनौती दे रहे हैं। हम सकारात्मक क्रिकेट खेल रहे हैं।" फ्लेमिंग ने कहा कि कप्तान महेंद्र सिंह धोनी क्रीज पर जितना अधिक समय बिताएंगे उतना ही

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगा डब्ल्यूटीसी फाइनल : आईसीसी

दुबई, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आश्वस्त किया है कि ब्रिटेन द्वारा भारत को लाल सूची में डालने के बावजूद भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 18 जून को साउथम्पटन में शुरू होगा। भारत को लाल सूची में डालने का मतलब है कि देश से सभी यात्राओं पर पाबंदी लग गयी है। ब्रिटेन के नागरिकों को भी स्वदेश लौटने पर 10 दिन होटल में पृथकवास पर रहना होगा। ब्रिटेन ने यह कदम भारत में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के कारण उठाया है। आईसीसी को हालांकि विश्वास है कि वह जैव सुरक्षित वातावरण में डब्ल्यूटीसी फाइनल का आयोजन करने में सफल

International Cricket Council

रहेगा। आईसीसी ने सोमवार की रात जारी बयान में कहा, "ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) और अन्य सदस्यों ने दिखाया है कि हम महामारी के बीच कैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आयोजन कर सकते हैं और हमें विश्वास है कि हम आगे भी ऐसा करना जारी रख सकते हैं तथा डब्ल्यूटीसी फाइनल पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ब्रिटेन में जून में आयोजित किया जाएगा।" इसमें कहा गया है, "हम अभी ब्रिटिश सरकार से 'लाल सूची' में डाले गये देशों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चर्चा कर रहे हैं।" इस बीच भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सूत्रों ने पीटीआई भाषा से कहा कि अभी इस बारे में कुछ भी कहना असंभव है और बोर्ड को उम्मीद है जब टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिये जून के शुरू में ब्रिटेन की यात्रा करेगी तब तक भारत 'लाल सूची' में नहीं रहेगा। सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, "हम अभी नहीं जानते कि जून में स्थिति कैसी होगी।

यात्रा संबंधी दिशानिर्देश कोविड की स्थिति के अनुसार बदलते रहते हैं। भारतीय टीम जून में शुरू में जब ब्रिटेन के लिये रवाना होगी हो सकता है कि तब तक देश लाल सूची में नहीं रहे जिसमें 10 दिन के कड़े पृथकवास का प्रावधान है।"

गेंद के साथ अच्छी शुरूआत करना महत्वपूर्ण था : धोनी

मुंबई, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ यहां सोमवार को आईपीएल 2021 के 12वें मुकाबले में एकतरफा जीत के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि वह हमेशा मौके की नजाकत के हिसाब से फैसले लेते हैं कि उस समय क्या सबसे अच्छा है। धोनी ने कहा, सैम करेन ने सच में बहुत अच्छी गेंदबाजी की, जबकि दीपक ने नकल बॉल का बहुत ज्यादा इस्तेमाल किया। गेंद के साथ अच्छी शुरूआत करना महत्वपूर्ण था। गेंद थोड़ी बहुत घूम रही थी, इसलिए मुझे जोस बटलर द्वारा रिवर्स स्वीप शॉट खेलने पर बिल्कुल भी परेशानी नहीं हुई। टीम में छठा गेंदबाज होना महत्वपूर्ण है। यह हमेशा मदद करता है और छठे गेंदबाज के रूप में ज्यादातर रुख स्पिनरों की ओर होता है। मैदान पर सामान्य से थोड़ी कम ओस थी, इसलिए मुझे लगा कि हमें ज्यादा से ज्यादा रन बनाने चाहिए और जितना हो सके उतना बड़ा लक्ष्य देना चाहिए।' कप्तान ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में बहुत कुछ बदल गया है। इस बार हमने शुरूआत से ही बहुत अच्छा माहौल बनाए रखा है, जिसकी वजह से पिछला सीजन दबाव में खेलने वाले गेंदबाज इस बार इन विकेटों पर गेंदबाजी का आनंद ले रहे हैं। सीएसके के कप्तान ने कहा, जब आप खेल रहे होते हैं, तो आपको किसी को भी यह कहना नहीं चाहते कि वह अनफिट है।

दक्षिण अफ्रीका के सभी कप्तान आईसीसी से निलंबन को लेकर चिंतित

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीमों के तीनों कप्तानों ने संयुक्त बयान जारी करके क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) में चल रहे संकट को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से संभावित निलंबन को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। खिलाड़ियों ने कहा है कि यदि वर्तमान गतिरोध दूर नहीं किया जाता है तो हो सकता है कि दक्षिण अफ्रीका आईसीसी टी20 विश्व कप में भाग नहीं ले पाये जिसका आयोजन अक्टूबर-नवंबर में भारत में किया जाना है। उन्होंने कहा, "ऐसे समय में जबकि हमें भविष्य को लेकर उत्साहित होना चाहिए था, हम (खेल के) भविष्य को लेकर चिंतित हैं।" कप्तानों ने बयान में कहा, "दक्षिण अफ्रीका की पुरुष टीम को नवंबर में आईसीसी टी20 विश्व कप में खेलना है। क्रिकेट प्रशासन की वर्तमान स्थिति इससे जुड़ी हमारी तैयारियों को प्रभावित कर रही है। यदि आईसीसी दक्षिण अफ्रीका को निलंबित करने का फैसला करता है तो हमें इस टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ सकता है।"

लीड्स से ड्रा खेलकर लिवरपूल ने शीर्ष चार में जगह बनाने का मौका गंवाया

लीड्स, एजेंसी। लिवरपूल को 87वें मिनट में गोल गंवाने के कारण लीड्स के खिलाफ इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) का मैच 1-1 से ड्रा खेलना पड़ा जिससे टीम शीर्ष चार में जगह बनाने में नाकाम रही। लिवरपूल को साडियो माने ने 31वें मिनट में ही बढ़त दिला दी थी। उसने मैच में अधिकतर समय यह बढ़त कायम रखी लेकिन 87वें मिनट में स्पेन के डिफेंडर डिएगो लोरेंटे ने लीड्स को बराबरी दिला दी। लिवरपूल के अब 32 मैचों में 53 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। लीड्स के इतने ही मैचों में 46 अंक हैं और वह दसवें स्थान पर है। इस तरह से लिवरपूल अभी चैंपियन्स लीग की दौड़ से बाहर है। यदि वह इस मैच में जीत दर्ज कर लेता तो फिर वेस्ट हैम से ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच जाता।

अर्जेंटीना दौरे से हमें ओलंपिक से पहले अपनी स्थिति का आकलन करने का मौका मिला : रीड

बेंगलुरू,एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने मंगलवार को कहा कि अर्जेंटीना का हाल का दौरा बेहद लाभकारी रहा क्योंकि इससे उन्हें तोक्यो ओलंपिक से तीन महीने पहले अपनी टीम का आकलन करने का मौका मिला। भारत ने अपने दोनों एफआईएच प्रो लीग मैचों में अर्जेंटीना को पराजित किया तथा मौजूदा ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ चार अभ्यास मैचों में से दो में जीत दर्ज की। रीड ने खिलाड़ियों के राष्ट्रीय शिविर में लौटने के बाद मंगलवार को कहा, "अर्जेंटीना में ये मैच अपनी स्थिति का आकलन करने के लिहाज से हमारे लिये बेहद महत्वपूर्ण थे क्योंकि तोक्यो ओलंपिक खेलों में 100 दिन से भी कम का समय बचा है।" उन्होंने कहा, "हमने ब्यूनस आयर्स में कुछ अभ्यास सत्रों में भी हिस्सा लिया और हम आतिथ्य के लिये अर्जेंटीना हॉकी परिसंघ के आभारी हैं।"

संघर्षरत केकेआर के सामने होगी अब सीएसके की कड़ी चुनौती

मुंबई, एजेंसी। लगातार दो जीत से उत्साह से भरी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में संघर्षरत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना विजय अभियान जारी रखने के लिये उतरेगी। पिछले साल यूएई में खराब प्रदर्शन के बाद सीएसके की इस साल की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही थी और उसे पहले मैच में ही दिल्ली कैपिटल्स से सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इसके बाद महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम ने अपने चिर परिचित अंदाज में वापसी की। कैप्टेन कूल ने बल्लेबाजों के लिये अनुकूल वानखेड़े स्टेडियम में अपने सभी संसाधनों का उपयोग किया। दीपक चाहर के शानदार प्रदर्शन से सीएसके ने पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत दर्ज करके वर्तमान सत्र में अपना खाता खोला था। इसके अलावा उसकी पिछली दोनों जीत में इंग्लैंड के दो खिलाड़ियों मोईन अली और सैम करेन ने भी अहम भूमिका निभायी। आक्रामक आलराउंडर मोईन ने बल्लेबाजी क्रम में नंबर तीन के साथ पूरा न्याय किया है। उन्होंने दिल्ली के खिलाफ 24 गेंदों पर 36, पंजाब के खिलाफ 31 गेंदों पर 46 और सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खलिफ 20 गेंदों पर 26 रन बनाये।